सूर्योदय 6:20 सूर्यास्त 6:35

आज का तापमान

शिमला	06.0 न्यू	20.0 अधि
धर्मशाला	09.0 न्यू	21.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	72,696
निफ्टी	22,513
सोना	1,35, 200
चांदी	2,01,250

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | मंगलवार, 24 मार्च 2026 | 11 चैत्र, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 3, अंक 84, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | डाक पंजीकरण संख्या : HP/DO/DEHRA/01/2026-2028 follow us on: | 8894521702

चैत्र नवरात्र

षष्टम स्वरूप मां कात्यायनी

माता भगवती का छठा अवतार हैं कात्यायनी। इनकी पूजा छठे दिन की जाती है। छठे दिन साधक का मन आज्ञा चक्र में स्थित रहता है। मां कात्यायनी का स्वरूप अत्यंत दिव्य है। इनका वर्ण स्वर्ण के समान चमकीला है। इनकी चार भुजाएं हैं। दो हाथों में तलवार एवं कमल पुष्प सुशोभित हैं और दो हाथ वर और अभय मुद्रा में भक्तों को आशीर्वाद देते हैं। इनका वाहन सिंह है। मां कात्यायनी की भक्ति और उपासना से अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है। रोग, शोक, संताप, भय आदि सभी नष्ट हो जाते हैं। मान्यता है कि महर्षि कात्यायन ने मां भगवती को अपनी पुत्री के रूप में प्राप्त करने की अभिलाषा के साथ वन में कठोर तपस्या की थी। महर्षि की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवती ने उन्हें पुत्री का वरदान दिया। इसके बाद महिषासुर नामक राक्षस के अत्याचार से मुक्ति दिलाने के लिए त्रिदेवों के तेज से एक कन्या का जन्म हुआ, जिसने असीम शक्ति और तेज के बल पर महिषासुर का अंत किया। कात्य गोत्र में जन्म लेने के कारण देवी भगवती कात्यायनी कहलाई।

मंत्र : चंद्रहासोज्वलकरा शार्दूलवरवाहना। कात्यायनी शुभं दध्यतिवि दानवघातिनी ।।

चिट्टा आरोपी नहीं लड़ पाएंगे चुनाव

प्रदेश कैबिनेट में नगर निकायों में डायरेक्ट अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुनाव का प्रस्ताव अस्वीकर

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। सोमवार सुबह हिमाचल प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में हुई। इसमें कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। मंत्रिमंडल ने पंचायती राज एक्ट में संशोधन का निर्णय लेते हुए फैसला लिया है कि जो लोग चिट्टे के साथ पकड़े जाएंगे, वे पंचायत चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। इसके लिए पंचायती राज संशोधन विधेयक 2026 के ड्राफ्ट को राज्य मंत्रिमंडल ने अपनी मंजूरी दे दी। पंचायत चुनाव से ठीक पहले राज्य सरकार इसके लिए राज्य विधानसभा में कानून पारित करने जा रही है। पारित विधेयक को राज्यपाल की स्वीकृति मिलते ही नया कानून अस्तित्व में आ जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 151 सीबीएसई स्कूलों में 2068 शिक्षकों को रखा जाएगा। कैबिनेट ने यह भी फैसला लिया कि मेडिकल कॉलेज हमीरपुर, नेरचौक और आईजीएमसी शिमला में बायो फिजिक्स विभाग को शुरू किया जाएगा। नाहन मेडिकल कॉलेज को शहर से बाहर बदलने को लेकर स्वास्थ्य मंत्री धनीराम शांडिल की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडलीय उप समिति की रिपोर्ट भी कैबिनेट बैठक में रखी गई। इस रिपोर्ट को मंजूरी दी गई। इसके बाद नाहन मेडिकल कॉलेज शहर से बार स्थानांतरित होगा। वहीं, हिमाचल प्रदेश में नगर पंचायत व नगर परिषदों में चेयरमैन और वाइस चेयरमैन के चुनाव डायरेक्ट नहीं होंगे। कैबिनेट मीटिंग में इस प्रस्ताव पर सहमति नहीं बन पाई। कैबिनेट में इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हुई, लेकिन अधिकांश मंत्रियों ने सीधे चुनाव के प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया। ऐसे में अब पहले की तरह ही अप्रत्यक्ष प्रणाली लागू रहेगी, जिसके तहत पार्षद ही चेयरमैन और वाइस चेयरमैन का चुनाव करेंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय के आदेश पर शहरी विकास विभाग ने इसे लेकर प्रस्ताव कैबिनेट को भेजा था, मगर यह योजना सिरे नहीं चढ़ी, क्योंकि पूर्व की प्रेम कुमार धूमल के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार इस प्रयोग को कर चुकी है। उस दौरान सत्तारूढ़ बीजेपी की नगर निगम शिमला के चुनाव में करारी हार हुई थी। उस अनुभव को देखते हुए डायरेक्ट चुनाव के प्रस्ताव को टाल दिया गया है।

सचिवालय में मंत्रिमंडल बैठक की अध्यक्षता करते मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू। अनंत ज्ञान

एंट्री टैक्स लगाने पर अनौपचारिक चर्चा, लेकिन फैसला नहीं

प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में एंट्री टैक्स लगाने पर अनौपचारिक चर्चा की गई, मगर फैसला नहीं हुआ। इस टैक्स को ग्रीन टैक्स या किस रूप में लगाया जा सकता है और इसका कितना लाभ प्रदेश के कोष में होगा। इस पर प्रस्तुति दी गई।

प्रदेश के प्रमुख शहरों में पाइपों से गैस पहुंचाने पर निर्णय

प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध पर भी चर्चा की गई। इसमें पाइपों से सभी प्रमुख शहरों के लिए घरेलू गैस की आपूर्ति करने का निर्णय लिया गया। सभी पेट्रोलियम कंपनियों को इस बारे में सुविधाएं देने पर मंत्रणा हुई। विशेषकर भूमि अधिग्रहण के मामलों में पेट्रोलियम कंपनियों को सहयोग करने के मामले पर चर्चा हुई।

प्रदेश में पेट्रोल-डीजल पर अनाथ व विधवा सेस लागू

अनंत ज्ञान

- विधानसभा में भारी हंगामे के बीच पास हुआ विधेयक
- अनाथ-विधवाओं के कल्याण पर इस्तेमाल होगा पैसा

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे चरण में सोमवार को एक अहम निर्णय लेते हुए सरकार ने पेट्रोल और हाई स्पीड डीजल पर अनाथ एवं विधवा सेस लगाने का प्रावधान पारित कर दिया। हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर (संशोधन) विधेयक-2026 विपक्ष के तीखे विरोध और वाकआउट के बीच ध्वनिमत से मंजूर किया गया। सदन की कार्यवाही के दौरान इस मुद्दे पर सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली।

संशोधित प्रावधानों के अनुसार यह सेस राज्य में पेट्रोल और डीजल की पहली बिक्री के समय वसूला जाएगा। सरकार को अधिसूचना के माध्यम से इसकी दर तय करने का अधिकार दिया गया है, जबकि इसकी अधिकतम सीमा 5 रुपए प्रति लीटर निर्धारित की गई है। विधेयक में नई धारा 6-ए जोड़कर इस सेस को कानूनी आधार प्रदान किया गया है और धारा 2 में इसकी स्पष्ट परिभाषा भी शामिल की गई है। सरकार का कहना है कि इस सेस से प्राप्त होने वाली राशि का उपयोग अनाथ बच्चों और आर्थिक रूप से कमजोर विधवाओं के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं को मजबूत करने में किया जाएगा।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि सेस लगाने का तरीका ऐसा रखा जाएगा जिससे आम उपभोक्ताओं पर अनावश्यक आर्थिक बोझ न पड़े।

अदालत पहुंचा गोहर में फैले पीलिया का मामला

अनंत ज्ञान

- बार एसोसिएशन की याचिका सिविल जज कोर्ट में मंजूर
- पंचायत सचिवों को हर पेशी पर हाजिर होने के आदेश

सुनील शर्मा, गोहर। गोहर उपमंडल में पीलिया के भयावह प्रकोप, दूषित पेयजल और खुले में बहते सीवरेज के मामले में आखिरकार अदालत ने सख्त रुख अपना लिया है। गोहर के सिविल जज कोर्ट ने सोमवार को बार एसोसिएशन गोहर द्वारा दायर जनहित याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए सीपीसी की धारा 80(2) के तहत दायर आवेदन मंजूर कर लिया। अदालत के इस फैसले के बाद जलशक्ति विभाग, स्वास्थ्य विभाग, प्रशासन और पंचायतों की कार्यप्रणाली अब सीधे न्यायिक जांच के दायरे में आ गई है। क्षेत्र में अब तक 240 से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं, जबकि 3 लोगों की मौत ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। दूषित पानी, अव्यवस्थित कचरा निस्तारण और खुले में बहती सीवरेज व्यवस्था को लेकर लोगों में लंबे समय से आक्रोश था, जो अब अदालत के दरवाजे तक पहुंच चुका है।

अदालत ने सभी प्रतिवादियों को दो दिन के भीतर विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के आदेश दिए हैं। सबसे अहम बात यह रही कि अदालत ने संबंधित पंचायत सचिवों को हर आगामी सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने का सख्त निर्देश दिया है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 25 मार्च को होगी।

विश्राम गृहों की भोजन व सफाई व्यवस्था निजी एजेंसियों के हवाले

अनंत ज्ञान

- बजट सत्र में मुख्यमंत्री सुक्खू का बड़ा ऐलान
- बेहतर सुविधाएं देने के लिए लिया यह फैसला

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश के बजट सत्र के दौरान एक अहम घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न विभागों के विश्राम गृहों की व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया जाएगा। सरकार अब इन विश्राम गृहों में भोजन, पेयजल और साफ-सफाई की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए नई नीति लाने जा रही है, जिसके तहत इन सेवाओं को प्राइवेट एजेंसियों के माध्यम से संचालित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सदन में अपने संबोधन के दौरान बताया कि लोक निर्माण, जल शक्ति और वन विभाग के कई विश्राम गृहों में वर्तमान समय में खाने-पीने और रख-रखाव की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। इसके चलते यहां आने वाले अतिथियों और अधिकारियों को असुविधा का सामना करना पड़ता है और उन्हें बाहर से इंतजाम करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति को सुधारने के लिए सरकार ठोस कदम उठा रही है, ताकि विश्राम गृहों में रहने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

सुक्खू ने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित नीति के तहत न केवल खान-पान बल्कि साफ-सफाई, रख-रखाव और सौंदर्यीकरण का कार्य भी आउटसोर्स किया जाएगा। इससे सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा और विश्राम गृहों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा सकेगा। सरकार जल्द ही इस संबंध में विस्तृत नीति तैयार कर लागू करने की दिशा में आगे बढ़ेगी।

कैग रिपोर्ट में देरी, अतिरिक्त खर्च और नियमों की हुई अनदेखी

एचपीएसआईडीसी में 100 करोड़ रुपए से अधिक की गड़बड़ियां उजागर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम की सीएजी ऑडिट रिपोर्ट में 100 करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय अनियमितताएं और कार्यों में गड़बड़ियां उजागर हुई हैं। रिपोर्ट में सामने आया है कि कई परियोजनाएं निर्धारित समयसीमा में पूरी नहीं हो सकीं, जिससे संभावित राजस्व का नुकसान हुआ और सरकारी संसाधनों का प्रभावी उपयोग नहीं हो पाया। जांच में पाया गया कि 44.96 करोड़ रुपए की लागत वाली 10 परियोजनाएं बिना तकनीकी मंजूरी के ही शुरू कर दी गईं, जिनमें से 27.64 करोड़ रुपए का खर्च वर्षों पहले ही किया जा चुका था। वहीं, 103.40 करोड़ रुपए की दो प्रमुख आधारभूत परियोजनाएं तय समय के बाद भी अधूरी पड़ी हैं, जो कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती हैं। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि 92 में से 33 कार्य समय पर पूरे नहीं हुए, जिससे एजेंसी शुल्क में 4.82 लाख रुपए का नुकसान हुआ और करीब 6.45 करोड़ रुपये के अतिरिक्त कार्यों का अवसर भी हाथ से निकल गया। इसके अलावा परामर्श सेवाओं में 1.04 करोड़ रुपए और सेवा कर के रूप में 15.12 लाख रुपए का अतिरिक्त भुगतान किया गया, जो वित्तीय अनुशासन की कमी को दर्शाता है।

लोक उपक्रम समिति ने मांगा स्पष्टीकरण

वित्तीय प्रबंधन में भी खामियां उजागर हुई हैं। 448 कार्यों में 21.29 करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्यय पाया गया, जबकि 12.43 करोड़ रुपए की बचत समय पर वापस नहीं की गई। साथ ही, बयाना राशि (ईएमडी) में 1.42 करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई। विधानसभा की लोक उपक्रम समिति ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है और भविष्य में ऐसी अनियमितताओं को रोकने के लिए सुधारात्मक कदम उठाने की सिफारिश की है।

न्यूज शॉर्ट्स

पीएम के खिलाफ पोस्ट करने वाले कांग्रेस नेता अनिल को मिली जमानत

अनंत ज्ञान, ऊना। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले के गगरेट विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता अनिल डडवाल को दिल्ली की एक अदालत से जमानत मिल गई है। इससे उनकी तिहाड़ जेल से जल्द रिहाई होने की संभावना है। अनिल डडवाल पर सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट साझा करने का आरोप है। इसी आरोप में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने उन्हें गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल तिहाड़ जेल में न्यायिक हिरासत में थे। 16 मार्च को अनिल डडवाल को पूछताछ के बाद अरेस्ट किया था।

डीएम सुसाइड केस में पूर्व मंत्री भुल्लर अरेस्ट

एजेंसी, अमृतसर। पंजाब में वेयरहाउस के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (डीएम) गगनदीप सिंह रंधावा के सुसाइड केस में आम आदमी पार्टी सरकार के पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर को गिरफ्तार कर लिया गया है। अमृतसर के डीएसपी रविंदर पाल ने कहा कि उन्होंने फतेहगढ़ साहब पुलिस की मदद से लालजीत सिंह भुल्लर को मंडी गोविंदगढ़ से गिरफ्तार किया है। वहीं, लालजीत सिंह भुल्लर ने सोशल मीडिया (फेसबुक) पर पोस्ट डालकर दावा किया कि उन्होंने सरेंडर किया है। गिरफ्तारी के बाद राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने भुल्लर का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। (अनंत ज्ञान)

अविमुक्तेश्वरानंद अपनी चतुरंगिणी सेना बनाएंगे

एजेंसी, वाराणसी। वाराणसी में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सोमवार को चतुरंगिणी सेना बनाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा- चतुरंगिणी सेना में 2 लाख 18 हजार 700 सैनिक होंगे। इसमें देशभर से लोग भर्ती होंगे। उन्होंने बताया- यह सेना गोरक्षा, धर्म रक्षा, शास्त्र रक्षा और मंदिर रक्षा का कार्य करेगी। उनकी ड्रेस पीली होगी। हाथ में परशु (फरसा) होगा। अविमुक्तेश्वरानंद ने चतुरंगिणी सेना बनाने के लिए श्रीशंकराचार्य चतुरंगिणी सभा का गठन किया है। इसमें 27 सदस्य होंगे। इसका अध्यक्ष वे खुद होंगे। शंकराचार्य ने अपनी सेना के काम करने के तरीके बताए। पहले टोको। नहीं माने तो रोको। नहीं तो फिर ठोको। (अनंत ज्ञान)

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- भारत नेट से जुड़ेंगी डोडरा क्वार की पंचायतें -पेज 2
- पेट्रोल-डीजल सेस पर सियासत विपक्ष ने किया विरोध -पेज 3
- न पॉलिसी, न वेतन बजट में उपेक्षा पर उखड़े पैरा वर्कर्स -पेज 5
- सुरेंद्र ठाकुर चेयरमैन, कपिल शर्मा चुने गए वाइस चेयरमैन -पेज 12

शेयर बाजार में हाहाकार, सेंसेक्स 1837 अंक टूटा

बैंकिंग, ऑटो, मेटल और एफएमसीजी शेयर्स में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज

एजेंसी, मुंबई

शेयर बाजार में 23 मार्च को बड़ी गिरावट रही। सेंसेक्स 1837 अंक (2.46%) की गिरावट के साथ 72,696 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 602 अंक (2.60%) की गिरावट रही, यह 22,513 पर बंद हुआ। आज बैंकिंग, ऑटो, मेटल और एफएमसीजी शेयर्स में ज्यादा गिरावट रही। बाजार गिरने की 3 बड़ी वजहों में अमेरिका-इसराइल और ईरान युद्ध से सप्लाई चेन का बिगड़ना, कच्चे तेल के दाम बढ़कर 113 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचना और अमेरिका और एशियाई बाजारों में गिरावट है। (अनंत ज्ञान)

सोना 12 हजार और चांदी 31 हजार रुपए सस्ती

नई दिल्ली। अमेरिका-इसराइल की ईरान से चल रही जंग के बीच सोने चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट जारी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 12,077 रुपए घटकर 1.35 लाख रुपए पर आ गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 40 साल में सोने के कीमत में इतनी बड़ी गिरावट हुई है। इससे पहले इसकी कीमत 1.47 लाख थी। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 30,864 रुपए घटकर 2.01 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 2.32 लाख रुपए किलो थी। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना 24 दिन में 23,956 और चांदी 65,200 सस्ती हुई है।

डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानी पावर प्लांट्स पर हमला टाला

तेहरान/वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के पावर प्लांट्स और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने वाले हमलों को फिलहाल टाल दिया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच पिछले दो दिनों से चली बातचीत के बाद यह फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि रक्षा विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि पावर प्लांट्स और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर सभी सैन्य हमलों को 5 दिनों के लिए रोक दिया जाए। ट्रंप ने कहा कि अगर बातचीत सफल रहती है, तो मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव को खत्म करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा सकता है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति की तरफ से ईरान के ऊर्जा प्लांट्स पर पांच दिन तक हमले रोकने के निर्देश पर तेहरान ने पहली प्रतिक्रिया दी है। सोमवार को ईरानी सरकारी टेलीविजन ने दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान की कड़ी चेतावनी के बाद पीछे हट गए हैं। ईरान ने धमकी दी थी कि अगर उसके पावर प्लांट पर हमला हुआ तो वह जवाबी कार्रवाई करेगा। (अनंत ज्ञान)

होर्मुज का रास्ता रोकना नामंजूर : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जंग के हालातों पर पीएम मोदी ने पहली बार सार्वजनिक बयान दिया। लोकसभा में 25 मिनट की स्पीच में उन्होंने कहा कि तनाव खत्म होना चाहिए। बातचीत से ही समस्या का समाधान है। पीएम ने कहा कि नागरिकों और पावर प्लांट पर हमले मंजूर नहीं हैं। होमुर्ज का रास्ता रोकना स्वीकार नहीं होगा।

पीएम ने कहा कि संकट की घड़ी में भारतीयों की सुरक्षा हमारी बहुत बड़ी प्राथमिकता रही है। अभी 3 लाख 75 हजार भारतीय सुरक्षित देश लौट चुके हैं। (अनंत ज्ञान)

अब 41 देशों से तेल व गैस इंपोर्ट कर रहे

पीएम ने कहा कि सरकार की कोशिश है कि देश में तेल-गैस संकट न हो। इसके लिए 27 की जगह अब 41 देशों से इंपोर्ट कर रहे हैं। पश्चिम एशिया में एक करोड़ भारतीय रहते हैं। उनकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। पीएम ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने संकट के समय के लिए कच्चे तेल के भंडारण को प्राथमिकता दी है। आज हमारे पास 53 लाख मीट्रिक टन से अधिक का रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार है। इसे बढ़ाकर 65 लाख मीट्रिक टन से अधिक करने का काम चल रहा है। हमारी तेल कंपनियां अलग स्टोरेज रखती हैं।

लोहारा में दादा ने चलाई गोली, पोता गंभीर जख्मी

अनंत ज्ञान

- अपनी चाची को बचाने बीच में आया था उमेश
- एम्स बिलासपुर से पीजीआई चंडीगढ़ रेफर

बग्गी। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिला के लोहारा गांव में रविवार रात पारिवारिक विवाद के दौरान सेवानिवृत्त फौजी बहादुर सिंह ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से फायरिंग कर दी, जिसमें उसका पोता उमेश चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को पहले नेरचौक मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे एम्स बिलासपुर रेफर किया गया, लेकिन हालत नाजुक होने पर उसे पीजीआई चंडीगढ़ रेफर कर दिया गया है।

पुलिस को दी शिकायत में बहू मनीषा चौधरी (30) ने बताया कि उसके ससुर बहादुर सिंह अक्सर शराब के नशे में गाली-गलौज और मारपीट करते हैं। रविवार शाम करीब 7:30 बजे भी वह नशे में मनीषा और उसके पति भूपेंद्र के साथ झगड़ा कर रहा था। विवाद बढ़ने पर बहादुर सिंह ने मनीषा पर बंदूक तान दी। शोर सुनकर जेठ का बेटा (मनीषा का भतीजा) उमेश उन्हें बचाने पहुंचा, तभी आरोपी ने फायर कर दिया और गोली उमेश की दाईं कलाई को चीरते हुए उसके कुल्हे में लगी। फायरिंग के बाद घर में अफरा-तफरी मच गई और मनीषा व उसके पति ने साहस दिखाते हुए आरोपी से बंदूक छीन ली। गोली की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। घटना से गुस्साए परिजनों ने बहादुर सिंह की पिटाई कर दी, जिससे वह भी घायल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और लाइसेंसी हथियार व खाली कारतूस कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है, जबकि आरोपी का इलाज एम्स बिलासपुर में पुलिस निगरानी में चल रहा है।

डॉलर के मुकाबले रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर 94.01 पर पुहंचा

एजेंसी, नई दिल्ली। खाड़ी देशों में जारी ईरान की जंग से आज रुपया डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। रुपया डॉलर के 48 पैसे गिरकर मुकाबले 94.01 के स्तर पर बंद हुआ है। (अनंत ज्ञान)

टिप्पणी

लोग सालों तक जेलों में सड़ रहे, यह विकसित भारत का आदर्श नहीं हो सकता

ज्यूडिशियरी हद से ज्यादा सख्त हो रही: जस्टिस भुइयां

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने कहा कि ज्यूडिशियरी के कुछ हिस्से 'मोर लॉयल देन द किंग सिंड्रोम' से ग्रस्त हैं। यानी ये हिस्से राजा से भी ज्यादा वफादार होने की प्रवृत्ति अपना चुके हैं। इसके कारण ही लोग महीनों तक जेलों में सड़ते रहते हैं। जस्टिस भुइयां ने यह बात रविवार को बेंगलुरु में हुए सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की पहली नेशनल समिट के दौरान कही।

'विकसित भारत में न्यायपालिका की भूमिका' विषय पर पैनल डिस्कशन के दौरान जस्टिस भुइयां ने कहा- कुछ मामलों में सिस्टम इतना ज्यादा सख्त हो रहा है कि जरूरत से ज्यादा केस दर्ज हो रहे हैं। बार एंड बेंच की एक खबर के मुताबिक जस्टिस भुइयां ने सरकार और न्यायपालिका के संबंधों, पीएमएलए, यूएपीए कानूनों के जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने विरोध प्रदर्शन और सोशल मीडिया एक्टिविटी जैसे छोटे मुद्दों पर मनमाने ढंग से क्रिमिनल केस दर्ज किए जाने की निंदा की।

पैनल डिस्कशन के दौरान जस्टिस भुइयां बोले- 'भारत में दलितों से भेदभाव जैसी सामाजिक दरारें बर्दाश्त नहीं की जा सकतीं। माता-पिता यह जिद नहीं कर सकते कि बच्चे दलित महिला के हाथ का बना खाना नहीं खाएंगे। हम ऐसी स्थिति बर्दाश्त नहीं कर सकते जहां दलित पुरुषों, अनुसूचित जाति के पुरुषों को गलियारों में खड़ा किया जाए और लोग उन पर पेशाब करें। यह विकास का मॉडल नहीं हो सकता। व्यक्ति के सम्मान की रक्षा की जानी चाहिए।' (अनंत ज्ञान)

कहा- पीएमएलए यूएपीए एक्ट का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल उनकी वैल्यू घटा रहा

अपनी स्पीच के दौरान जस्टिस भुइयां ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) जैसे कानूनों के तहत आरोपियों को लंबे समय तक हिरासत में रखे जाने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा- पीएमएलए प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, ऐसे मामलों से निपटने का एक बड़ा साधन है, लेकिन कानून का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल इसके असर को कमजोर करता है। वहीं, यूएपीए को लेकर कहा कि जब दोषसिद्धि की दर लगभग 5% से भी कम है, तो आरोपी को सालों तक जेल में क्यों रखा जाए। जस्टिस भुइयां ने कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़े कुछ विवादों से निपटने के लिए सुप्रीम कोर्ट को एसआईटी बनानी पड़ी हैं, जिससे सिर्फ समय की बर्बादी हुई है।

विकसित भारत राजनीतिक नारा, कोर्ट अलग रहें

जस्टिस भुइयां ने न्यायपालिका को विकसित भारत जैसे राजनीतिक नारों से बहुत ज्यादा जोड़ने के खिलाफ भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा- 'विकसित भारत' का विचार एक राजनीतिक लक्ष्य है और अदालतों को अपने कामकाज में स्वतंत्र रहना चाहिए। जब हम विकसित भारत की बात करते हैं, तो बहस और असहमति के लिए गुंजाइश होनी चाहिए। असहमति को अपराध नहीं माना जाना चाहिए।

पहाड़ों पर स्थित काली टिब्बा मंदिर में गूंजे जयकारे

दूरदराज से आए श्रद्धालुओं ने मां के दरबार में शीश नवाकर मांगी सुख-शांति

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। शिमला मुख्यालय से दूर ऊंची पहाड़ियों पर स्थित काली टिब्बा मंदिर में इन दिनों नवरात्रों का पावन पर्व पूरे शबाब पर है। जैसे ही मौसम साफ हुआ, मंदिर परिसर में भक्तों की आमद बढ़ती चली गई और वातावरण 'जय माता दी' के गूंजते जयकारों से सराबोर हो उठा। दूरदराज इलाकों से श्रद्धालु भारी तादाद में यहां पहुंच रहे हैं और मां के दरबार में शीश नवाकर अपनी मनोकामनाएं अर्जी के तौर पर पेश कर रहे हैं। हरे-भरे पहाड़ों के बीच बसा यह पवित्र स्थल इन दिनों एक रूहानी नज़ारे में तब्दील हो गया है।

नवरात्रों के पांचवें दिन मां दुर्गा के पंचम स्वरूप स्कंदमाता की विधि-विधान से पूजा की गई। स्कंदमाता अपने गोद में भगवान कार्तिकेय (स्कंद) को धारण किए रहती हैं, उनका स्वरूप बेहद शांत, करुणामयी और कल्याणकारी माना जाता है। चार भुजाओं वाली माता कमल के आसन पर विराजमान होती हैं, इसलिए इन्हें पद्मासना भी कहा जाता है। उनके इस रूप की उपासना करने से भक्तों को संतोष, समृद्धि और संतान सुख का वरदान प्राप्त होता है, साथ ही जीवन में स्थिरता और आत्मिक शांति भी हासिल होती है।

स्कंदमाता की पूजा में भक्त सच्चे मन से धूप, दीप, पुष्प और नैवेद्य अर्पित करते हैं। विशेष रूप से केले का भोग चढ़ाने की परंपरा है, जिसे माता अत्यंत प्रिय मानती हैं। श्रद्धालु 'ॐ देवी स्कंदमातायै नमः' मंत्र का जाप कर अपनी श्रद्धा अर्पित करते हैं। मान्यता है कि जो भक्त पूरे समर्पण और विश्वास से माता की आराधना करता है, उसकी हर जायज़ मुराद पूरी होती है और जीवन में सुख-शांति की बहार आती है। मंदिर परिसर में आकर्षक सजावट, रंग-बिरंगी झालरों और फूलों से सजी चौखटें भक्तों का दिल मोह रही हैं। कीर्तन मंडलियों ने भजन-कीर्तन के जरिए पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया है। ढोल-नगाड़ों और भजनों की स्वर लहरियों के बीच श्रद्धालु झूमते नजर आए। यहां की वादियों में फैली हरियाली और सामने दिखती चोटियों की दिलकश खूबसूरती इस रूहानी माहौल को और भी दिलनशीं बना रही है।

हर साल बढ़ रही आस्था की भीड़

शिमला, सोलन और अन्य दूरस्थ क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं का कहना है कि काली टिब्बा मंदिर में मां के दर्शन मात्र से दिल को सुकून मिलता है। नवरात्रों के दौरान यहां का नजारा पूरी तरह बदल जाता है और हर तरफ श्रद्धा और आस्था की रोशनी बिखरी नजर आती है। मंदिर के पुजारी शंभू भारती ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी नवरात्रों में श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ उमड़ रही है। शुरुआती दिनों में मौसम की कुछ परेशानी जरूर रही, लेकिन अब मौसम साफ होने के बाद भक्तों की संख्या में लगातार इज़ाफा हो रहा है। उन्होंने कहा कि मां के दरबार में आने वाले हर भक्त की मनोकामना पूरी होती है और यहां से कोई भी खाली हाथ नहीं लौटता।

शिमला की सब्जी मंडी में विवाद बना जानलेवा, दो समुदाय आमने-सामने

देवभूमि संघर्ष समिति ने दुकान पर किया जबरन कब्जा, माहौल हुआ तनावपूर्ण

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। राजधानी शिमला की सब्जी मंडी में एक दुकान को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते बड़ा टकराव बन गया, जिसमें दो समुदायों के लोग आमने-सामने आ गए और बात हाथापाई तक पहुंच गई। माहौल इतना गर्म हो गया कि नारेबाजी और भीड़ के जमावड़े ने पूरे इलाके को तनावपूर्ण बना दिया। यह मामला अब शहर में लगातार चर्चा और बेचैनी का सबब बनता जा रहा है, जिससे स्थानीय लोग भी सहमे हुए नजर आ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, देवभूमि संघर्ष समिति के सदस्य मौके पर पहुंचे और कथित तौर पर दुकान का ताला तोड़कर अंदर रखा सामान बाहर निकाल दिया। समिति का आरोप है कि संबंधित परिवार वर्ष 1947 से इस दुकान का संचालन करता आ रहा है और बिना किसी कानूनी नोटिस या प्रक्रिया के दुकान पर जबरन कब्जा कर लिया गया। इस कार्रवाई के दौरान स्थिति और ज्यादा बिगड़ गई, जिससे दोनों पक्षों के बीच टकराव और तीखा हो गया। इस पूरे घटनाक्रम के बीच दुकान चलाने वाली महिला भावुक हो गईं। उन्होंने बताया कि वह परिवार के साथ भाभी के निधन के कारण बाहर गई थीं और जब वापस लौटीं तो दुकान पर किसी और का ताला लगा मिला। जब उन्होंने ताला खोलने की कोशिश की तो कुछ लोगों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। इस बयान ने मामले को और संवेदनशील बना दिया है, क्योंकि इसमें इंसाफ और इंसानियत दोनों के सवाल खड़े हो रहे हैं।

मौके पर जुटी भीड़ व पुलिस टीम। अनंत ज्ञान

पुलिस की तत्परता से टला बड़ा टकराव

विवाद की सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और भीड़ को नियंत्रित करते हुए हालात को संभालने की कोशिश की। पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत कराने का प्रयास किया और फिलहाल क्षेत्र में तैनाती जारी है। हालांकि स्थिति फिलहाल काबू में बताई जा रही है, लेकिन इस मामले की परतें लगातार उलझती जा रही हैं और प्रशासन के सामने चुनौती बनी हुई हैं कि कैसे इस संवेदनशील मसले का स्थायी समाधान निकाला जाए।

न्यूज ब्रीफ

शहीदी दिवस पर 22 यूनिट रक्त किया एकत्रित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। जिला रेडक्रॉस सोसाइटी शिमला द्वारा शहीदी दिवस के अवसर पर रिज मैदान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (कानून एवं व्यवस्था) पंकज शर्मा ने किया। उन्होंने रक्तदान को महादान बताते हुए समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति से इसमें भागीदारी का आह्वान किया, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके। शिविर का आयोजन उपायुक्त एवं सोसाइटी के अध्यक्ष अनुपम कश्यप के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें लायंस क्लब शिमला और कप्तान जे एन सूद मेमोरियल ट्रस्ट के सहयोग से कुल 22 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव हेमंत जोकटा ने बताया कि रक्तदान न केवल दूसरों के जीवन को बचाने में सहायक है, बल्कि यह रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है। इस दौरान कमला नेहरू अस्पताल, शिमला के ब्लड बैंक की टीम ने सेवाएं प्रदान कीं और एकत्रित रक्त को उनके ब्लड बैंक में सुरक्षित जमा किया गया।

विद्यार्थियों में जगाई देशभक्ति की भावना

अनंत ज्ञान, रामपुर। सर्वपल्ली राधाकृष्णन बीएड, एमएड संस्थान नोगली, बालना में शहीदी दिवस श्रद्धा, सम्मान और देशभक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष डॉ. मुकेश शर्मा और प्राचार्या डॉ. सीमा भारद्वाज ने भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमनकिया। उन्होंने कहा कि मातृभूमि के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों का ऋण कभी नहीं चुकाया जा सकता और सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करें। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति गीत प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें एकलव्य सदन की दिव्या ने प्रथम, अर्जुन सदन के सुदर्शन ने द्वितीय तथा गौतम बुद्ध सदन की तान्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रशिक्षु विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों की प्रस्तुतियों से वातावरण को राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कर दिया। अंत में सभी ने 'भारत माता की जय' के उद्घोष के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

युवाओं ने दिया जिम्मेदार नागरिकता का संदेश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। शहीद दिवस के अवसर पर मेरा युवा भारत, जिला शिमला द्वारा भारतीय शिक्षा संस्थान, घनाहट्टी में जिला स्तरीय पदयात्रा और स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम महान स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान को समर्पित रहा, जिसमें लगभग 500 युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर देशभक्ति और एकता का संदेश दिया। मुख्य अतिथि डॉ. (प्रो.) ऋषि पाल नैण्टा ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए भ्रष्टाचार और नशे जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जागरूकता फैलाने पर जोर दिया। उप निदेशक विपिन कुमार ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए 'मेरा भारत, मेरी जिम्मेदारी' के संकल्प को दोहराया।

रामपुर महाविद्यालय का वार्षिक उत्सव कल

अनंत ज्ञान, रामपुर। राजकीय महाविद्यालय रामपुर बुशहर में 25 मार्च को महाविद्यालय परिसर में वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसमें विद्यार्थियों द्वारा नृत्य, गीत सहित विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरण समारोह के माध्यम से सम्मानित भी किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त प्राचार्य प्रोफेसर जय भगवान बंसल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. शंकर भगत उपस्थित रहेंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य ने विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आयोजन की शोभा बढ़ाने और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने का आग्रह किया है।

एनाडेल में शहीदों को दी श्रद्धांजलि

श्रद्धांजलि स्थल पर पुष्पचक्र अर्पित करते सैन्य अधिकारी। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। आर्मी हेरिटेज म्यूजियम एनाडेल स्थित नवीनीकृत श्रद्धांजलि स्थल का पुनः समर्पण आज पुष्पचक्र अर्पण समारोह के साथ गरिमामय वातावरण में किया गया। समारोह का नेतृत्व लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा, जीओसी-इन-चीफ, आर्मी ट्रेनिंग कमांड ने किया।

इस अवसर पर सैन्य अधिकारियों, पूर्व सैनिकों और एनसीसी कैडेट्स ने वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके अद्वितीय बलिदान को याद किया। इस दौरान 52 फुट ऊंचे भव्य राष्ट्रीय ध्वज को भी समर्पित किया गया, जो राष्ट्र की एकता, गौरव और मातृभूमि के प्रति समर्पण का सशक्त प्रतीक बनकर उभरा है।

एनाडेल स्थित यह स्थल अब न केवल श्रद्धा और चिंतन का केंद्र बनेगा, बल्कि शिमला आने वाले पर्यटकों के लिए भी प्रेरणा का प्रमुख आकर्षण रहेगा। नवीनीकरण के बाद स्मारक की गरिमा और पवित्रता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो भारतीय सेना की अपने शहीदों के प्रति अटूट सम्मान को दर्शाती है।

राज्यपाल ने साहस, त्याग व बलिदान को किया नमन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। शहीदी दिवस के अवसर पर सोमवार को लोकभवन में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में राज्यपाल श्री कविंद्र गुप्ता ने अमर शहीद सरदार भगत सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। दरबार हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में राजभवन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा दो मिनट का मौन रखकर शहीदों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव का सर्वोच्च बलिदान देश की स्वतंत्रता की मजबूत नींव बना और उनका त्याग सदैव राष्ट्र को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि इन महान क्रांतिकारियों की कम आयु में दी गई शहादत हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है और उनके बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्र भारत में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। राज्यपाल ने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनका भगत सिंह के परिवार से भी संबंध रहा है और वे हर वर्ष 23 मार्च को हुसैनीवाला स्थित शहीद स्मारक पर आयोजित कार्यक्रमों में सम्मिलित होते रहे हैं। उन्होंने विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए नागरिकों से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान करते हुए कहा कि यही शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

शहीदी दिवस पर एसएफआई का विरोध प्रदर्शन

साम्राज्यवादी नीतियों के विरोध में ट्रंप, मोदी का पुतला दहन कर जताया आक्रोश

शहीदी दिवस के अवसर पर एसएफआई कार्यकर्ता विरोध-प्रदर्शन करते हुए। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला में शहीदी दिवस के अवसर पर स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की विश्वविद्यालय इकाई ने भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कैंपस में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने साम्राज्यवादी नीतियों के विरोध में डोनाल्ड ट्रंप, बेंजामिन नेतन्याहू और नरेंद्र मोदी के पुतले जलाकर आक्रोश जताया। कैंपस सचिव कामरेड मुकेश ने कहा कि अमेरिका जैसी शक्तियां अन्य देशों पर हमले कर अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहती हैं, जिससे वैश्विक शांति को खतरा उत्पन्न हो रहा है।

इकाई सचिव सनी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संघर्षों का असर भारत पर भी पड़ रहा है, जिससे महंगाई और आवश्यक संसाधनों की कमी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से जनपक्षीय और स्वतंत्र नीतियां अपनाने की मांग की। अंत में एसएफआई ने शहीदों के आदर्शों पर चलते हुए अन्याय, शोषण और साम्राज्यवाद के खिलाफ संघर्ष को और तेज करने का संकल्प लिया।

'खुरपका-मुंहपका' रोग पर जागरूकता शिविर में 100 से अधिक पशुपालक किए लाभान्वित

अनंत ज्ञान

आत्मा सिंह, रामपुर बुशहर। ग्राम नरैन में पशुपालन विभाग, उपमंडल रामपुर द्वारा खुरपका-मुंहपका रोग की रोकथाम को लेकर एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 100 से अधिक पशुपालकों ने भाग लेकर महत्वपूर्ण जानकारियां हासिल कीं। शिविर में डॉ. शिवम वालिया ने प्राकृतिक खेती एवं कृषि योजनाओं की जानकारी दी, जबकि डॉ. वरुण नेगी ने 1962 मोबाइल वेटरनरी यूनिट की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। डॉ. अक्षय कुमार ने एफएमडी व पीपीआर रोगों के लक्षण, बचाव और उपचार के उपाय बताए तथा उपलब्ध शल्य चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी दी। वहीं प्रियंशु ने रेबीज नियंत्रण पर जागरूक किया और डॉ. नेहा शर्मा ने आयुर्वेदिक जीवनशैली के महत्व को रेखांकित किया। वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने संतुलित पशु आहार, स्थानीय संसाधनों से आहार निर्माण एवं पशुओं में बांझपन जैसी समस्याओं पर विस्तार से जानकारी देते हुए पशुपालकों से जिम्मेदारीपूर्वक पशु पालन करने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में दवाइयों व फीड एडिटिव्स का वितरण भी किया गया।

पशुपालकों को जानकारी देते हुए। अनंत ज्ञान

प्रदेश का बजट जनविरोधी व निराशाजनकः एबीवीपी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हिमाचल प्रदेश की प्रदेश मंत्री नैंसी अटल ने राज्य सरकार के बजट 2026-27 को निराशाजनक, जनविरोधी और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाला करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह बजट केवल कागजी घोषणाओं तक सीमित है, जिसमें न तो विकास की स्पष्ट दिशा दिखाई देती है और न ही युवाओं, छात्रों, महिलाओं और किसानों के हितों का समुचित ध्यान रखा गया है। उन्होंने बजट आकार में कमी को सरकार की आर्थिक कमजोरी का संकेत बताते हुए कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार बजट घटाया गया है, जिससे विकास कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

नैंसी अटल ने आरोप लगाया कि शिक्षा और रोजगार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की उपेक्षा की गई है। प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों के पद रिक्त हैं और बुनियादी ढांचे की कमी बनी हुई है, जिससे छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पा रही है। वहीं, रोजगार सृजन को लेकर कोई ठोस योजना सामने नहीं आई है, जबकि चुनावों में बड़े-बड़े वादे किए गए थे। उन्होंने महिलाओं से किए गए आर्थिक सहायता के वादों को भी अधूरा बताया और कहा कि सरकार ने इन्हें शर्तों में बांधकर सीमित कर दिया है, जो जनता के साथ छल है।

आर्थिक संकट में भी जन कल्याण के लिए संतुलित बजटः छत्तर सिंह ठाकुर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष छत्तर सिंह ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा पेश वर्ष 2026-27 के बजट का स्वागत करते हुए इसे आर्थिक चुनौतियों के बीच 'जन-कल्याण और विकास का संतुलित दस्तावेज' बताया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा राजस्व घाटा अनुदान बंद करने के बावजूद प्रदेश सरकार ने सीमित संसाधनों में सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए संवेदनशील और जिम्मेदार बजट पेश किया है। यह बजट वित्तीय अनुशासन और जनहित के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

छत्तर सिंह ठाकुर ने बताया कि इस बजट में विशेष रूप से युवा शक्ति और रोजगार पर ध्यान दिया गया है। इसमें 'खेलो हिमाचल, चिट्टा मुक्त अभियान ', कैंपस इंटरव्यू, स्वरोजगार योजनाएं और ई-वाहनों पर सब्सिडी जैसी पहलकदमियां शामिल हैं, जो युवाओं को सशक्त बनाने और रोजगार के अवसर बढ़ाने में सहायक होंगी। इसके अलावा, बजट में महिलाओं, दिव्यांगों और कमजोर वर्गों के लिए पेंशन वृद्धि, मुफ्त बिजली और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का विस्तार किया गया है। कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधारात्मक कदम उठाकर प्रदेश सरकार समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह बजट न केवल संवेदनशील और संतुलित है, बल्कि आर्थिक मजबूती के साथ सामाजिक न्याय और विकास के लक्ष्य को भी साधता है।

उन्होंने सरकार की सराहना करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद यह बजट युवाओं, गरीबों और कमजोर वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जो प्रदेश के समग्र विकास में अहम भूमिका निभाएगा।

कार्रवाई शिमला में नशे से अर्जित अवैध संपत्तियों की कुर्की को लेकर रणनीति तैयार

समाज को नशामुक्त बनाने की मुहिम तेज

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। प्रदेश की राजधानी शिमला में नशे के खिलाफ छेड़ी गई जंग अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। बाकायदा, नशे से अर्जित अवैध संपत्तियों की कुर्की तक की ठोस रणनीति तैयार की जा रही है। इस मुहिम में जिला प्रशासन ने यह साफ इरादा जाहिर किया है कि अब इस काले कारोबार की जड़ों पर वार होगा और नशे के धंधे से कमाई गई हर नाजायज दौलत को जब्त करने की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। हालिया समीक्षा और मंथन के बाद यह तस्वीर उभर कर सामने आई है कि कानून की सख्ती के साथ-साथ समाज की जागरूक भागीदारी भी इस लड़ाई की बुनियाद बनेगी, ताकि एक ऐसा माहौल कायम हो सके जहां युवा सुरक्षित रहें और समाज इस लानत से पूरी तरह निजात पा सके।

इसी सिलसिले में जिला स्तर पर आयोजित बैठक में नशे के खिलाफ कार्रवाई को और धार देने के लिए एक विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई, जिसमें प्रशासन, पुलिस और राजस्व विभाग के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने पर जोर दिया गया। बैठक में इस बात को प्रमुखता से रेखांकित किया गया कि नशे के कारोबार से अर्जित संपत्तियों की पहचान, जांच और कुर्की की प्रक्रिया को तेज किया जाए, ताकि इस गैरकानूनी नेटवर्क की आर्थिक कमर तोड़ी जा सके। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान सुनिश्चित करें और हर स्तर पर निगरानी को मजबूत बनाएं, जिससे किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई संभव हो सके।

नशे के खिलाफ इस व्यापक अभियान में युवाओं को केंद्र में रखते हुए जागरूकता कार्यक्रमों को भी नई गति देने की योजना बनाई गई है। स्कूलों और महाविद्यालयों में विशेष अभियान चलाकर विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से आगाह किया जाएगा, वहीं 'ड्रग फ्री हिमाचल' मोबाइल ऐप को एक प्रभावी हथियार के तौर पर सामने रखा गया है। इस ऐप के माध्यम से आम लोग बिना अपनी पहचान उजागर किए नशे से जुड़ी सूचनाएं प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं, जिससे लोगों में भरोसे का माहौल बन रहा है और वे इस मुहिम में खुलकर भागीदारी निभा रहे हैं। यह तकनीकी पहल समाज और प्रशासन के बीच एक मजबूत सेतु का काम कर रही है।

आगामी पंचायत चुनाव में नशे व अवैध शराब पर कड़ी नजर रखने के निर्देश

आगामी पंचायती राज चुनावों के मद्देनजर नशे और अवैध शराब पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासनिक इकाइयों को स्पष्ट रूप से कहा गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नशा निवारण समितियों का गठन सुनिश्चित करें और चुनाव प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। इन समितियों के माध्यम से सामाजिक और कानूनी दोनों स्तरों पर नियंत्रण की रणनीति को अमल में लाया जाएगा, जिससे युवाओं को एक सुरक्षित और बेहतर भविष्य की राह मिल सके।

कुर्की की प्रक्रिया को किया जाएगा तेजः डीसी कश्यप

बैठक के अंत में उपायुक्त अनुपम कश्यप ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नशे के कारोबार से जुड़ी अवैध संपत्तियों की जांच कर उनकी कुर्की की प्रक्रिया को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज और प्रशासन के साझा प्रयासों से ही इस चुनौती का मुकम्मल समाधान संभव है और इस दिशा में हर स्तर पर सख्ती के साथ कार्रवाई जारी रहेगी।

कश्यप ने उठाया सराहां-चंडीगढ़ मार्ग की हालत का मुद्दा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। सिरमौर जिले के पच्छाद क्षेत्र से जुड़े सराहां-चंडीगढ़ मार्ग की खस्ताहाल स्थिति को लेकर सांसद सुरेश कश्यप ने लोकसभा में नियम 377 के तहत मामला उठाया। उन्होंने बताया कि लगभग 42 किलोमीटर लंबा यह महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग छह ग्राम पंचायतों को जोड़ने के साथ-साथ हिमाचल को हरियाणा और चंडीगढ़ से जोड़ने वाली अहम कड़ी है, लेकिन भारी वर्षा और भूस्खलन के कारण सड़क कई स्थानों पर टूटकर बेहद संकरी और जोखिमपूर्ण हो गई है, जिससे लोगों को आवाजाही में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सांसद ने कहा कि खराब सड़क के चलते क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में दिक्कत हो रही है, वहीं किसानों को अपनी उपज समय पर बाजार तक पहुंचाने में भी परेशानी झेलनी पड़ रही है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस मार्ग के शीघ्र सुधार, चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण की मांग करते हुए कहा कि यह सड़क क्षेत्र की जीवनरेखा है और इसके विकास में देरी जनहित के साथ अन्याय होगा।

भारतनेट से जुड़ेंगी डोडरा क्वार की पंचायतें

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय टेलीकॉम समिति की बैठक आयोजित

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। जिला प्रशासन ने दूरदराज़ क्षेत्रों तक डिजिटल सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए डोडरा क्वार की ग्राम पंचायतों को भी भारतनेट परियोजना से जोड़ने का निर्णय लिया है। उपायुक्त अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्तरीय टेलीकॉम समिति की बैठक में बताया गया कि अब तक जिला की 19 ग्राम पंचायतों को ग्रामीण ब्रॉडबैंड नेटवर्क से जोड़ा जा चुका है, जबकि शेष पंचायतों को जोड़ने का कार्य तेज़ी से जारी है। जिन पंचायतों के पास अपने भवन नहीं हैं, उन्हें अन्य भवनों में संचालित करने के लिए संबंधित खंड विकास अधिकारियों द्वारा अनुमति प्रदान की जाएगी।

बैठक में उपायुक्त ने मोबाइल टावरों के नियमितीकरण पर भी विशेष जोर दिया और सभी कंपनियों को अनियमित टावरों का रिकॉर्ड तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि टेलीकॉम नीति के तहत टावरों का नियमित होना आवश्यक है और इस दिशा में अब त्रैमासिक समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी।

भारतनेट परियोजना को केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा गया कि इसका उद्देश्य देश की लाखों ग्राम पंचायतों को हाई-स्पीड ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क से जोड़कर ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल क्रांति लाना है, जिससे सामाजिक और आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

बैठक की अध्यक्षता करते उपायुक्त अनुपम कश्यप। अनंत ज्ञान

- डिजिटल कनेक्टिविटी को मिलेगा नया विस्तार
- ग्रामीण ब्रॉडबैंड नेटवर्क से 19 पंचायतें जुड़ीं, शेष को जोड़ने की प्रक्रिया तेज

विधानसभा बजट सत्र 2026-27

www.anantgyaan.in
कांगड़ा | मंगलवार, 24 मार्च 2026

विधानसभा की झलकियां

बजट सत्र में शामिल होने से पहले मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू को पुलिस जवान सलामी देते हुए। अनंत ज्ञान

बजट सत्र में शामिल होने से पहले डिप्टी चीफ व्हिप केवल पठानिया ने मुख्यमंत्री सुक्खू का स्वागत किया। अनंत ज्ञान

सदन की कार्यवाही आरंभ होने से पूर्व कृषि मंत्री चंद्र कुमार और लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह के साथ शिष्टाचार भेंट करते विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया। अनंत ज्ञान

पेट्रोल-डीजल सेस पर सियासी टकराव, विपक्ष ने किया विरोध

सीएम बोले-सेस से प्राप्त राशि अनाथ और विधवाओं के कल्याण के लिए होगी इस्तेमाल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल विधानसभा में पेट्रोल और डीजल पर लगाए गए सेस को लेकर जोरदार सियासी टकराव देखने को मिला। इस मुद्दे पर सदन के भीतर तीखी बहस हुई और विपक्ष ने सरकार के फैसले का खुलकर विरोध किया। माहौल इतना गरमाया कि भाजपा विधायक विरोध जताते हुए सदन से बाहर भी निकल गए।

विपक्ष का कहना था कि इस सेस का सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि डीजल और पेट्रोल महंगे होने से परिवहन खर्च बढ़ेगा, जिससे बस किराया, सीमेंट की ढुलाई और खाद्य वस्तुओं के दाम भी बढ़ेंगे। इस तरह यह फैसला आम लोगों पर महंगाई का अतिरिक्त बोझ डालने वाला साबित होगा।

पेट्रोल-डीजल सेस लगाने के खिलाफ वॉकआउट के बाद मीडिया के बात करते भाजपा नेता। अनंत ज्ञान

वहीं मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सदन में स्पष्ट किया कि यह सेस सरकार चलाने के लिए नहीं बल्कि अनाथ बच्चों और विधवा महिलाओं के कल्याण के लिए लगाया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करना है और विपक्ष को इस विधेयक का समर्थन करना चाहिए।

प्रदेश में पेट्रोल व हाई स्पीड डीजल 5 रुपए तक महंगे होने के आसार

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल और हाई स्पीड डीजल पर अतिरिक्त सेस लागू होने के बाद आम लोगों की जेब पर सीधा असर पड़ना तय माना जा रहा है। नए प्रावधान के तहत प्रति लीटर अधिकतम 5 रुपए तक की बढ़ोतरी का रास्ता साफ हो गया है, जिससे राज्य में पहले से ऊंचे दाम और ऊपर जा सकते हैं। अनुमान है कि आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्पष्ट उछाल दिखाई देगा।

जानकारी के अनुसार प्रदेश में पहले से ही पड़ोसी राज्यों की तुलना में ईंधन महंगा रहा है। ऐसे में 5 रुपए तक की बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल की कीमतें कई क्षेत्रों में 105 रुपए प्रति लीटर के आसपास या उससे ऊपर पहुंच सकती हैं, जबकि डीजल भी 95 रुपए प्रति लीटर के करीब या उससे अधिक हो सकता है। इससे परिवहन, खेती-बाड़ी और रोजमर्रा के खर्चों पर सीधा दबाव बढ़ेगा। ईंधन महंगा होने का असर केवल वाहनों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि माल ढुलाई की लागत बढ़ने से सब्जियों, निर्माण सामग्री और अन्य आवश्यक वस्तुओं के दाम भी बढ़ सकते हैं। खास तौर पर ट्रक ऑपरेटर, टैक्सी चालक व छोटे कारोबारी वर्ग पर इसका सबसे ज्यादा प्रभाव देखने को मिल सकता है, जिससे महंगाई की श्रृंखला और तेज होने की संभावना है।

आर्थिक दृष्टि से देखें तो यह फैसला राज्य के राजस्व को मजबूत करने की दिशा में कदम माना जा सकता है, लेकिन उपभोक्ता स्तर पर इसका असर तुरंत व व्यापक होगा। पड़ोसी राज्यों के मुकाबले दाम बढ़ने से सीमा क्षेत्रों में ईंधन खरीद की प्रवृत्ति भी बदल सकती है, जिससे स्थानीय बाजार प्रभावित हो सकता है। कुल मिलाकर आने वाले समय में हिमाचल में ईंधन की कीमतें महंगाई के नए दबाव के साथ एक बड़ा मुद्दा बन सकती हैं।

सदन में गूंजा तबादला मुद्दा, आपसी सहमति से ट्रांसफर का प्रावधान नहीं

अनंत ज्ञान

- सीएम सुक्खू ने स्पष्ट किया सरकार का रुख
- नीति व प्रशासनिक जरूरतों पर ही होंगे तबादले
- 6 माह में 1171 कर्मचारियों के हुए स्थानांतरण

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में कर्मचारियों के तबादलों को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई, जिसमें मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने स्पष्ट किया कि सरकारी सेवा में आपसी सहमति के आधार पर स्थानांतरण का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य में सभी तबादले निर्धारित नीति, प्रशासनिक आवश्यकताओं और जनहित को ध्यान में रखते हुए ही किए जाते हैं, जिससे व्यवस्था में पारदर्शिता और संतुलन बना रहे।

मुख्यमंत्री ने सदन को अवगत कराया कि पिछले छह महीनों में कुल 1171 कर्मचारियों के स्थानांतरण किए गए हैं। इनमें कुछ मामलों में संबंधित कर्मचारियों की आपसी सहमति भी सामने आई, लेकिन इन तबादलों को भी केवल सहमति के आधार पर नहीं, बल्कि प्रचलित नियमों और तय मानकों के अनुरूप ही अमल में लाया गया। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार का उद्देश्य किसी भी प्रकार की मनमानी को रोकते हुए सुव्यवस्थित प्रशासन सुनिश्चित करना है।

सदन में यह भी स्पष्ट किया गया कि कर्मचारियों द्वारा दिए गए आपसी स्थानांतरण के आवेदन पत्रों पर सरकार विचार जरूर करती है, लेकिन प्रत्येक मामले को गुण-दोष, पदों की उपलब्धता और विभागीय जरूरतों के आधार पर परखा जाता है। सरकार का मानना है कि तबादला प्रक्रिया को पूरी तरह नीति आधारित रखना ही कर्मचारियों और जनता दोनों के हित में है, ताकि प्रशासनिक कार्यप्रणाली प्रभावी और निष्पक्ष बनी रहे।

हर साल 1 लाख रोजगार का वादा सवालों में

विधानसभा में रोजगार मुद्दे पर गरमाई बहस, जयराम ने 15 हजार पद घटने का लगाया आरोप

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में रोजगार का मुद्दा जोरदार तरीके से गूंजता रहा और प्रश्नकाल के दौरान यह विषय केंद्र में बना रहा। विभिन्न विभागों से जुड़े सवालों के बीच विपक्ष ने सरकार को घेरते हुए प्रदेश में रोजगार की स्थिति पर गंभीर प्रश्न उठाए। सदन का माहौल इस मुद्दे को लेकर काफी गर्म रहा और सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली।

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने आंकड़ों का हवाला देते हुए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में प्रदेश में स्थायी नौकरियों की संख्या 1,90,137 थी, जो अब घटकर 1,75,579 रह गई है। उनके अनुसार मौजूदा सरकार के कार्यकाल में करीब 15 हजार नौकरियां कम हुई हैं, जो चिंताजनक है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने हर साल एक लाख रोजगार देने का वादा किया था, लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत नजर आ रही है।

विपक्ष ने इस पूरे मुद्दे को युवाओं के साथ विश्वासघात करार देते हुए सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि जब रोजगार सृजन की आवश्यकता है, तब पदों में कमी होना प्रदेश के भविष्य के लिए ठीक संकेत नहीं है। विपक्षी सदस्यों ने यह भी कहा कि बेरोजगारी का मुद्दा प्रदेश के युवाओं के लिए सबसे बड़ा चिंता का विषय बनता जा रहा है, लेकिन सरकार इस दिशा में ठोस कदम उठाने में असफल नजर आ रही है।

वहीं, सरकार की ओर से इस विषय पर दिए गए जवाबों को विपक्ष ने असंतोषजनक बताया, जिसके चलते सदन में बहस और तेज हो गई। दोनों पक्षों के बीच कई बार तीखी बहस हुई, जिससे सदन का वातावरण गरमाता रहा। कुल मिलाकर, बजट सत्र के दौरान रोजगार का मुद्दा सबसे प्रमुख बनकर उभरा और इस पर हुई बहस ने प्रदेश की राजनीति में नई गर्माहट पैदा कर दी है।

बजट में कटौती पर विपक्ष का हमला, विकास पर उठे सवाल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। विधानसभा में बजट अनुमान पर चर्चा के दौरान विपक्ष ने सरकार को विभिन्न विभागों में बजट कटौती को लेकर घेरा। सदन में इस विषय पर विस्तृत चर्चा हुई, जिसमें विकास कार्यों पर संभावित असर को लेकर भी चिंता व्यक्त की गई। विपक्ष ने इसे प्रदेश की आर्थिक स्थिति का संकेत बताते हुए गंभीर मुद्दा बताया। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि कृषि विभाग में 34.39 प्रतिशत, ग्रामीण विकास में 52.12 प्रतिशत और वेलफेयर सेक्टर में 62.63 प्रतिशत तक बजट में कमी आई है। उन्होंने कहा कि यदि कुल बजट को देखा जाए तो महत्वपूर्ण विभागों में लगभग 42 प्रतिशत तक कटौती की गई है, जो विकास कार्यों को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि बजट का आकार बढ़ने के बजाय कम हुआ है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार संसाधनों की कमी को छुपाने की कोशिश कर रही है और वास्तविक स्थिति को स्पष्ट रूप से सामने नहीं रखा जा रहा है।

600 से अधिक पटवारियों की भर्ती प्रक्रिया शुरू : नेगी

अनंत ज्ञान

- कहा- लंबे समय से खाली पदों से प्रभावित हो रहा था कामकाज
- ट्रांसफर पॉलिसी को कानून का रूप देने पर सरकार का विचार

ब्यूरो, शिमला। विधानसभा में राजस्व विभाग से जुड़े प्रश्न के दौरान सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को लेकर अहम जानकारी साझा की। लंबे समय से खाली पड़े पदों को भरने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर चर्चा करते हुए प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने की उम्मीद जताई गई।

राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने बताया कि प्रदेश में 600 से अधिक पटवारियों की भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के कार्यकाल में इन पदों पर भर्ती नहीं हो सकी, जिसके कारण कई क्षेत्रों में कामकाज प्रभावित हो रहा था। अब नई भर्ती के माध्यम से इस कमी को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे राजस्व से जुड़े कार्यों में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि भर्ती किए जाने वाले पटवारियों की ट्रेनिंग पूरी होने के बाद उन्हें संबंधित क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा, ताकि लोगों को समय पर सेवाएं मिल सकें।

वहीं मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने संकेत दिए कि भविष्य में ट्रांसफर पॉलिसी को लेकर कानून बनाने पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इससे तबादलों की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित होगी, जिससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली में सुधार आएगा।

शांडिल और नेगी ने की बजट की प्रशंसा

दोनों ने प्रदेश के बजट को बताया दूरदर्शी और जनकल्याणकारी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल और राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू द्वारा प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को दूरदर्शी, सशक्त और जनकल्याणकारी बताते हुए कहा कि यह कठिन वित्तीय परिस्थितियों के बावजूद प्रदेश के समग्र विकास की मजबूत आधारशिला रखता है। उन्होंने कहा कि केंद्र से राजस्व घाटा अनुदान में भारी कटौती के कारण लगभग 10,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, लेकिन इसके बावजूद सरकार ने संतुलित और प्रगतिशील बजट पेश कर विकास की गति को बनाए रखने का भरोसा दिया है।

मंत्रियों ने स्वास्थ्य क्षेत्र में किए गए प्रावधानों को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि 3,000 करोड़ रुपये से आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ किया जाएगा और चिकित्सा अधिकारियों व स्टाफ नर्सों सहित हजारों पदों को भरा जाएगा। सीनियर रेजिडेंट स्पेशलिस्ट और सुपर-स्पेशलिस्ट के स्टाइपेंड में वृद्धि से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित होंगी।

इसके साथ ही डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और मेडिकल कॉलेजों को मजबूत बनाने पर दिया गया जोर दूरदराज क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण इलाज पहुंचाने की दिशा में अहम कदम है। राजस्व मंत्री नेगी ने कहा कि बजट में राजस्व विभाग के पूर्ण डिजिटलीकरण का निर्णय आम लोगों के लिए बड़ी राहत लेकर आएगा। भूमि अभिलेखों और म्यूटेशन प्रक्रियाओं को सरल बनाने से पारदर्शिता बढ़ेगी और अनावश्यक जटिलताएं खत्म होंगी। उन्होंने राजस्व चौकीदारों के मानदेय में बढ़ोतरी को कर्मचारियों के हित में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि सरकार सीमित संसाधनों के बावजूद हर वर्ग का ध्यान रख रही है।

पुलिस, स्वास्थ्य में भर्तियों का मार्ग प्रशस्त

मंत्रियों ने कहा कि युवाओं के लिए रोजगार सृजन पर विशेष जोर देते हुए पुलिस, स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर भर्तियों का मार्ग प्रशस्त किया गया है तथा रोजगार योजनाओं के माध्यम से 4 लाख मानव-दिवस सृजित किए जाएंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में यह बजट 'आत्मनिर्भर हिमाचल' की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा और आर्थिक दबावों के बावजूद प्रदेश की विकास यात्रा निरंतर आगे बढ़ती

पठानिया से मिला वन निगम लेबर सप्लाई मेट यूनियन का प्रतिनिधिमंडल

वन निगम की नई शर्तों से मजदूरों में रोष

विस अध्यक्ष कुलदीप पठानिया से मुलाकात करता वन निगम लेबर सप्लाई मेट यूनियन का प्रतिनिधिमंडल।

अनंत ज्ञान

ब्यूरो शिमला। हिमाचल प्रदेश राज्य वन निगम लेबर सप्लाई मेट यूनियन का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को प्रधान अनिल कुमार सूद की अगुवाई में विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया से उनके कार्यालय में मिला। यूनियन ने ज्ञापन सौंपकर वन निगम द्वारा लागू की गई नई और कठोर शर्तों पर कड़ा विरोध जताया तथा बताया कि इन एकतरफा फैसलों के कारण लेबर सप्लाई मेट्स को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि इन शर्तों को तत्काल प्रभाव से वापस लेकर वर्ष 2017-18 से पूर्व लागू व्यवस्था को बहाल किया जाए, ताकि मजदूरों को राहत मिल सके।

यूनियन ने कहा कि नई नीति के कारण मजदूर सरकारी लॉट पर काम करने से कतरा रहे हैं, जिससे निगम डिपुओं में लकड़ी की कमी हो गई है और सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो हजारों मजदूरों और उनके परिवारों की रोजी-रोटी पर संकट गहरा जाएगा। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए संबंधित अधिकारियों और मुख्यमंत्री से चर्चा कर स्थायी समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा।

हिमाचल पुलिस के 15 कर्मियों को मिला स्टार परफॉर्मर अवार्ड

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश पुलिस ने अपने कर्तव्य के प्रति उत्कृष्ट समर्पण और सराहनीय कार्य के लिए 15 पुलिस कर्मियों को 'स्टार परफॉर्मर अवार्ड' से सम्मानित किया है। इस सूची में सब-इंस्पेक्टर सरदार सिंह, रणधीर सिंह, बशीर मोहम्मद, एएसआई विनय कुमार और गुरजीत सिंह सहित हेड कांस्टेबल सावन, विजय सिंह, कृष्णा तथा कांस्टेबल अतुल ठाकुर, नीतू भारद्वाज, महिला कांस्टेबल शालिनी, आरती, आशा, गायत्री देवी और सुशील कुमार शामिल हैं। खास बात यह रही कि सम्मानित कर्मियों में पांच महिला पुलिसकर्मियों ने भी अपनी उत्कृष्ट सेवाओं से अलग पहचान बनाई। पुलिस विभाग के अनुसार इन कर्मियों ने अपराध नियंत्रण, चिट्टा बरामदगी और सामाजिक सेवा जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। विभाग का मानना है कि इस तरह के सम्मान से पुलिस बल में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा बढ़ती है और कर्मियों का मनोबल ऊंचा होता है, जिससे आम जनता के बीच पुलिस की विश्वसनीयता और मजबूत होती है।

सीएम के प्रधान मीडिया सलाहकार के बेटे पर हुए हमले के दो आरोपी पकड़े

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। राजधानी शिमला में मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान के बेटे आर्यन चौहान पर हुए जानलेवा हमले और कथित अपहरण के प्रयास के मामले में पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। 20 मार्च को मशोबरा के तारापुर क्षेत्र में दिन-दहाड़े हुई इस घटना ने न केवल आम जनता को झकझोर दिया, बल्कि राजधानी की कानून-व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय इनपुट के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें दबोच लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चरणजीत सिंह और ताशी नेगी के रूप में हुई है, जिनसे पुलिस गहन पूछताछ कर रही है और उनके अन्य साथियों की तलाश जारी है। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने अपनी पहचान छिपाने और सबूत मिटाने की पूरी कोशिश की थी, लेकिन एक सफेद ऑल्टो कार पूरे मामले की कड़ी बनकर सामने आई, जिसने पुलिस को अहम सुराग दिया। एसपी शिमला गौरव सिंह ने कहा कि प्रारंभिक पूछताछ में कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं और जल्द ही इस सनसनीखेज वारदात की मंशा और पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा।

मंथन विद्यार्थियों पर बढ़ते आर्थिक बोझ पर सतर्क हुई सरकार, सदन में मुद्दे पर गरमाई चर्चा, पक्ष-विपक्ष आमने-सामने

सरकारी स्कूलों के छात्रों को हिम बस कार्ड में रियायत देने पर विचार

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को हिम बस कार्ड बनवाने में राहत देने के मुद्दे पर सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। विधानसभा के बजट सत्र के दौरान उठे इस विषय ने व्यापक चर्चा को जन्म दिया है, क्योंकि नई व्यवस्था के तहत विद्यार्थियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ने की आशंका जताई जा रही है। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने सदन में स्पष्ट किया कि सरकार इस व्यवस्था की समीक्षा करेगी, ताकि विद्यार्थियों को अनावश्यक कठिनाई न हो।

विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान धर्मशाला से विधायक सुधीर शर्मा द्वारा उठाए गए प्रश्न के उत्तर में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन निगम की बसों में रियायती तथा निशुल्क यात्रा का लाभ लेने के लिए हिम बस कार्ड अनिवार्य किया गया है। उन्होंने बताया कि अब तक प्रदेश में लगभग दो लाख कार्ड बनाए जा चुके हैं, लेकिन इस व्यवस्था से विद्यार्थियों पर पड़ रहे अतिरिक्त भार को लेकर सरकार सजग है और आवश्यक सुधारों पर विचार किया जा रहा है।

नई व्यवस्था के अनुसार विद्यार्थियों को निशुल्क यात्रा सुविधा का लाभ लेने के लिए पहले 236 रुपये खर्च कर हिम बस कार्ड बनवाना अनिवार्य किया गया है। इसके अतिरिक्त लोकमित्र केंद्र के माध्यम से आवेदन करने पर 40 रुपये शुल्क भी देना पड़ रहा है। प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में पहली से बारहवीं कक्षा तक लगभग साढ़े आठ लाख विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिनमें से बड़ी संख्या रोजाना बसों के माध्यम से विद्यालय पहुंचती है। ऐसे में यह अतिरिक्त खर्च अभिभावकों के लिए चिंता का विषय बन गया है।

इस दौरान सदन में राजनीतिक नोकझोंक भी देखने को मिली। सुधीर शर्मा ने कहा कि जब तक महिलाओं को दी जाने वाली आर्थिक सहायता पूरी तरह लागू नहीं होती, तब तक इस तरह की अनिवार्यता उचित नहीं है। इस पर उप मुख्यमंत्री ने पलटवार करते हुए केंद्र सरकार की पूर्व घोषणाओं पर सवाल उठाए, जिस पर नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। सदन में यह मुद्दा कुछ समय तक चर्चा का केंद्र बना रहा।

महिलाओं को किराये में रियायत से निगम पर बढ़ा वित्तीय बोझ

उपमुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि महिलाओं को बस किराये में दी जा रही 50 प्रतिशत रियायत के कारण परिवहन निगम पर अब तक 82 करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ा है। प्रति माह औसतन 37 लाख से अधिक महिलाएं इस योजना का लाभ उठा रही हैं, जबकि बीते एक वर्ष में लगभग पांच करोड़ महिलाओं ने इस सुविधा का उपयोग किया है। उन्होंने कहा कि हिम बस कार्ड के माध्यम से वास्तविक लाभार्थियों का सही आंकड़ा सामने आएगा, जिससे सब्सिडी के प्रबंधन में भी पारदर्शिता आएगी।

महिलाओं के लिए हिम बस कार्ड अनिवार्य, 31 मार्च अंतिम तिथि

अनंत ज्ञान

- बाहरी यात्रियों की पहचान के लिए लिया फैसला

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। प्रदेश में सरकारी बसों में यात्रा करने वाली महिलाओं के लिए हिम बस कार्ड अनिवार्य करने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में सदन में विस्तृत जानकारी दी गई और इसे व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री ने बताया कि यह निर्णय इसलिए लिया गया है ताकि बाहरी राज्यों से आने वाले यात्रियों की पहचान सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि कई बार अन्य राज्यों के लोग भी इस सुविधा का लाभ लेते हैं, इसलिए पहचान सुनिश्चित करना जरूरी हो गया था। इसीलिए सभी महिलाओं के लिए कार्ड बनाना अनिवार्य किया गया है।

सरकार के अनुसार अब तक 2 लाख से अधिक हिम बस कार्ड बनाए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि 31 मार्च तक कार्ड बनवाना जरूरी है, हालांकि अंतिम तिथि को लेकर नीतिगत स्तर पर विचार किया जा सकता है। फिलहाल सरकार समयसीमा के भीतर अधिक से अधिक कार्ड बनाने पर जोर दे रही है।

भेड़पालकों की वर्षों पुरानी मांगों का हुआ समाधान : मनोज ठाकुर

बोले- भेड़पालकों की सुरक्षा, सुविधाओं के लिए 3 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान

◆ ऊन के दाम में 30 रुपए की बढ़ोतरी साबित होगी संजीवनी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। प्रदेश सरकार ने बजट में भेड़पालकों के हितों का ध्यान रखा है। पिछले 30 से 55 वर्ष से जो मांगें लंबित थी, उनका सीएम ने बजट में समाधान किया है। भेड़पालकों की सुरक्षा व सुविधाओं के लिए तीन करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

ऊन के दाम में पिछले 30 वर्षों में मात्र 7 रुपए की वृद्धि हुई थी, जबकि वर्तमान सरकार ने इसमें 30 रुपए की वद्धि करके 100 रुपए जब पहुंचा दिया है, जो कि भेड़पालकों के लिए संजीवनी साबित होगी। यह बात प्रदेश वूल फेडरेशन के चेयरमैन मनोज कुमार ठाकुर ने सोमवार को धर्मशाला में प्रेसवार्ता में कही। उन्होंने कहा कि पिछले करीब 25 से 30 वर्षों में ऊन की कीमत में मात्र 7 रुपए की बढ़ोतरी हुई थी, जबकि वर्तमान सरकार ने इसे बढ़ाकर 100 रुपए कर दिया है, जो भेड़पालकों की आर्थिकी को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि बढ़ती बेरोजगारी के बीच सरकार भेड़ पालन को रोजगार के रूप में विकसित करने पर जोर दे रही है। इसके अलावा 300 करोड़ रुपए की लागत से एक बड़ा प्रोजेक्ट जल्द ही धरातल पर उतरेगा, जिससे इस भेड़पालन क्षेत्र को और मजबूती मिलेगी। भेड़पालकों के लिए 10 लाख रुपए का जीवन बीमा और ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन की सुविधा भी दी जाएगी, जिससे भेड़ के मीट, दूध और उससे बनने वाले उत्पादों को बेहतर बाजार मूल्य मिल सके। उन्होंने कहा कि लाहौल-स्पीति, किन्नौर और भरमौर क्षेत्रों में पाई जाने वाली 'चेंगु' नस्ल की भेड़-बकरियों के संरक्षण और विकास के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं।

प्रेसवार्ता करते प्रदेश वूल फेडरेशन के चेयरमैन मनोज। अनंत ज्ञान

पठानिया ने बच्चों को नेचर कैंप के लिए किया रवाना

विद्यार्थी प्रकृति, पर्यावरण और विज्ञान से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां हासिल करेंगे। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

कोहली, शाहपुर। शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने कहा कि हिमाचल प्रदेश विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण परिषद के लिए इस बार प्रदेश बजट में 20 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने यह जानकारी आज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रजोल में जिला कांगड़ा एवं चंबा के बच्चों को नेचर कैंप के लिए रवाना करने से पूर्व दी। उन्होंने बताया कि यह राशि प्रदेश में स्थापित एटीसी (उपयुक्त प्रौद्योगिकी केंद्रों) के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों के संचालन में उपयोग की जाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे प्रदेश में विज्ञान, नवाचार और पर्यावरण जागरूकता को नई दिशा मिलेगी। इस दौरान एटीसी शाहपुर के तत्वावधान में जिला कांगड़ा और चंबा के 14 स्कूलों के 40 विद्यार्थियों को नेचर कैंप के लिए रवाना किया गया। विद्यार्थी पालमपुर साइंस सिटी, गोपालपुर चिड़ियाघर तथा चाय बागानों का भ्रमण कर प्रकृति, पर्यावरण और विज्ञान से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त करेंगे। केवल सिंह पठानिया ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे नेचर कैंप से लौटकर अपने अनुभव, नवाचार और सुझाव साझा करें, ताकि युवाओं की सोच को उचित मंच मिल सके। उन्होंने विश्व मौसम विज्ञान दिवस के अवसर पर उपस्थित बच्चों, अध्यापकों और अभिभावकों को शुभकामनाएं भी दीं।

ठानपुरी में 18 ग्राम चिट्टे के साथ दो युवक किए गिरफ्तार

कपिल वासुदेवा, अनंत ज्ञान, नगरोटा बगवां। नगरोटा बगवां पुलिस ने रविवार रात को गश्त के दौरान ठानपुरी में घूम रहे दो युवकों को शक के आधार पर सड़क में रोककर जब उनकी तलाशी ली तो उन युवकों के पास 18 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ है। इनमें से एक युवक राहुल 26 वर्ष जो टबरू गांव तहसील जयसिंहपुर का रहने वाला है। दूसरा युवक शुभम 19 वर्ष जो की गांव चलूही तहसील बैजनाथ का रहने वाला है। इन दोनों युवकों को पुलिस ने रात को हिरासत में ले कर मामला दर्ज कर कारवाई शुरू कर थी है। सोमवार सुबह कांगड़ा न्यायालय में पेश किया गया, जहां उन्हें 5 दिन के लिए पुलिस रिमांड में भेजा गया। रिमांड के दौरान युवकों से मामले को गहन पूछताछ की जाएगी और उनके द्वारा नशे के तस्करों से संभावित संपर्कों की जानकारी जुटाई जाएगी। इस कार्रवाई से क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार पर कड़ी नजर रखने का संदेश गया।

न्यूज ब्रीफ

निशुल्क कान, नाक, गला जांच शिविर 28 को

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। रिपूदमन चैरिटेबल ट्रस्ट अपने मासिक कार्यक्रम के तहत शनिवार, 28 मार्च 2026 को गोपाल बाग, घुरकड़ी, कांगड़ा में निःशुल्क ईएनटी (कान, नाक, गला) शिविर का आयोजन कर रहा है। ओपीडी सुबह 10:30 बजे से शुरू होगी। डॉ. संजय सचदेवा, प्रिंसिपल डायरेक्टर ईएनटी एवं हेड एंड नेक सर्जरी, मैक्स ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स, इस शिविर में उपस्थित रहेंगे। शिविर में सिर, गर्दन और ईएनटी समस्याओं के मरीजों की जांच व उपचार के साथ बच्चों के लिए कोक्लियर इम्प्लांट और निःशुल्क ऑडियोमेट्री जांच भी उपलब्ध होगी।

कबीर पंथी समाज सुधार सभा ने की बैठक

अनंत ज्ञान, डरोह। कबीर पंथी समाज सुधार सभा तहसील पालमपुर की बैठक दैहण में तहसील प्रधान विजय सिंह की अध्यक्षता में हुई, जिसमें विभिन्न प्रवक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखे। इस दौरान प्रवक्ताओं द्वारा बच्चों को अच्छी शिक्षा, अच्छे संस्कार देने एवं नशों से दूर रखने पर बल दिया। बैठक के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा महंत करुणाकर के मुखारविंद से सत्संग का भी श्रवण किया गया। इस दौरान बैठक में कबीर पंथी समाज सुधार सभा के राज्य प्रधान मस्त राम, जिला के प्रधान प्रताप चंद कौशल, जिला उप प्रधान अनीता कौशल, डॉ. नरोत्तम कौशल, कैप्टन धर्मवीर, जोगिंदर सिंह, सहसचिव विकास कुमार, संतोष कुमार, लेख राज, डॉ. धनीराम पालमपुरी, घनश्याम एवं अन्य लगभग 100 सदस्यों द्वारा भाग लिया गया।

30 से पहले करें बिजली बिल का भुगतान

अनंत ज्ञान, डरोह। विद्युत उपमंडल डरोह के अंतर्गत आने वाले जिन उपभोक्ताओं ने अभी तक अपने बकाया बिजली बिल का भुगतान नहीं किया है वे उपभोक्ता 30 मार्च 2026 से पहले अपने बकाया बिजली बिल का भुगतान कर दें। उपभोक्ता अपने बिजली बिल का भुगतान ऑनलाइन माध्यम (एचपीएसईबीएल ऐप,पेटीएम, एयरटेल ऐप, गूगल पे, फोन पे, एवं अमाजोन डॉट इन) से भी कर सकते हैं, बिजली बिल का भुगतान न करने की स्थिति में बिना किसी आगामी सूचना के बिजली का कनेक्शन अस्थायी रूप से काट दिया जायेगा। यह जानकारी इंजीनियर सुभाष कुमार, सहायक अभियंता विद्युत उपमंडल डरोह ने दी हैज

मतदाता सूचियों के लिए समयबद्ध कार्यक्रम जारी : डीसी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। जिला निर्वाचन कार्यालय कांगड़ा ने बताया कि मतदाता सूचियों के मसौदे तैयार करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। हेमराज बैरवा, जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त, ने बताया कि परिसीमन के अंतिम प्रकाशन के बाद मतदाता सूची समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से तैयार की जाएगी। मसौदा सूची की प्रीव्यू कॉपी एक दिन में तैयार होगी, उसके बाद ग्राम सभा की विशेष बैठक और अंतिम मसौदा अगले चरण के लिए भेजा जाएगा। खंड विकास अधिकारियों को कम से कम 3 दिन पहले नोटिस जारी करने और पंचायत सचिव द्वारा सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

पत्रकारों ने बजट में उपेक्षा पर जताया रोष

अनंत ज्ञान, डाडासीबा। इंडिया रिपोर्टर एसोसिएशन जसवां-परागपुर और प्रेस क्लब जसवां-प्रागपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित बैठक में पत्रकारों ने वर्ष 2026-27 के बजट में उनकी मांगों की अनदेखी पर कड़ा रोष जताया। प्रेस क्लब के संयोजक रक्षपाल और अध्यक्ष सुरजीत ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं और उनकी सुरक्षा, पेंशन, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं व मान्यता से जुड़े मुद्दे लंबे समय से लंबित हैं। पत्रकारों ने चेतावनी दी कि अगर सरकार जल्द इन पर सकारात्मक कदम नहीं उठाती, तो प्रदेशभर में चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा।

पठानकोट कैंट रेल खंड में चलाया टिकट चेकिंग अभियान

अशोक ठाकुर, अनंत ज्ञान, पठानकोट। श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से पठानकोट कैंट तक रेल खंड में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के नेतृत्व में विशेष सघन टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान में टिकट चेकिंग स्टाफ और रेलवे सुरक्षा बल ने भाग लिया। इस दौरान विभिन्न ट्रेनों व स्टेशनों पर कुल 249 यात्रियों को बिना टिकट या अनियमित टिकट के पकड़ा गया और मौके पर एक लाख दस हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। यात्रियों को 'रेलवन' ऐप के उपयोग के बारे में भी जागरूक किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंघल ने कहा कि अनधिकृत यात्रा रोकने के लिए मंडल के प्रमुख स्टेशनों व ट्रेनों में विशेष स्टाफ तैनात किया गया है और बिना वैध टिकट पाए जाने वाले यात्रियों के खिलाफ रेलवे अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शहीदी दिवस पर निकाली पदयात्रा, युवाओं ने लिया मेरा भारत, मेरी जिम्मेदारी का संकल्प

अनंत ज्ञान

कांगड़ा। शहीदी दिवस के अवसर पर मेरा भारत, मेरी जिम्मेदारी थीम के तहत भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तहत मेरा युवा भारत अभियान के अंतर्गत राजीव गांधी राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, नगरोटा बगवां में पदयात्रा का आयोजन किया गया।

इस दौरान महान स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव थापर के अद्वितीय बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर की गई, जिसके उपरांत संक्षिप्त स्मरण भाषण आयोजित किया गया।

इसके बाद आयोजित पदयात्रा में बड़ी संख्या में युवा स्वयंसेवकों ने भाग लिया और लगभग एक किलोमीटर की दूरी तय की। पदयात्रा के दौरान युवा तिरंगा ध्वज, अभियान से संबंधित कैप एवं बैज तथा प्रेरणादायक संदेशों वाले प्लेकार्ड लेकर चले, जिनके माध्यम से राष्ट्र निर्माण में युवा, स्वतंत्रता का सम्मान करें, जिम्मेदारी निभाएं और मेरा भारत, मेरी जिम्मेदारी जैसे संदेश दिए गए।

पदयात्रा राजीव गांधी राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज से प्रारंभ होकर आसपास के क्षेत्र में निकाली गई। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने, नागरिक दायित्वों के प्रति जागरूक करने तथा सामुदायिक विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना रहा।

इस अवसर पर मेरा युवा भारत, कांगड़ा के उपनिदेशक ध्रुव डोगरा ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कॉलेज प्रशासन, शिक्षकों एवं युवा प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान दें

स्वतंत्रता सेनानियों को अर्पित की श्रद्धांजलि। अनंत ज्ञान

विरोधाभासों का पुलिंदा है प्रदेश सरकार का बजट : त्रिलोक कपूर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। भाजपा प्रदेश वरिष्ठ प्रवक्ता त्रिलोक कपूर ने सुक्खू सरकार के बजट को विरोधाभासों का पुलिंदा करार देते हुए कहा कि यह बजट केवल अखबारों की सुर्खियां बटोरने का साधन है, धरातल पर शून्य है। उन्होंने सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि सिकुड़ता बजट, रुकता विकास मुख्यमंत्री को इतिहास की सबसे बड़ी विफलता के तमगे से नवाजेगी। हिमाचल के इतिहास में पहली बार विकास का पहिया पीछे की ओर घूमा है। बजट का आकार छोटा करना मुख्यमंत्री की प्रशासनिक विफलता का सीधा प्रमाण है। जब बजट ही कम होगा, तो विकास कार्यों के लिए पैसा कहां से आएगा? यह बजट प्रदेश को प्रगति की ओर नहीं, बल्कि गर्त की ओर ले जाने वाला है। 300 यूनिट मुफ्त बिजली की घोषणा को कपूर ने बिना घी का कड़ाह बताया। उन्होंने तर्क दिया कि एक अति गरीब परिवार केवल रोशनी के लिए बिजली जलाता है। उसके पास न हीटर है, न गीजर और न ही प्रेस। वह 300 यूनिट कभी खर्च ही नहीं कर सकता। उसे भाजपा सरकार की 125 यूनिट से पहले ही लाभ मिल रहा है। त्रिलोक कपूर ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष की देहरा और नादौन वाली वायरल टिप्पणी ने स्पष्ट कर दिया है कि यह बजट पूरे हिमाचल का नहीं, बल्कि चुनिंदा क्षेत्रों का है। प्रदेश के अन्य हिस्सों की अनदेखी इस बजट के हर पन्ने पर साफ झलकती है।

सेवानिवृत्त पेंशनर्स से सरकार ने किया अन्याय : कृष्ण स्वरूप

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। कांगड़ा जिला पेंशन संघ के प्रधान कृष्ण स्वरूप शर्मा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा पेश बजट में पेंशनर्स के साथ अन्याय किया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2016 से पहले सेवानिवृत्त हुए क्लास फोर पेंशनर्स को राहत देना तथा 2016 से पहले सेवानिवृत्त हुए पेंशनर्स को जिनको अभी तक पे कमीशन का बकाया नहीं मिला, उनको लाभ देना यह तो सरकार ने ठीक किया, परंतु जो पेंशनर्स जनवरी 2016 से जनवरी 2022 के बीच सेवानिवृत्त हुए हैं, सरकार ने बजट में उनके बारे में कोई भी घोषणा न करके उनके साथ बहुत अन्याय किया है, क्योंकि कि अभी तक इन पेंशनर्स को सेवानिवृत्ति का 20 फीसदी लाभ ही मिला है तथा इनको लाखों रुपए का भुगतान नहीं हुआ है। इन पेंशनर्स को बजट से बड़ी निराशा हुई है। प्रधान ने कहा कि मुख्यमंत्री से इन पेंशनर्स के बारे में भिन्न भिन्न पेंशनर्स संघों ने अलग अलग समय पर भेंट करके मुश्किलें बताई हैं तथा मुख्य मंत्री के बार बार आश्वासन पर भी इन को न्याय नहीं मिला है। प्रधान ने मुख्यमंत्री सुक्खू से एक बार फिर मांग की है कि इन पेंशनर्स को भी इनका बनता लाभ दिया जाए, जिससे उनकी भी लम्बे समय की मांग पूरी हो। प्रधान ने आशा व्यक्त की है मुख्यमंत्री इनकी मांग पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेंगे।

एंजल स्कूल भवारना की छात्रा नियति ने नवोदय प्रवेश परीक्षा में पाई सफलता

प्रधानाचार्य समीर अमिताभ सूद ने दी बधाई। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

राकेश डोगरा, डरोह। एंजल पब्लिक स्कूल भवारना की कक्षा पांचवीं की होनहार छात्रा नियति ने जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर स्कूल, परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर सभी में खुशी की लहर है।

नियति के परिवार ने उसकी इस सफलता का श्रेय उसके स्व. दादा को देते हुए भावुक होकर कहा कि उनके दादा जी हमेशा उसे पढ़ाई के लिए प्रेरित करते थे और आगे बढ़ने की सीख देते थे। उन्होंने कहा कि दादा के मार्गदर्शन और आशीर्वाद के कारण ही वह यह उपलब्धि हासिल कर पाई है। नियति के माता-पिता और शिक्षकों ने भी उसकी मेहनत और लगन की सराहना की है। स्कूल के शिक्षकों ने बताया कि नियति शुरू से ही एक मेधावी और अनुशासित छात्रा रही है। स्कूल के प्रधानाचार्य समीर अमिताभ सूद ने भी नियति की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त किया और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पूर्व अर्द्धसैनिक बल संगठन ने कल्याण बोर्ड गठन पर आभार जताया

अनंत ज्ञान, शाहपुर। सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, सीआरपीएफ और सीआईएसएफ के सेवानिवृत्त सदस्यों के लिए पैरामिलिट्री कल्याण बोर्ड की घोषणा से प्रदेश में उत्साह का माहौल है। शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने हाल ही में विधानसभा में कल्याण बोर्ड का प्रस्ताव रखा था। इसके समर्थन में पैरामिलिट्री कल्याण संगठन, जिला कांगड़ा के पदाधिकारियों और सदस्यों ने रविवार को शाहपुर में केवल सिंह पठानिया से भेंट कर धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संगठन के जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश चीफ पेटर्न एमएल ठाकुर, उपाध्यक्ष बलदेव राणा, कुशल सिंह राणा, डिप्टी कमांडेंट रघुवीर सिंह राणा, पालमपुर संगठन के अध्यक्ष चमेल सिंह खरवाल, उपाध्यक्ष किशोरी लाल मनकोटिया तथा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता मनवीर चंद कटोच आदि ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

नीलमत पुराण और राजतंरिगिणी जैसे ग्रंथों को इतिहास के पाठ्यक्रमों में होना चाहिए सम्मिलित : प्रो. अग्निहोत्री

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने कहा कि इतिहास लेखन की भारतीय दृष्टि और शैली अलग है। इस दृष्टि और शैली से अनभिज्ञता के कारण पश्चिमी इतिहासकार और यह मान बैठते हैं कि भारत में इतिहास लेखन की कोई परंपरा नहीं रही है।

यह मान्यता वास्तविकता से कोसों दूर है। इतिहास लेखन की भारतीय शैली में तथ्यों को नीरस के बजाय आलंकारिक और सरस शैली में प्रस्तुत किया जाता है, इसलिए नीलमत पुराण और राजतंरगिणी जैसे ग्रंथों को पढ़ते समय इतिहास लेखन की भारतीय शैली से परिचय जरूरी हो जाता है, तभी सटीक निष्कर्षों पर पहुंचा जा सकता है। उन्होंने यह बात केंद्रीय विश्वविद्यालय के कश्मीर अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'पुरातन कश्मीर का सर्वांगिक विश्लेषण : नीलमत पुराण और राजतरंगिणी की दृष्टि में' विषयक संगोष्ठी में बोल रहे थे। प्रो.अग्निहोत्री ने कहा कि नीलमत पुराण और राजतंरिगिणी जैसे ग्रंथों को इतिहास के पाठ्यक्रमों में सम्मिलित करना चाहिए। यदि अन्य स्त्रोंतों को भी सामने रखकर इनको पढ़ा-पढ़ाया जाता है तो संतुलित निष्कर्षों तक पहुंचने की संभावना अधिक रहती है।

जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र के निदेशक आशुतोष भटनागर ने कहा कि राजतरंगिणी और नीलमत पुराण वृहत्तर परंपरा के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। इसलिए इन ग्रंथों को समझने के लिए उस पूरी परंपरा को भी समझना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि ये ग्रंथ आज की समस्याओं का समाधान करने में सक्षम हैं तो इनका अध्ययन एक समकालीन ग्रंथ की तरह होना चाहिए।समाज विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. चंद्रदीप सिंह ने सभी सहभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस विषय पर संगोष्ठी एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। उन्होंने आशा जताई कि इस संगोष्ठी से निकले निष्कर्ष अकादमिक जगत के अन्य लोग भी प्रेरित होंगे।

सीयू में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन। अनंत ज्ञान

बजट निराशाजनक, जनविरोधी और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाला : नैंसी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, हिमाचल प्रदेश की प्रदेश मंत्री नैंसी अटल ने प्रेस बयान में कहा कि हिमाचल प्रदेश का बजट 2026-27 पूर्णतः निराशाजनक, जनविरोधी एवं युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाला है। यह बजट केवल कागजी घोषणाओं तक सीमित रह गया है, जिसमें न तो विकास की कोई स्पष्ट दिशा दिखाई देती है और न ही प्रदेश के युवाओं, छात्रों, महिलाओं एवं किसानों के हितों का समुचित ध्यान रखा गया है।

नैंसी अटल ने कहा कि शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र को भी सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया। शिक्षा के लिए पर्याप्त बजट प्रावधान नहीं किया गया, जिससे पहले से जूझ रही शिक्षा व्यवस्था और कमजोर होगी। प्रदेश के महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के सैकड़ों पद रिक्त पड़े हैं, बुनियादी ढांचे, प्रयोगशालाओं एवं पुस्तकालयों का अभाव बना हुआ है, जिसके कारण छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सेमेस्टर प्रणाली को बिना जमीनी परिस्थितियों को समझे लागू करना पूरी तरह अनुचित है और अभाविप इसकी कड़ी निंदा करती है।

मंथन श्री कालेश्वर मंदिर परिसर में राज्य स्तरीय बैसाखी मेला-2026 की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

सड़कों की जल्द की जाए मरम्मत: कुलवंत

अनंत ज्ञान

शिव गुलेरिया, देहरा। श्री कालीनाथ कालेश्वर मंदिर (न्यास) परिसर में राज्य स्तरीय बैसाखी मेला-2026 के सफल आयोजन को लेकर बैठक आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता संयुक्त आयुक्त, श्री कालीनाथ कालेश्वर मंदिर (न्यास) एवं उप मंडल अधिकारी (नागरिक), देहरा कुलवंत सिंह पोटन ने की।

बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधियों, न्यास सदस्यों तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इस अवसर पर मेले के सुचारु एवं सफल आयोजन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। संभावित श्रद्धालुओं एवं आगंतुकों की संख्या को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी विभागों को अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन जिम्मेदारी एवं तत्परता के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग को क्षतिग्रस्त सड़कों की शीघ्र मरम्मत एवं गड्ढों को भरने के निर्देश दिए गए, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे। इस अवसर पर नायब तहसीलदार बलविंदर सिंह पठानिया, डाडा जितेंद्र, रक्कड़ रजनीश कुमार, हरिपुर सतविंदर, अधिशासी अभियंता विद्युत बोर्ड करणवीर सिंह,गैर सरकारी सदस्य अंजना, सूरज, पवन कुमार, कल्पना वर्मा, सोमराज और हेमराज सहित विभिन्न विभागों से संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक में सभी विभागों को समयबद्ध कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश। अनंत ज्ञान

स्वच्छता, सुरक्षा प्रबंध और यातायात नियंत्रण पर की चर्चा

बैठक में मेला परिसर की स्वच्छता, सुरक्षा प्रबंध, यातायात नियंत्रण, पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, अस्थायी शौचालयों तथा पार्किंग व्यवस्था सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर विशेष बल दिया गया। इसके लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, मेडिकल टीमों की उपलब्धता तथा आपातकालीन सेवाओं को हर समय तैयार रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने पुजारियों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि नदी किनारे सूचना बोर्ड स्थापित किए जाएंगे।

मेले के लिए विभागों को निर्देश एवं समन्वय पर जोर

मंदिर परिसर में विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा तथा मेला मैदान में अस्थायी विद्युत मीटर लगाने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि झूलों की स्थापना के लिए अनुमति मेला अधिकारी एवं तहसीलदार द्वारा प्रदान की जाएगी। मेले के लिए जर्मन हैंगर/डोम/कैनोपी (मानक आकार), दुकानों एवं झूलों के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई हैं, जिन्हें 2 अप्रैल को खोला जाएगा। खाद्य आपूर्ति विभाग को मेले में उपलब्ध खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। एसडीएम ने बैठक के अंत में सभी विभागों से आपसी समन्वय बनाए रखते हुए मेलले के सफल आयोजन के लिए सक्रिय सहयोग देने का आह्वान किया।

पुड़बा में तीन दिवसीय छिंज मेला 2 से

अनंत ज्ञान, डरोह। विकास खंड सुलह स्थित भेडूमहादेव के अधीन आते संध छिंज मेला कमेटी पुड़बा तहसील धीरा के प्रधान ओंकार सिंह वालिया ने प्रेस बयान में कहा कि संध छिज मेला 2 से 4 अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा। छिंज मेले के कुश्ती विजेता को 25000 रुपए का नकद इनाम दिया जाएगा, जबकि उपविजेता को 16000 रुपए का नकद इनाम दिया जाएगा। छिंज में विजेता व उपविजेता बनने का अवसर उन्हें ही दिया जाएगा जो 3 व 4 अप्रैल के दंगल में शामिल होंगे।

दुकानों का आवंटन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। संध छिंज मेले का शुभारंभ 2 अप्रैल वीरवार को प्रमुख व्यवसायी, समाज सेवी एवं नेता जी सुभाष चंद्र कॉलेज ऑफ नर्सिंग पालमपुर के संस्थापक व अध्यक्ष भुवनेश सूद की ओर से किया जाएगा। इस दौरान 4 अप्रैल को मेले का समापन सुलह विधानसभा क्षेत्र के विधायक विपिन सिंह परमार द्वारा किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

आज से करवाएं ऑनलाइन प्रविष्टि या संशोधन

अजय पाल, अनंत ज्ञान, पालमपुर। नगर निगम आयुक्त पालमपुर नेत्रा मेती ने बताया कि नगर निगम पालमपुर की ओर से ऑनलाइन परिवार पंजीकरण के अंतर्गत परिवार की ऑनलाइन प्रविष्टियां एवं ई-केवाईसी की कार्रवाई की जा रही है। नगर निगम क्षेत्र के सभी नागरिकों से अनुरोध है कि यदि किसी व्यक्ति के परिवार की ऑनलाइन प्रविष्टि या ई-केवाईसी छूट गई है या प्रविष्टि में किसी प्रकार का संशोधन आवश्यक है तो वे 24 मार्च से 7 अप्रैल तक नगर निगम कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी प्रविष्टि ई-केवाईसी अवश्य पूर्ण करवा लें। पंजीकरण/संशोधन के लिए इच्छुक परिवार नगर निगम कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। इस दौरान अपने साथ पहचान पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड तथा परिवार के सदस्यों का विवरण अवश्य लेकर आएं, ताकि ऑनलाइन एंट्री/संशोधन का कार्य शीघ्रता से पूर्ण किया जा सके।

कड़ोआ और चलाली में बंद रहेगी बिजली

पिंकी, अनंत ज्ञान, डाडासीबा। विद्युत उपमंडल ढलियारा के अंतर्गत आने वाले विभिन्न क्षेत्रों में 25 मार्च को बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। विभाग की ओर स 11 केवी फीडर ढलियारा, कड़ोआ, बरवाड़ा व धनोटू बल्ला पर आवश्यक रख-रखाव व मरम्मत कार्य किया जाएगा। इस दौरान गांव ढलियारा, कस्बा, कड़ोआ, चलाली, चनौता, शिवपुरी, समनोली, सूरजपुर, गुलांगड़ा, घरथेड़ू, फुलवाड़ा, लम्मी-पुखर, घिओरी, बीहन, बरवाड़ा, बस्सी, बेह, धौन्ता, कनोल, बढल, स्वाणा सहित आसपास के क्षेत्रों में सुबह 9 बजे से कार्य समाप्ति तक बिजली बंद रहेगी। सहायक अभियंता ई. मनीष कुमार संधू ने बताया कि यह कार्य विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए असुविधा के लिए खेद जताया है।

प्रोडक्शन ऑपरेटर के भरे जाएंगे 30 पद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी अक्षय कुमार ने बताया कि एमटी ऑटो क्राफ्ट लिमिटेड परवाणु में प्रोडक्शन ऑपरेटर के 30 पदों हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इन पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं या आईटीआई (फिटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल, एमएमवी) रखी गई है। आयु सीमा 18 वर्ष और अधिक है। चयनित उम्मीदवारों को 13,500 रुपए प्रति माह वेतन और अन्य सुविधाएं दी जाएंगी। साक्षात्कार 27 मार्च को जवाली, 28 मार्च को पालमपुर और 31 मार्च को देहरा में आयोजित होंगे। वहीं, फुजियामा सोलर लिमिटेड परवाणु में प्रोडक्शन ऑपरेटर के 30 पद भरे जा रहे हैं। इन पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता दसवीं या बारहवीं या आईटीआई (फिटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, एमएमवी) रखी गई है। मार्च को उपरोजगार कार्यालय जवाली में, 28 को उप रोजगार कार्यालय पालमपुर में तथा 31 मार्च को जिला रोजगार कार्यालय, देहरा में सुबह 11 बजे पहुंचकर साक्षात्कार में उपस्थित हो सकते हैं।

हिमाचल वेटलिफ्टर्स की टीम रायपुर रवाना

अनंत ज्ञान, जवाली। 25 मार्च से 6 अप्रैल तक छत्तीसगढ़ में आयोजित खेलो इंडिया राष्ट्रीय ट्राइबल खेलों के लिए हिमाचल प्रदेश से चार वेटलिफ्टर्स की टीम रायपुर रवाना हो गई है। चयनित खिलाड़ियों में राधिका ठाकुर, अविनाश, युवराज और खेम राज शामिल हैं। ये खिलाड़ी अपनी मेहनत और अनुशासन के साथ राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। इसके अलावा, डॉ. प्रदीप शर्मा, राजेश कुमार, शिवाली राजपूत और अनिल कुमार राष्ट्रीय तकनीकी अधिकारियों के रूप में रेफरी की भूमिका निभाएंगे।

खेहर क्षेत्र में कार से 2.99 ग्राम चिट्टा बरामद

अनंत ज्ञान, जवाली। जिला पुलिस नूरपुर ने नशे के खिलाफ चलाए गए अभियान में सफलता हासिल की है। पुलिस थाना रैहन की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर खेहर क्षेत्र में खड़ी कार की तलाशी ली, जिसमें 2.99 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। आरोपी अर्पित शर्मा, निवासी पलोहड़ा, को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसपी नूरपुर कुलभूषण वर्मा ने पुष्टि की और कहा कि नशे के खिलाफ अभियान जारी रहेगा, साथ ही आमजन से पुलिस का सहयोग मांगा।

भंगवार में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन

अनंत ज्ञान, परागपुर। भंगवार गांव में चल रही सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा के चौथे दिन कृष्ण जन्म की दिव्य झांकी ने श्रद्धालुओं को भक्ति में डुबो दिया। कथा व्यास आचार्य भवानी शंकर ने श्रीकृष्ण जन्म की लीला का सजीव चित्रण किया, जिससे पूरा पंडाल जय श्रीकृष्ण और राधे-राधे के जयकारों से गूंज उठा। वासुदेव-देवकी विवाह और विदाई प्रसंग ने श्रद्धालुओं की आंखों में आंसू भर दिए। इस आयोजन को सफल बनाने में कमेटी और गांववासियों की अहम भूमिका रही।

चामुंडा मंदिर में नौ हजार भक्तों ने नवाया शीश

छठे, सातवें व अष्टमी के दिन 24 घंटे खुला रहेगा श्री ज्वालामुखी मंदिर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। जिले के शक्तिपीठों में नवरात्र पर्व पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने का सिलसिला जारी है। श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम, श्री बज्रेश्वरी मंदिर कांगड़ा और श्री ज्वालामुखी मंदिर में हर दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु देवी दर्शनों को पहुंच रहे हैं। चैत्र नवरात्र के पांचवें दिन सोमवार को श्री चामुण्डा नंदिकेश्वर धाम मंदिर में सुबह से लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। यह सिलसिला देर सायं तक जारी रहा। करीब नौ हजार श्रद्धालुओं ने मां चामुंडा तथा भगवान शिव के दर्शन कर सुख समृद्धि की कामना की। मंदिर अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति संगीत परिषद के सौजन्य से शास्त्रीय संगीत संध्या का आयोजन किया जाएगा। 19 मार्च से 27 मार्च तक चलने वाले नवरात्र में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। हिमानी चामुंडा मंदिर में भी धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है। वहीं, श्री ज्वालामुखी मंदिर प्रशासन ने छठी सप्तमी अष्टमी नवरात्र को श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 24 घंटे दर्शनों के लिए मंदिर खोलने का निर्णय लिया है। मंदिर अधिकारी अजय मंडयाल ने श्रद्धालुओं की सुविधा को कर्मचारियों की 24 घंटे शिफ्ट में ड्यूटी के आदेश दिए गए हैं। श्रद्धालु भजन कीर्तन करते हुए पूजा-अर्चना हवन यज्ञ मुंडन नवरात्र के पावन दिनों में करवा रहे हैं और मां ज्वाला देवी का आशीर्वाद ले रहे हैं। श्रद्धालुओं के मन में मां ज्वाला देवी के दर्शनों के लिए खूब उत्साह उमंग देखी जा रहे हैं। मंदिर के पुजारी भी मां ज्वाला से विश्व में शांति विश्व के कल्याण के लिए विशेष पूजा-अर्चना कर रहे हैं। श्री ज्वालामुखी मंदिर में चार नवरात्रों में 25 लाख रुपए का चढ़ावा चढ़ा है, जबकि करीब डेढ़ लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं।

श्री ज्वालामुखी मंदिर में कतारबद्ध श्रद्धालु। अनंत ज्ञान

श्री चामुंडा मंदिर।

हैप्पी बर्थडे

झुल्लाड (शाहपुर) की काशवी गौतम को जन्मदिवस पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

बर्थडे व सालगिरह के फोटो भेजें

बर्थडे हो या शादी की सालगिरह। आपकी खुशियों में हम भी हैं शामिल। अपना फोटो अनंत ज्ञान में प्रकाशित करवाने के लिए नाम और पते सहित व्हाट्सऐप नंबर 88945-21702 पर भेजें।

मिडल ईस्ट संकट से कांगड़ा चाय के निर्यात पर मंडराने लगे खतरे के बादल

ईरान है सबसे बड़ा खरीदार, संकट के बीच घरेलू मार्केट में बेचनी पड़ेगी चाय

◆ दार्जिलिंग की चाय नहीं हुई निर्यात, अब चाय उद्योग प्रबंधन की बढ़ी चिंताएं

अनंत ज्ञान

राजेश कुमार, धर्मशाला। मिडल ईस्ट संकट से कांगड़ा चाय के निर्यात पर संकट के बादल मंडराना शुरू हो गए हैं।

हालांकि, ईरान कांगड़ा चाय का सबसे बड़ा खरीदार है, लेकिन संकट के बीच ईरान को भी चाय का निर्यात नहीं हो पाएगा। ऐसे में कांगड़ा स्थित चाय उद्योग को अपनी चाय घरेलू मार्केट में ही बेचने को मजबूर होना पड़ेगा। मिडल ईस्ट संकट का आलम यह है कि अभी तक दार्जिलिंग की चाय भी निर्यात नहीं हो पाई है, ऐसे में धर्मशाला स्थित चाय उद्योग प्रबंधन की चिंताएं भी बढ़ गई हैं।

धर्मशाला स्थित चाय उद्योग के सीनियर मैनेजर देविंद्र पठानिया ने अनंत ज्ञान से विशेष बातचीत में बताया कि कांगड़ा चाय का ईरान सबसे बड़ा खरीदार है। मिडल ईस्ट संकट के चलते समुद्री मार्ग में जहाज रुके हुए हैं, समुद्री मार्ग से ही सामान जाना है। लड़ाई की वजह से कांगड़ा चाय के निर्यात पर काफी असर पड़ेगा। उन्होंने बताया कि दार्जिलिंग की चाय भी निर्यात नहीं हो रही है।

धर्मशाला स्थित चाय बागान। अनंत ज्ञान

फ्रांस और जर्मनी में भी भेजे सैंपल

देविंद्र पठानिया ने बताया कि धर्मशाला में बनने वाली कांगड़ा चाय के फ्रांस और जर्मनी में भी सैंपल भेजे गए हैं। यदि लड़ाई जारी रहती है तो इस बार चाय को घरेलू मार्केट में ही बेचना पड़ेगा। कोलकाता में कांगड़ा चाय का एक अच्छा खरीददार है। गौरतलब है कि धर्मशाला स्थित चाय उद्योग में हजारों किलोग्राम चाय का उत्पादन होता है, जिसके लिए विदेश से भी ऑर्डर आते हैं। हालांकि अधिकतर चाय घरेलू मार्केट में ही बेची जाती है, विदेशों में जाने वाली चाय के उत्पादकों को अच्छे दाम मिल जाते हैं, लेकिन जिस तरह से मिडल ईस्ट संकट बना हुआ है, उसने चाय उत्पादकों की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं।

बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम समय पर देने की तैयारी

शिक्षा बोर्ड ने 2 दिनों में मांगी परीक्षकों की सूची

◆ स्पॉट मूल्यांकन में देरी हुई तो जिला उप-निदेशालय होंगे जिम्मेदार : डॉ. राजेश

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने वार्षिक परीक्षाओं के परिणामों को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से घोषित करने की दिशा में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने प्रेस वक्तव्य जारी कर प्रदेश के सभी जिला उप-निदेशालयों को कड़े निर्देश दिए हैं कि वे स्पॉट मूल्यांकन केंद्रों में ड्यूटी के लिए चयनित परीक्षकों की सूची आगामी दो दिन के भीतर बोर्ड को भेजना सुनिश्चित करें।

डॉ. शर्मा ने इस कार्य की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा कि मूल्यांकन प्रक्रिया को सुचारु रूप से चलाने के लिए यह सूची एक आधारशिला की तरह है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिलास्तर से प्राप्त होने वाले परीक्षकों के विवरण के आधार पर ही मूल्यांकन केंद्रों में कार्य का विभाजन और जिम्मेदारियां तय की जाएंगी। अध्यक्ष ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि इस महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी प्रकार की देरी पूरी मूल्यांकन प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है, जिसका सीधा असर परीक्षा परिणामों की घोषणा पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए परिणामों को समय पर घोषित करना बोर्ड की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि जैसे ही जिलों से परीक्षकों की सूची प्राप्त होगी, बोर्ड बिना समय गंवाए उनकी नियुक्ति की प्रक्रिया को आगे बढ़ा देगा। इससे न केवल मूल्यांकन कार्य निर्धारित समय में पूरा होगा, बल्कि पूरी प्रक्रिया सुगम और पारदर्शी भी बनी रहेगी।

उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे बोर्ड द्वारा निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन करें। उन्होंने अधिकारियों को इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं, ताकि मूल्यांकन का चरण बिना किसी बाधा के समय पर शुरू हो सके।

जन कल्याण संस्था ने दी 10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता

नरेंद्र डोगरा, अनंत ज्ञान, जयसिंहपुर। जयसिंहपुर उपमंडल के अंतर्गत जालग गांव के जन कल्याण संस्था तलवाड़ ने जरूरतमंद व्यक्ति की सहायता करते हुए मानवीय संवेदनाओं का परिचय दिया गया। जालग गांव के निवासी 62 वर्षीय जोगिंदर सिंह जो पिछले कुछ समय से वैरिकोज वेन्स जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं, उसको इलाज एवं दवाइयों के लिए जन कल्याण संस्था तलवाड़ ने 10 हजार रुपए आर्थिक सहायता प्रदान की गई। संस्था के सदस्य दलेर सिंह राणा ने बताया कि जनकल्याण समिति वर्ष 2017 से लगातार समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय है। संस्था का मुख्य उद्देश्य गरीब, जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को समय-समय पर सहायता प्रदान करना है।

मरम्मत कार्य के चलते एमएचसी बंद ब्यास नदी में बढ़ सकता है जलस्तर

अनंत ज्ञान

◆ पौंग डैम का पानी सीधे ब्यास में छोड़ा जाएगा, प्रशासन ने जारी की चेतावनी

रविंद्र चौधरी, फतेहपुर। क्षेत्र में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने सार्वजनिक सूचना जारी की है। जानकारी के अनुसार, पंजाब के जिला होशियारपुर स्थित मुकेरियां हाइडल चैनल (एमएचसी) को 23 मार्च से 24 अप्रैल 2026 तक मरम्मत कार्यों के चलते बंद रखा जाएगा। इस अवधि के दौरान पौंग डैम पावर हाउस से छोड़ा जाने वाला लगभग 16000 से 17000 क्यूसेक पानी शाह नहर बैराज के माध्यम से सीधे ब्यास नदी में प्रवाहित किया जाएगा। इसके चलते ब्यास नदी के डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों में जलस्तर बढ़ने की संभावना जताई गई है। खासकर पीक आवर्स के दौरान स्थिति अधिक संवेदनशील हो सकती है। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस दौरान विशेष सावधानी बरतें। लोगों को नदी के किनारों और संवेदनशील क्षेत्रों से दूर रहने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही नदी तल में किसी भी प्रकार की गतिविधि जैसे नहाना, पशु चराना या वाहन ले जाना पूरी तरह से प्रतिबंधित करने को कहा गया है। इसके अलावा नागरिकों से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे अपने पशुओं को नदी क्षेत्र में न जाने दें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करें। प्रशासन का कहना है कि संबंधित विभागों द्वारा सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं, लेकिन किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए जनसहयोग अत्यंत आवश्यक है।

ढलियारा में बड़ा हादसा टला, श्रद्धालुओं से भरी बस पहाड़ी से गिरने से बची

अनंत ज्ञान

पिंकी, डाडासीबा। चैत्र नवरात्र के दौरान ढलियारा क्षेत्र में एक बड़ा हादसा टल गया, जब श्रद्धालुओं से भरी एक बस तीखे मोड़ पर अनियंत्रित होकर पहाड़ी की ढाक पर जा चढ़ी। गनीमत रही कि बस खाई में गिरने से बच गई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, बस में करीब 35 से अधिक श्रद्धालु सवार थे, जो कपूरथला, जालंधर से माता चिंतपूर्णी के दर्शन करने के बाद ज्वालाजी मंदिर की ओर बस में सवार जा रहे थे। इसी दौरान ढलियारा के खतरनाक मोड़ पर बस चालक अचानक संतुलन खो बैठा और बस सीधे पहाड़ी की ढाक पर चढ़ गई। हादसे में एक महिला को मामूली चोटें आई हैं, जबकि अन्य सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित बताए जा रहे हैं। घायल महिला को मौके पर प्राथमिक उपचार दिया गया। बताया जा रहा है कि सड़क पर रोलर क्रेश बैरियर लगे होने के बावजूद बस अनियंत्रित हो ढाक पर चढ़ गई।
स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मोड़ पहले भी हादसों के लिए कुख्यात रहा है। कुछ दिन पहले भी इसी स्थान पर एक ट्रक खाई में गिर गया था। पुलिस ने मौके पर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

बजट में विकास के नए साधनों का अभाव: शांता कुमार

अनंत ज्ञान, पालमपुर। पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने इस साल के बजट पर टिप्पणी करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश के इतिहास में कभी किसी सरकार ने इस तरह का बजट पेश नहीं किया। उन्होंने कहा कि बजट में नए विकास के लिए साधन जुटाने की बजाय सरकारी खर्चों में बचत कर पैसा जुटाने की कोशिशें नहीं की गईं। उन्होंने कहा कि बजट में विकास के नए साधनों का अभाव है। शांता ने पनबिजली योजनाओं के विस्तार की आवश्यकता पर बल दिया और जोगिंदरनगर शानन परियोजना को हिमाचल को मिलनी चाहिए, जो 1966 के पुर्नगठन कानून के तहत सरकार को मिलनी चाहिए थी।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी खर्चों में बचत की जा सकती है, जैसे मुख्यमंत्री की गाड़ी के साथ चलने वाली अतिरिक्त गाड़ियों की संख्या को कम किया जा सकता है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि एक योग्य कमेटी बनाई जाए, जो सरकारी खर्चों में बचत की योजनाओं पर काम करे। इस प्रकार हिमाचल प्रदेश आत्मनिर्भर बनकर विकास की दिशा में बढ़ सकता है।

अश्व पालकों को वितरित की पशु आहार-सह-चिकित्सा किट

कृषि विश्वविद्यालय ने किया पशु पालक मेला-2026 का आयोजन। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

अजय पाल, पालमपुर। चौधरी सरवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर ने पशु चिकित्सा रोग विज्ञान विभाग के माध्यम से हिमाचल प्रदेश के अश्व पालकों के लिए पशुपालक मेला-2026 एवं पशु आहार-सह-चिकित्सा किट वितरण समारोह का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य कांगड़ा, चंबा एवं मंडी जिलों के अनुसूचित जाति समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को वैज्ञानिक पशुपालन हस्तक्षेपों के जरिए सुदृढ़ करना था, जिसमें विशेष ध्यान अश्व जनसंख्या पर दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) एके पांडा ने किसानों की आय और पोषण सुरक्षा बढ़ाने के लिए कृषि और पशुपालन के एकीकरण के महत्व को रेखांकित किया। इस दौरान, राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र (एनआरसीई), हिसार के डॉ. अवधेश प्रजापति ने किसानों को तकनीकी सहयोग का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में 100 अनुसूचित जाति लाभार्थियों को प्रोत्साहन किटों का वितरण, जिसमें अश्व आहार, खनिज मिश्रण, प्राथमिक उपचार किट, और अश्व रोगों पर आधारित स्वास्थ्य कैलेंडर शामिल थे। विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र दामू पाटिल ने परियोजना की वैज्ञानिक उपयोगिता और इसके सामाजिक-आर्थिक प्रभावों पर प्रकाश डाला।

स्वाद पहाडां दा हिमालयन फेस्टिवल अब नवंबर में

जितेंद्र कौशल, अनंत ज्ञान, बैजनाथ। बीड़ होटल एसोसिएशन, जिसे भाषा के नाम से भी जाना जाता है, ने अप्रैल में प्रस्तावित हिमालयन फूड फेस्टिवल (स्वाद पहाडां दा) को अब नवंबर माह में आयोजित करने का निर्णय लिया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष सतीश अबरोल ने बताया कि प्रदेश में पंचायत चुनावों और सिलेंडरों की अनिश्चितता के चलते इस आयोजन को टालने का निर्णय लिया गया। नवंबर में यह आयोजन एक हफ्ते तक चलेगा, जिसमें महिला शक्ति को समर्पित खानपान की प्रतियोगिता 21-23 नवंबर तक होगी। इस प्रतियोगिता में लाखों रुपये के इनाम वितरित किए जाएंगे। इस दौरान स्थानीय और पहाड़ी क्षेत्रीय व्यंजनों को देश-विदेश के पर्यटकों को प्रदर्शित करने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही, खानपान की विधियों को सिखाने के लिए कक्षाएं भी आयोजित की जाएंगी। स्थानीय होटल और रेस्टोरेंट द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिसमें कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।

प्रेसवार्ता लिदबड़ मेला ग्राउंड का कायाकल्प होने से इस बार और भव्य होगा मेला : एसडीएम

शोभायात्रा के साथ राज्यस्तरीय लिदबड़ मेला आज से

राज्य स्तरीय लिदबड़ मेले का आयोजन 24 से 28 मार्च तक किया जाएगा। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

कपिल वासुदेवा, नगरोटा बगवां। माता नारदा शारदा को समर्पित नगरोटा बगवां के राज्य स्तरीय लिदबड़ मेले का आयोजन 24 मार्च से 28 मार्च तक किया जाएगा। मेले के आयोजन को लेकर एसडीएम नगरोटा मुनीष शर्मा ने मेला कमेटी सदस्य नीरज दुसेजा, मदन शर्मा, निर्मल पाराशर, नबो और अन्य के साथ मिलकर प्रेसवार्ता की।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 का राज्यस्तरीय लिदबड़ मेला पहले की अपेक्षा और अधिक भव्य तरीके से मनाया जाएगा, जिसका मुख्य कारण लिदबड़ मेला और गांधी ग्राउंड का कायाकल्प होना है। उन्होंने नगरोटा को पर्यटन हब के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया है, जिसके लिए पूरे नगरोटा बगवां में सौदर्यीकरण के कार्य चल रहे हैं। इसके चलते गांधी ग्राउंड और लिदबड़ मेला ग्राउंड का कायाकल्प हुआ है। उन्होंने बताया 24 मार्च से मेले का शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने बताया ऐतिहासिक नारदा शारदा मंदिर से 1 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसके लिए समस्त नगरोटावासी सादर आमंत्रित हैं। शोभायात्रा लिदबड़ मेला ग्राउंड तक होगी और वहां पर झंडा स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नारदा शारदा मंदिर में 11:30 बजे से पगड़ियां बांधने की रस्म शुरू हो जाएगी।

लिदबड़ ग्राउंड में बच्चों के लिए छोटी माली आयोजित होगी। डीआईजी सौम्या सांबशिवन मुख्य अतिथि होंगी।

27-28 मार्च को आरएस बाली होंगे मुख्य अतिथि

25 मार्च का दिन नगरोटा बगवां के बच्चों के लिए समर्पित किया गया है। बच्चों के लिए गायन, नृत्य और अन्य प्रतिभाओं को दिखाने के लिए मंच प्रदान किया जाएगा। इस दिन स्टार नाइट में प्रसिद्ध गायक ठाकुरदास राठी लोगों का मनोरंजन करेंगे। 26 मार्च का दिन नगरोटा बगवां की महिलाओं को समर्पित किया गया है। इस दिन नगरोटा की महिलाओं के लिए सुबह 10 से रात के 10 बजे तक अनेक कार्यक्रम रखे गए हैं। महिलाओं के लिए इस दिन कई प्रतिस्पर्धाएं भी रखी गई हैं। जीतने वाली महिलाओं को आरएस बाली और उनकी धर्मपत्नी की तरफ से विशेष उपहार दिए जाएंगे। महिलाओं के लिए झमाकड़ा, नाटी, गायन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। महिलाओं के लिए निशुल्क मेहंदी लगाने का भी प्रावधान किया गया है। इस दिन जिले की महिला अधिकारी मुख्य अतिथि रहेंगी। उन्होंने बताया कि 27 और 28 मार्च को प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष व पर्यटन विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष आरएस बाली मुख्य अतिथि होंगे।

स्टार नाइट में वर्षा कटोच व पूनम बिखेरेंगी जलवा

स्टार नाइट में वर्षा कटोच, दीवांशी, पूनम भारद्वाज अपनी प्रस्तुति देंगी। उन्होंने बताया 27 कि संध्या में प्रसिद्ध गायक नितिन शर्मा, फिरदौस बैंड, ईशान भंडारी, रोहित बोहरा और विशाल तिलोरिया लोगों का मनोरंजन करेंगे। उन्होंने बताया 28 मार्च को दंगल आयोजित होगा और इस बार बड़ी माली में 51 हजार और 31 हजार रुपए दिए जाएंगे। एसडीएम ने कहा कि सुरक्षा और ट्रैफिक के लिए विशेष कार्य किए गए हैं। उन्होंने इस बार नगरोटा के स्थानीय दुकानदारों को गांधी ग्राउंड में दुकान लगाने का बड़ा कार्य किया गया है जिस से स्थानीय दुकानदारों को अर्थिक लाभ होगा। जिसके लिए इस कार्य के लिए उन्होंने आरएस बाली का आभार जताया।

न पॉलिसी, न सम्मानजनक वेतन बजट में उपेक्षा पर उखड़े पैरा वर्कर्स

सीएम के समक्ष फिर उठाएंगे मांगें, कार्रवाई नहीं हुई तो करेंगे विधानसभा का घेराव

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। जल शक्ति विभाग में कार्यरत पैरा वर्कर्स के लिए न तो कोई पॉलिसी बनाई गई है, न ही इन्हें सम्मानजनक वेतन दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार के बजट में भी इस वर्ग की अनदेखी की गई है। जल शक्ति विभाग पैरा वर्कर यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष अंकुश ने धर्मशाला में प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं देती, तो वे अप्रैल माह के पहले सप्ताह में शिमला में विधानसभा घेराव करेंगे। उन्होंने बताया कि पैरा वर्कर्स अपनी सेवाएं ईमानदारी से दे रहे हैं, लेकिन सरकार ने पिछले वर्ष घोषित वेतन वृद्धि का एरियर अभी तक नहीं दिया। हाल ही में बजट में इस वर्ग के वेतन में केवल 500 रुपये की बढ़ोतरी की गई, जो नाममात्र है। पिछले साल डिप्टी सीएम मुकेश अग्रिहोत्री ने पैरा वर्कर्स की मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन बजट में कुछ नहीं मिला। अंकुश ने कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों को नजरअंदाज करती है, तो वे दस हजार से अधिक पैरा वर्कर्स के साथ विधानसभा घेराव करेंगे। वे उम्मीद करते हैं कि मुख्यमंत्री से मिलने के बाद यदि सरकार कोई निर्णय लेती है तो उनका धन्यवाद किया जाएगा।

प्रेसवार्ता करते यूनियन के अध्यक्ष अंकुश। अनंत ज्ञान

हमीद ईरानी ने जीती बड़ी माली

अनंत ज्ञान, जवाली। जवाली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बट-भलूं में खराड पीर बाबा का विशाल दंगल कमेटी प्रधान शंभू नाथ धीमान की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस आयोजन में हिमाचल, हरियाणा, पंजाब, और राजस्थान से आए पहलवानों को पांच लाख रुपए का नकद इनाम वितरित किया गया। बड़ी माली के मुकाबले में हमीद ईरानी ने उमेश मथुरा को हराया। इस अवसर पर दंगल कमेटी के कई सदस्य और क्षेत्रीय पंचायत सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सीनियर सिटीजन काउंसिल चुनाव में वोटर लिस्ट को किया दरकिनार

चुनाव अधिकारी ने हाजिरी रजिस्टर के आधार पर करवाए चुनाव

अनंत ज्ञान

अनिल कुमार, हमीरपुर। बेशक सीनियर सिटीजन काउंसिल का गठन अढाई दशक पहले मरीजों खाना देने के लिए किया गया था, लेकिन 22 मार्च को पहली बार बड़े स्तर पर करवाए गए संस्था के चुनावों से इसका ध्येय मरीजों की सेवा से पीछे छूटता जा रहा है। जिस समय यह संस्था बनाई गई थी उस समय कई मुश्किलों का सामना करते हुए मरीजों को दलिया देने का कार्य शुरू किया था। फिर इस संस्था में लोग जुड़ते गए और आर्थिक तौर पर भी संस्था की मदद करने के लिए लोग आगे आने लगे।

आर्थिक सहायता आने के बाद अस्पताल में दाखिल मरीजों को खाना देने के बारे में विचार किया, उसके बाद लगभग अढाई दशक से यह संस्था मरीजों को तीन समय से खाना उपलब्ध करवा रही है। इस संस्था को 5 हजार से अधिक दानकर्ता परिवार अपना सहयोग दे रहे हैं और बीमारी से ठीक होकर घर जाने वाला मरीज भी कुछ न कुछ दान करते हैं। कथित कुछ माह पहले संस्था में सेवा करने के लिए आने वालों के साथ संस्था के पदाधिकारियों का विवाद हो गया। जब यह बात प्रशासन तक पहुंची तो प्रशासन ने जांच करने के बाद इस संस्था में सदस्यता बढ़ाने और चुनाव करवाने का आदेश संस्था के पदाधिकारियों को दिया। संस्था के पदाधिकारियों ने सदस्यता अभियान चलाया और कुल 328 सदस्य इससे जुड़े। यह चुनाव रविवार 22 मार्च को करवाया, जिसके लिए प्रशासन की ओर से चुनाव अधिकारी व पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए थे। प्रधान पद के लिए वोट भी डाले गए, लेकिन हाजिरी रजिस्टर में वोटर बढ़ने को लेकर विवाद हो गया। हाजिरी रजिस्टर से भी अधिक सदस्य वोट डालने पहुंचे थे, लेकिन उन्हें वोट नहीं डालने दिया गया। चुनाव अधिकारी ने वोटिंग बंद कर दी और जो वोट डाले गए थे उन्हें सील कर अपने साथ ले गए। इसके साथ हाजिरी रजिस्टर और सारा रिकॉर्ड अपने साथ ले गए। अधिकतर बुद्धिजीवियों ने चुनाव अधिकारी द्वारा करवाए गए इस चुनाव को गलत ठहराया है।

हाजिरी रजिस्टर पर विवाद के कारण चुनाव रद्द, उपायुक्त के आदेश का इंतजार

अनंत ज्ञान फॉलोअप

चुनाव अधिकारी ने हाजिरी रजिस्टर पर चुनाव करवाए, जबकि जो सदस्यों की लिस्ट और आईडी कार्ड जारी किए गए। इस आधार पर वोट डाले जाने चाहिए थे, लेकिन हाजिरी रजिस्टर पर चुनाव करवाए, जिस पर विवाद हुआ और चुनाव को रद्द करना पड़ा। हालांकि, चुनाव अधिकारी ने इसकी रिपोर्ट उपायुक्त हमीरपुर गंधर्वा राठोड़ को सौंप दी है। अब इसके बाद उपायुक्त द्वारा आगामी आदेश जारी किए जाएंगे। यह चुनाव करवाने के आदेश एसडीएम हमीरपुर संजीत ठाकुर ने संस्था को दिए थे। उन्होंने बताया कि चुनाव संस्था को करवाने हैं और प्रशासन की ओर से केवल सही तरीके चुनाव करवाने की जिम्मेदारी थी। आर्ब्जवर तहसीलदार नरेश पटियाल ने बताया कि मेरा काम सही तरीके चुनाव करवाने की निगरानी रखना था। उन्होंने बताया कि चुनावों से संबंधित रिपोर्ट चुनाव अधिकारी ही देंगे।

सीनियर सिटीजन काउंसिल के चुनाव में प्रशासनिक और राजनीतिक हस्तक्षेप अशुभ संकेत : जोगिंद्र

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। जिला मुख्यालय पर दशकों से समाज सेवा और कल्याण कार्यों में अग्रणी संस्था सीनियर सिटीजन काउंसिल के चुनाव में अनापेक्षित गहमागहमी और फिर चुनाव का स्थगित होना न केवल संस्था के लिए बल्कि समाज सेवा मे संलिप्त तमाम संस्थाओं और व्यक्तियों के लिए एक चिंता का विषय तो है, ही साथ ही सेवा क्षेत्र के लिए भी शुभ संकेत नहीं है। यह बात राजपूत महासभा के महासचिव जोगिंद्र ठाकुर ने जारी प्रेस बयान में कही। उन्होंने कहा कि ये संस्था जिले के सबसे बड़े चिकित्सा संस्थान में वर्षों से मरीजों और उनके तिमारदारों को तीन समय का भोजन उपलवध करवाती है। वहीं, जरूरतमंदों को निशुल्क दवाइयां प्रदान करने के साथ ही समाजसेवा के अन्य क्षेत्रों मे भी महत्वपूर्ण योगदान देती है। संस्था को जिले के सैकड़ों वरिष्ठ नागरिक स्वेच्छा से योगदान देते हैं, इस गहमागहमी का कारण कहीं इसकी संपति और नकदी पर कोई गिद्ध नजर तो नहीं है। इस संस्था को न केवल जिले में बल्कि पूरे प्रदेश में प्रतिष्ठित संस्था के रूप में अनुकरणीय माना जाता है। इसमें पिछले कल जो प्रशासनिक और राजनीतिक हस्तक्षेप देखने को मिला वो न केवल सेवा क्षेत्र के लिए अशुभ संकेत है, बल्कि इस क्षेत्र में कार्य करने वालों के लिए हतोत्साहित करने वाला था। संस्था वर्षों से बेहतरीन कार्य कर रही है, जो सरकारें कभी न कर पाईं वह भी कर दिखाया है। सरकार, प्रशासन और सभी राजनीतिक दल इसमें अनावश्यक दखल देने के बजाय इस संगठन को प्रोत्साहित करे, ताकि ये सेवा का सिलसिला लगातार जारी रहे। निश्वार्थ सेवा के लिए किसी प्रशासनिक दखल की आवश्यकता नहीं होती है। इस तरह की घटना अति दुर्भाग्यपूर्ण है संस्था के सभी सदस्यों को सभी राजनीतिक या निजी महत्व आकांक्षाओं को छोड़कर सर्वसम्मति से सेवा भाव से कार्य करने वालों को चुनकर इस मानवता की सेवा के पुनीत कार्य को आगे बढ़ाने की ओर अग्रसर होना ही सबसे बड़ा त्याग और समर्पण का कार्य होगा।

स्मार्ट मीटर और बिजली संशोधन विधेयक के विरोध में किया प्रदर्शन

◆ नादौन में बिजली उपभोक्ताओं ने की बैठक

अनंत ज्ञान

नादौन। नादौन के गांव सलोह, लाहड़ और बीहड़ू में आयोजित बिजली उपभोक्ताओं की बैठक में विद्युत बोर्ड पेंशनर्स फोरम के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह खरवाड़ा, रमेश चंद, अजीत कुमार सहित लगभग 150 लोगों ने भाग लिया। बैठक में स्मार्ट मीटर लगाने का पुरजोर विरोध किया गया और सरकार से इसकी प्रक्रिया को तुरंत बंद करने की मांग की गई।

प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह खरवाड़ा ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित बिजली संशोधन विधेयक 2025 बिजली वितरण क्षेत्र के निजीकरण की दिशा में बड़ा कदम है। यह विधेयक राज्यों, उपभोक्ताओं, कर्मचारियों और पेंशनरों के हितों के खिलाफ है। उन्होंने बताया कि देश और प्रदेश के विद्युत कर्मचारियों ने शत-प्रतिशत विद्युतीकरण सुनिश्चित किया और विशाल बिजली ढांचा तैयार किया, फिर भी अब मीटर लगाने, बदलने और बिल जनरेट करने जैसे कार्य निजी कंपनियों को सौंपे जा रहे हैं। खरवाड़ा ने सवाल उठाया कि 9 साल बाद क्या यह नियंत्रण फिर से सरकारी विद्युत बोर्ड लिमिटेड को मिलेगा या स्थायी रूप से निजी कंपनियों के हाथ में चला जाएगा। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटरिंग के फायदे केवल निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए प्रचारित किए जा रहे हैं, जबकि कुछ अधिकारियों द्वारा गैर कानूनी रूप से कर्मचारियों और पेंशनरों के घरों में प्राथमिकता के आधार पर मीटर लगाए जा रहे हैं। बैठक में सभी उपस्थित लोगों ने सरकार से अपील की कि स्मार्ट मीटरिंग प्रक्रिया तुरंत रोकी जाए, बिजली संशोधन विधेयक 2025 के लागू होने से पहले कर्मचारियों, उपभोक्ताओं और पेंशनरों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

न्यूज ब्रीफ

कृषि सहकारी सभा फरनोल की बैठक 26 को

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। दी बाड़ी-फरनोल कृषि सहकारी सभा सीमित, फरनोल (जिला हमीरपुर) की आम बैठक 26 मार्च, रविवार को सुबह 10 बजे सभा भवन में प्रधान शम्भू राम जसवाल की अध्यक्षता में आयोजित होगी। बैठक में वर्ष 2024-25 की आय-व्यय रिपोर्ट और ऑडिट प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही नामजद सदस्यों की अमानतें, डिफाल्टर मामलों, आर्बिट्रेशन केस और भवन निर्माण खर्च पर चर्चा होगी। शेयर राशि न्यूनतम 500 रुपए निर्धारित करने सहित अन्य मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

सांख्यिकी के महत्व पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। ठाकुर जगदेव चन्द स्मारक महाविद्यालय सुजानपुर टीहरा में वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सांख्यिकी के महत्व पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्राचार्य डॉ विभा ठाकुर मुख्य अतिथि रहीं, जबकि प्रो कनिका ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया। वक्ताओं ने सांख्यिकी की दैनिक जीवन में उपयोगिता और इसके बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। समन्वयक डॉ जितेंद्र कुमार भनवाल ने छात्रों को परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं दीं।

होली मेले की अवधि बढ़ाने की उठाई मांग

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। राष्ट्रीय स्तरीय होली उत्सव सुजानपुर के दौरान व्यापार में मंदी और बारिश से हुए नुकसान को लेकर सैकड़ों दुकानदारों ने एसडीएम विकास शुक्ला से मुलाकात की। सुजानपुर चौगान में चल रहे मेले के व्यापारियों ने मनोज कुमार के नेतृत्व में मांग पत्र सौंपा। उन्होंने बताया कि 1 मार्च से शुरू मेले में शुरुआती दिनों में भीड़ कम रही, जबकि छुट्टियों के दौरान भारी बारिश से कारोबार पूरी तरह प्रभावित हो गया। व्यापारियों ने मेले को बैसाखी तक बढ़ाने की मांग की है।

मुख्यमंत्री सुक्खू का बजट निराशाजनक : प्रकाश

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। प्रकाश सडयाल, अध्यक्ष भाजपा शहरी इकाई सुजानपुर, ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा पेश बजट को निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा कि बजट में किसी भी वर्ग के लिए ठोस राहत नहीं है और सरकार अपने वादों, खासकर महिलाओं को 1500 रुपये देने की घोषणा, को पूरा नहीं कर पाई। सडयाल ने आरोप लगाया कि सरकार केवल घोषणाएं कर रही है, जबकि जमीनी स्तर पर विकास नहीं दिख रहा। युवाओं के लिए रोजगार की कमी और कर्मचारियों के वेतन कटौती पर भी चिंता जताई। उन्होंने सुजानपुर के विकास को लेकर कहा कि अधिकतर कार्य पूर्व भाजपा सरकार के समय ही हुए थे।

जन सुधार संस्था कोहला ने दी आर्थिक सहायता

अनंत ज्ञान, नादौन। जन सुधार संस्था कोहला की बैठक कोहला गांव में संस्था के अध्यक्ष राजीव कुमार की अध्यक्षता में हुई। मुख्यातिथि तरसेम कुमार ने शिरकत की। बैठक में स्वर्गीय निर्मल सिंह और सीता राम को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। संस्था ने पेंशन भोगियों को पेंशन सहायता राशि भी प्रदान की। बैठक में राजीव कुमार, रवि मेहता, गुलबंत सिंह, जगदीश, सुमन, संजीव, संदीप, विक्रमजीत, सुरेंद्र चौधरी, तिलक राज सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

हिंद संग्राम परिषद ने शादी व पढ़ाई को दी मदद

अनंत ज्ञान, नादौन। हिंद संग्राम परिषद की नादौन और कांगू इकाई की बैठक शिव मंदिर नौहंगी में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश प्रभारी मोहन सिंह ठाकुर ने की, जबकि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंडित वासुदेव शर्मा समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में बच्चों की पढ़ाई के प्रार्थना पत्रों को प्राथमिकता दी गई। आर्थिक रूप से कमजोर कमलेश कुमारी को शादी के लिए एक धाम का राशन प्रदान किया गया। पदाधिकारियों को दीन-दुखियों की सेवा में सहयोग करने का आह्वान किया गया।

शहीदी दिवस पर 70 रक्तदानियों ने किया रक्तदान

अनंत ज्ञान, नादौन। इंकलाब संस्था ने रंगस में शहीदी दिवस एवं स्थापना दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया। पुनीत उप्पल ने बताया कि इस वर्ष 70 रक्तदाताओं ने भाग लिया। मेडिकल कॉलेज हमीरपुर की टीम ने रक्त संग्रह किया। जगराज ठाकुर, लकी, राजकुमार, बंटू, अंकुश परमार, संजीव सेठी, अजय शर्मा और नरेश सहित अन्य ने रक्तदान किया। पुनीत उप्पल ने इसे महादान बताया और लोगों से भविष्य में भी रक्तदान में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

एचआरटीसी पेंशनर्स ने बजट में उपेक्षा पर जताया रोष

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिमाचल परिवहन सेवानिवृत्त कर्मचारी कल्याण मंच के नेताओं ने बजट 2026-27 में पेंशनरों की उपेक्षा पर नाराजगी व्यक्त की। प्रदेशाध्यक्ष बृजलाल ठाकुर सहित अन्य शीर्ष पदाधिकारियों ने बताया कि सरकार से लगभग 1200 करोड़ रुपए की देनदारियां लंबित हैं, लेकिन बजट में कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया। अन्य विभागों के पेंशनरों को भत्ते और एरियर मिल चुके हैं, जबकि एचआरटीसी पेंशनरों को कुछ नहीं मिला। मंच ने चेतावनी दी कि 30 मार्च को होने वाले विशाल धरने में हजारों पेंशनर भाग लेंगे और स्थाई समाधान न मिलने पर विधानसभा का घेराव करेंगे।

एनआईटी में अंतर-छात्रावास खेल स्पर्धा संपन्न

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर में 23 मार्च को अंतर-छात्रावास खेल प्रतियोगिता का समापन हुआ। यह प्रतियोगिता छात्रों में खेल भावना, एकता और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने का अवसर थी। उद्घाटन 20 मार्च को हिमगिरी बॉयज़ हॉस्टल में डॉ. पवन कुमार शर्मा, डॉ. कुलदीप शर्मा एवं डॉ. विनोद कुमार के मार्गदर्शन में हुआ। बैडमिंटन, क्रिकेट, वॉलीबॉल, शतरंज, रस्साकशी सहित कई खेलों में लगभग 800 छात्रों ने भाग लिया। समापन समारोह में निदेशक प्रो. एच. एम. सूर्यवंशी और रजिस्ट्रार डॉ. अर्चना संतोष नानोटी उपस्थित रहे।

भगवती स्कूल में बच्चों को बताया पानी का महत्व

अनंत ज्ञान, नादौन। भगवती पब्लिक स्कूल में विश्व जल दिवस के रूप में मनाया गया। अध्यापिका शीतल चौधरी, जीवन कुमार व अतुल कुमार ने भाषण के माध्यम से पानी के महत्व, आवश्यकता और संरक्षण के बारे में जागरूक किया। विश्व जल दिवस 2026 की थीम 'जल और लैंगिक समानता' है। सबको जल का महत्व समझना चाहिए और जल के संरक्षण के लिए अपना योगदान देना चाहिए। प्रधानाचार्य आरती कटोच ने कहा जल का दुरुपयोग करना एक अभिशाप के समान है, जल से ही जीवन है, जीवन के महत्व का सम्मान करें।

विद्यार्थियों ने किया फॉरेंसिक लैब भ्रमण

अनंत ज्ञान, नादौन। डीडीएम साई ला कॉलेज कल्लर जलाड़ी के विद्यार्थियों ने धर्मशाला स्थित क्षेत्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान उन्हें बायोलॉजी और केमिस्ट्री लैब का दौरा कर प्रैक्टिकल डेमो दिखाया गया। डॉ. अजय सिंगल ने साक्ष्यों के संग्रह और न्यायिक महत्व समझाया, जबकि डॉ. राकेश सोनी ने ड्रग्स एब्यूज की जांच और दुष्प्रभावों की जानकारी दी। साइबर विभाग में डिजिटल अपराध और सुरक्षा प्रक्रियाओं की व्याख्या भी की गई, जिससे विद्यार्थियों की रुचि और ज्ञान दोनों बढ़े।

नादौन उपमंडल के कई गांवों में तीन सप्ताह से रसोई गैस की आपूर्ति नहीं

अनंत ज्ञान, नादौन। नादौन उपमंडल के कई गांवों के लोग रसोई गैस न मिलने की वजह से परेशान है। इसको लेकर बहुजन समाज पार्टी नादौन के अध्यक्ष देशराज दड़ोच ने रसोई गैस की समस्या को लेकर मुख्यमंत्री सेवा संकल्प पर ऑनलाइन शिकायत करते हुए कहा कि टीका जड़ौत के गांव मलांनकड़, भदरोल, झगड़ियाल, भलूं, कुठारली व जड़ौत मैं पिछले तीन सप्ताह से इंडेन गैस के सिलेंडर की सप्लाई नहीं हुई है। इस वजह से लोग काफी परेशान हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि रसोई गैस की सिलेंडर सप्लाई करने वाली गाड़ी वाले दूरदराज के गांव में एक ही जगह गाड़ी खड़ी करके अपने रिश्तेदारों व दोस्तों को बुलाकर एक ही जगह पर गैस की सप्लाई दे रहे हैं। इसके चलते रसोई गैस की गाड़ी गंतव्य तक पहुंचने की बजाय पीछे से ही वापस हो जाती है। उन्होंने कहा कि पहले रसोई गैस की सप्लाई हर शनिवार को आती है, लेकिन पिछले तीन सप्ताह से नहीं आ रही है। गैस सप्लाई वाले मनमानी कर रहे हैं पूरा इलाका परेशान है प्रशासन से आग्रह किया। उन्होंने सरकार से आग्रह किया है कि उपरोक्त गांव में सीकर रसोई गैस की सप्लाई उपलब्ध करवाई जाए।

शहीदी दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि, जागरुकता बढ़ाने को निकाली पदयात्रा

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागी नवाजे

अनंत ज्ञान

शहीदों के आदर्शों को अपनाने का लिया संकल्प। अनंत ज्ञान

हमीरपुर। शहीद दिवस के पावन अवसर पर 'मेरा युवा भारत हमीरपुर 'के तत्वावधान में त्रिशा बीएड कॉलेज में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर देश के महान क्रांतिकारियों भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव के बलिदान को श्रद्धा पूर्वक स्मरण किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज की प्रिंसिपल पूनम भारद्वाज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जिसके उपरांत सभी उपस्थित जनों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विद्यार्थियों के मध्य पदयात्रा और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने देशभक्ति, स्वतंत्रता संग्राम और शहीदों के अद्वितीय बलिदान पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। वहीं, पदयात्रा भी निकाली गइ। जिला युवा अधिकारी दीपमाला ने विद्यार्थियों को शहीदों के अमूल्य योगदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

मैहरे-डंगार रूट पर बस सेवा बंद होने से ग्रामीणों में भारी रोष

एसके ठाकुर, अनंत ज्ञान, बड़सर। विकास खंड बिझड़ी के कई गांवों के लिए लाइफलाइन मानी जाने वाली मैहरे से डंगार (वाया बिझड़ी) बस सेवा पिछले एक सप्ताह से बंद है। यह बस सेवा जोल, धबड़ीयाना, कोहडरा, सोहारी, बिझड़ी, बल्ह-बिहाल, धंगोटा, सूदर और बतलाहू सहित ढटवाल क्षेत्र के लोगों के लिए अहम है। बस सेवा न चलने से बच्चों को स्कूल पहुंचने में परेशानी हो रही है और बुजुर्गों को निजी वाहन पर निर्भर रहना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, बाबा बालक नाथ मंदिर में चल रहे मेलों के कारण बसों को श्रद्धालु सेवा में लगाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि एक रूट की सुविधा छीनकर दूसरे रूट पर देना उचित नहीं है और निगम को वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए। एचआरटीसी हमीरपुर के आरएम राहुल कुमार ने बताया कि मेलों के कारण कुछ रूट अस्थायी रूप से प्रभावित हुए हैं, लेकिन जल्द ही बस सेवा सुचारु करने और व्यवस्था सुधारने का आश्वासन दिया है।

अनुराग ने पीएम नरेंद्र मोदी को 25 वर्ष पूर्ण करने पर दी बधाई

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। अनुराग ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश में निर्वाचित सरकार के प्रमुख के रूप में 25 वर्ष पूर्ण करने और पूर्व सिक्किम मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग का रिकॉर्ड पार करने पर बधाई दी। 8,931 दिनों के कार्यकाल के साथ, प्रधानमंत्री मोदी देश के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले सरकार प्रमुख बन गए हैं। अनुराग ने इसे प्रधानमंत्री की अटूट प्रतिबद्धता, राष्ट्रभक्ति और जनता के विश्वास का प्रतीक बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री के पश्चिम एशिया संकट पर संसद में दिए गए व्यापक और समयोचित संबोधन की भी सराहना की। प्रधानमंत्री ने खाड़ी क्षेत्र में भारतीयों की सुरक्षा, ऊर्जा आवश्यकताओं और अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों, विशेषकर होर्मुज जलडमरूमध्य के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने संवाद और कूटनीति के माध्यम से संकट समाधान की दिशा में किए गए प्रयासों की जानकारी दी। अनुराग ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी और अंतर-मंत्रालयी समूह द्वारा निरंतर निगरानी की जा रही है। ऊर्जा आयात को विविधीकृत किया गया, घरेलू एलपीजी व ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित की गई, और विदेशों में भारतीयों की सुरक्षा एवं मदद के लिए विशेष कदम उठाए गए। उन्होंने कहा कि भारत इन चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक करेगा और समाज के सभी वर्ग सतर्क एवं एकजुट बने रहें।

डीएवी स्कूल भड़ोली ने किया वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

प्रधानाचार्य सुरजीत ने विद्यार्थियों को दीं शुभकामनाएं। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

नादौन। डीएवी पब्लिक स्कूल भड़ोली में कक्षा एलकेजी से कक्षा दूसरी तथा कक्षा ग्यारहवीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम प्रधानाचार्य सुरजीत कुमार राणा के निर्देशन में घोषित किया गया। प्रधानाचार्य ने कहा कि विद्यालय का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। ग्यारहवीं कक्षा में अंतरिक्ष वर्मा ओवरऑल टॉपर रहे।

नॉन-मेडिकल संकाय में प्रथम स्थान अंतरिक्ष वर्मा, द्वितीय सृष्टि भाटिया और तृतीय प्रांजल शर्मा ने प्राप्त किया। मेडिकल संकाय में प्रथम अर्णव कुमार, द्वितीय प्रज्ञ दत्त और तृतीय तेजस शर्मा रहे। कक्षा एलकेजी और यूकेजी से टॉप 10 में वैष्णवी जम्वाल, सनाया, शनाया चौधरी, अनन्या शर्मा, शरण्या शर्मा, प्रांशु डोगरा, सात्विक सोनी, दिव्यांश, अद्वैत, आध्वन सहित अन्य विद्यार्थियों का नाम शामिल है। कक्षा प्रथम और कक्षा द्वितीय के मेधावी छात्रों की सूची में भी प्रत्येक कक्षा से 10-13 शीर्ष छात्र शामिल किए गए हैं, जिनमें अनिका, कायरा, अन्वाय, शारविल, प्रज्ञा शर्मा, कार्तिकेय राणा, आयुष रकड़ा, शौर्य ठाकुर, रंश, अनन्या, शिवांश राणा आदि शामिल हैं। प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को भविष्य की पढ़ाई के लिए शुभकामनाएं दीं।

दियोटसिद्ध में उमड़ा आस्था का सैलाब

अनंत ज्ञान, बड़सर। बाबा बालक नाथ मंदिर दियोटसिद्ध में चल रहे चैत्र मेलों के दौरान श्रद्धालुओं की आस्था अपने चरम पर है। सोमवार को हुई चढ़ावे की गणना में श्रद्धालुओं ने बाबा जी की पवित्र गुफा में दिल खोलकर भेंट अर्पित की। मंदिर प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार को कुल 9,70,205 रुपए का चढ़ावा प्राप्त हुआ। इसमें श्रद्धालुओं द्वारा नकद चढ़ावे के रूप में 18,33,305 रुपए अर्पित किए गए, जबकि डोनेशन के रूप में 749000 रुपए की राशि प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त बकरों की नीलामी से भी न्यास प्रशासन को 3,87,900 रुपए की आय हुई है। चढ़ावे में नकदी के साथ-साथ बहुमूल्य धातुएं भी शामिल रहीं। श्रद्धालुओं ने 2 ग्राम 220 मिलीग्राम सोना तथा 11 ग्राम 890 मिलीग्राम चांदी भी अर्पित की। इसके अलावा विदेशी मुद्रा के रूप में 240 इंग्लैंड पाउंड, 815 अमेरिकी डॉलर, 10 यूरो, कनाडा डलर 630, ऑस्ट्रेलियन डॉलर 105, यूएई दिरहम10 भी चढ़ावे में शामिल हैं।

नशे के खिलाफ जन आंदोलन में दें योगदान : नरेश

राज राजेश्वरी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

प्रतिभागियों ने नशा विरोधी रैली निकालकर जागरुकता का संदेश दिया। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

भोटा। राज्य नशा निवारण बोर्ड के संयोजक एवं सलाहकार नरेश ठाकुर ने कहा कि नशे की तस्करी में संलिप्त नेटवर्क को खत्म करने के लिए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने व्यापक अभियान छेड़ा है। उन्होंने युवाओं और समाज के सभी वर्गों से इस मुहिम में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया, ताकि हिमाचल प्रदेश को नशामुक्त बनाया जा सके।

राज राजेश्वरी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में आयोजित जागरुकता कार्यक्रम में नरेश ने कहा कि युवा पीढ़ी का नशे की ओर बढ़ता झुकाव चिंताजनक है। उन्होंने लोगों को सतर्क रहने और नशा विरोधी अभियान में योगदान देने की अपील की। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने एनडीपीएस एक्ट को सख्ती से लागू किया है, जिसके चलते नशा माफिया की करोड़ों की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। साथ ही एक विशेष फोर्स के गठन का निर्णय भी लिया गया है। नशे से संबंधित सूचनाएं टोल फ्री नंबर 112 या ड्रग फ्री हिमाचल ऐप के माध्यम से दी जा सकती हैं, जहां सूचनाकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाती है। नरेश ने बताया कि सरकार नशा निवारण एवं उपचार केंद्रों को सुदृढ़ कर रही है और जोल सप्पड़ में नए मेडिकल कॉलेज परिसर में बड़ा नशा मुक्ति केंद्र स्थापित किया जाएगा।

युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए खेल गतिविधियों के लिए 12 करोड़ रुपए का प्रावधान भी किया गया है। कार्यक्रम में रूबल सिंह ठाकुर, डॉ. राज धीमान सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में प्रतिभागियों ने नशा विरोधी रैली निकालकर जागरुकता का संदेश दिया।

बैठक डीसी ने एचआईवी-एड्स प्रभावितों के लिए बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

लोगों और आश्रितों तक पहुंचाएं योजनाएं

समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करतीं डीसी गंधर्वा राठौड़। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। जिले में एचआईवी-एड्स से प्रभावित लोगों के लिए आयोजित वार्षिक समीक्षा बैठक में उपायुक्त गंधर्वा राठौड़ ने स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए।

हमीर भवन में आयोजित बैठक में कहा कि सभी मरीजों को एआरटी सेंटर के माध्यम से नियमित रूप से दवाइयों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा उन्हें सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी मिले। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि एचआईवी-एड्स से ग्रस्त लोगों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव न हो और उनकी पहचान गोपनीय रखी जाए। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज अस्पताल हमीरपुर में स्थापित एआरटी सेंटर के माध्यम से हमीरपुर सहित बिलासपुर, मंडी, ऊना और कांगड़ा के कुछ क्षेत्रों के कुल 1453 मरीजों को दवाइयां उपलब्ध करवाई जा रही हैं, जिनमें 953 मरीज हमीरपुर जिले से हैं। उन्होंने जागरुकता को सबसे प्रभावी बचाव बताते हुए कहा कि युवाओं में इसके प्रति जागरूकता बढ़ाना जरूरी है। गर्भवती महिलाओं का एचआईवी टेस्ट अनिवार्य कर दिया गया है ताकि समय रहते उपचार शुरू कर शिशु को संक्रमण से बचाया जा सके। उन्होंने विभागों को निर्देश दिए कि वे फील्ड में जागरूकता कार्यक्रम बढ़ाएं और रेड रिबन क्लबों को सक्रिय रखें, ताकि समाज में फैली भ्रांतियों को दूर किया जा सके। बैठक में सीएमओ डॉ. प्रवीण चौधरी, मेडिकल कॉलेज अस्पताल के एमएस डॉ. देशराज शर्मा और जिला एड्स नियंत्रण अधिकारी सुनील वर्मा ने विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया।

घरेलू गैस कनेक्शन धारकों के लिए हो रही है पर्याप्त आपूर्ति, अफवाहों पर ध्यान न दें

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हमीरपुर जिले में उपायुक्त गंधर्वा राठौड़ ने विभिन्न विभागों और गैस एजेंसी संचालकों के साथ रसोई गैस आपूर्ति की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि 10 एजेंसियों के माध्यम से 1,63,343 घरेलू और 3339 व्यावसायिक कनेक्शनधारकों को गैस उपलब्ध करवाई जा रही है। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए पर्याप्त आपूर्ति होने के कारण अफवाहों से बचने और निर्धारित अवधि (25 दिन, दूरदराज क्षेत्रों में 45 दिन) के अनुसार बुकिंग करने की सलाह दी गई। हालांकि व्यावसायिक सिलेंडरों की कमी को देखते हुए इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन को आपूर्ति बढ़ाने के निर्देश दिए गए। स्कूलों और अस्पतालों को विशेष छूट दी गई है, जबकि अन्य संस्थानों को वैकल्पिक ईंधन अपनाने को कहा गया। बैठक में जिला नियंत्रक शिव राम ने स्थिति की विस्तृत जानकारी दी।

एनेस्थीसिया, क्रिटिकल केयर की नवीनतम तकनीकों पर की चर्चा

एचपी इस्कॉन 2026 राज्य सम्मेलन संपन्न

डॉ. आरकेजीएमसी हमीरपुर में एचपी इस्कॉन का आयोजन। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। डॉ. राधाकृष्णन गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज हमीरपुर के एनेस्थीसिया विभाग द्वारा इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थीसियोलॉजिस्ट्स का वार्षिक राज्य सम्मेलन 'एचपी इस्कॉन 2026' सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रिंसिपल प्रो. डॉ. रमेश भारती की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सम्मेलन में हिमाचल प्रदेश सहित अन्य राज्यों से एनेस्थीसियोलॉजिस्ट्स, फैकल्टी और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने भाग लिया। वैज्ञानिक कार्यक्रम में कीनोट लेक्चर, पैनल चर्चा, केस-आधारित सत्र और हैंड्स-ऑन वर्कशॉप आयोजित किए गए, जिनमें एनेस्थीसिया, क्रिटिकल केयर और दर्द प्रबंधन की नवीनतम तकनीकों पर चर्चा हुई। प्रो. वीरेंद्र के. आर्य (कनाडा) ने ट्रांस थोरेसिक इकोकार्डियोग्राफी वर्कशॉप में विशेष सहभागिता दी। आयोजन समिति में डॉ. मनजीत सिंह कंवर, डॉ. प्रियंका सूद, डॉ. पूजा ठाकुर, डॉ. निशा शर्मा, डॉ. नीरज शर्मा और डॉ. भावना अहलुवालिया शामिल रहे। सम्मेलन का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ और आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

चार माह बाद मणिमहेश यात्रा, 'दम तोड़' रहा पठानकोट-भरमौर एनएच

अनंत ज्ञान

ओपी शर्मा, भरमौर। उत्तर भारत की सबसे बड़ी धार्मिक यात्राओं में शुमार मणिमहेश यात्रा शुरू होने में अब महज चार महीने शेष हैं, लेकिन यात्रा का मुख्य प्रवेश मार्ग पठानकोट-भरमौर नेशनल हाईवे बदहाली की चरम स्थिति में पहुंच चुका है।

सड़क की हालत ऐसी हो गई है कि कई स्थानों पर वाहन चलाना तो दूर, पैदल गुजरना भी जोखिम भरा साबित हो रहा है, ऐसे में प्रशासन, एनएच व जनप्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पिछले कई वर्षों से इस राष्ट्रीय उच्च मार्ग को लेकर केवल कागजी दावे, प्रेस नोट व बैठकों में विकास दिखाया जा रहा है, जबकि धरातल पर सड़क की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। जगह-जगह गड्ढे, धंसाव, टूटे हिस्से और भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र इस मार्ग को बेहद खतरनाक बना चुके हैं। यह वही सड़क है, जिससे होकर मंत्री, विधायक, अधिकारी व वीआईपी भी गुजरते हैं, लेकिन इसके स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम नजर नहीं आते। हर वर्ष देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु बाबा मणिमहेश के दर्शन के लिए इसी मार्ग से भरमौर पहुंचते हैं। यही सड़क मरीजों के अस्पताल पहुंचने, छात्रों के पढ़ाई के लिए आने-जाने, व्यापारियों के सामान ढोने व पर्यटकों की आवाजाही की जीवनरेखा है, लेकिन हल्की बारिश में ही यदि सड़क जवाब दे रही है, तो बरसात और यात्रा सीजन के दौरान हालात कितने भयावह होंगे, इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। लोगों का कहना है कि प्रशासन कहीं किसी बड़े हादसे का इंतजार तो नहीं कर रहा। स्थानीय जनता ने एनएच विभाग के काम की स्वतंत्र जांच, सड़क निर्माण व मरम्मत में देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई और जनप्रतिनिधियों का रिपोर्ट कार्ड सार्वजनिक करने की मांग उठाई है।

लोगों का कहना है कि यदि मणिमहेश यात्रा से पहले हाईवे दुरुस्त नहीं हुआ, तो यह सिर्फ प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि आस्था, पर्यटन और जनजीवन तीनों के साथ खुला खिलवाड़ होगा। अब बड़ा सवाल यही है क्या चंबा प्रशासन मणिमहेश यात्रा से पहले जागेगा, या इस बार भी विकास सिर्फ फाइलों और दावों तक ही सीमित रहेगा?

एनएच 154-ए पर गड्ढों ने बढ़ाई वाहन चालकों की परेशानी

अनंत ज्ञान

देशराज कश्यप, धरवाला। पठानकोट-भरमौर नेशनल हाईवे पर जगह-जगह पड़े गड्ढों ने पिछले दिनों हुई बारिश से तालाब का रूप धारण कर लिया है, जिससे वाहन चालकों व राहगीरों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि वर्ष 2025 में आई आपदा के बाद अब तक एनएच 154-ए की स्थिति जस की तस बनी हुई है।

जगह-जगह संकरा सड़क मार्ग की स्थिति सड़क के बीचों बीच तालाब रूपी गड्ढे वाहन चालकों की परेशानी और बढ़ा रहे हैं। ताजा मामला त्रिलोचन महादेव दुनाली के बीच का बताया जा रहा है, जहां पूरा सड़क मार्ग पानी से लबालब था। ऐसे में छोटी गाड़ियों के लिए सड़क मार्ग को पार करना बेहद मुश्किल हो रहा था। कमल ठाकुर, जो अपने किसी काम के लिए लेकर दुनाली की तरफ जा रहे थे, उन्होंने देखा कि सड़क मार्ग की स्थिति बेहद खराब है व वाहन चालकों तथा राहगीरों को परेशानी पेश आ रही है। उन्होंने इस सड़क मार्ग को स्वयं ठीक करने की ठानी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल है। कमल ठाकुर ने स्वयं नीचे उतरकर उस तालाब रूपी गड्ढे के पानी को रास्ता बनाकर यातायात को बहाल किया। वहीं, लोगों को भी संदेश दिया कि छोटी-छोटी समस्याओं को खुद भी ठीक किया जा सकता है, ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना या राहगीरों को परेशानी पेश न आए। कमल ठाकुर ने सोशल मीडिया में आकर वीडियो के माध्यम से न सिर्फ संबंधित विभाग को, बल्कि आम लोगों को भी संदेश दिया है कि इस तरह के तालाब रूपी पानी के गड्ढे दुर्घटना को बढ़ाते हैं।

सकरेरा स्कूल में गूंजा देशभक्ति का स्वर

अनंत ज्ञान, डलहौजी। राजकीय उच्च विद्यालय सकरेरा में शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के बलिदान दिवस पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्याध्यापक लेखराज व मुख्य शिक्षक नारायण सुख द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात विद्यालय के शिक्षकों, स्टाफ सदस्यों और नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने शहीदों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मुखध्यापक लेखराज व नारायण सुख ने बच्चों को देश के वीर सपूतों के गौरवशाली इतिहास से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने कर्तव्यों का निष्ठा पूर्वक पालन करने तथा राष्ट्रभक्ति की भावना को जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। भाषण के दौरान 'भारत माता की जय' के जयघोष से पूरा विद्यालय परिसर देशभक्ति के उत्साह से गूंज उठा। इस अवसर पर शिक्षक वीरेंद्र ठाकुर, गिरधारी, राकेश कुमार, अमित कुमार, केवल कुमार, संतोष कुमार, सीमा, सुनीता देवी, सुषमा देवी, जैस्सी राम, बिट्टू कुमार एवं अलीशा सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

मंडी सम्मेलन से गूंजा बदलाव का संदेश, चंबा में भी बजेगा परिवर्तन का बिगुल: अजय अटवाल

अनंत ज्ञान

चंबा। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया द्वारा मंडी में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन ने प्रदेश की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। इस सम्मेलन को ऐतिहासिक बताते हुए आप के जिला चंबा संयोजक अजय अटवाल ने कहा कि इससे हिमाचल प्रदेश में बदलाव की लहर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है।

अजय अटवाल ने कहा कि मंडी में उमड़ी कार्यकर्ताओं की भीड़ व उनका जोश दर्शाता है कि प्रदेश की जनता अब पारंपरिक राजनीति से हटकर एक नए विकल्प की ओर देख रही है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी एक सशक्त और ईमानदार राजनीतिक विकल्प के रूप में तेजी से उभर रही है। उन्होंने चंबा को एक आकांक्षी जिला बताते हुए कहा कि यह क्षेत्र वर्षों से विकास की उपेक्षा झेल रहा है, अब समय आ गया है कि चंबा के लोग अपने अधिकारों के लिए एकजुट हों व विकासोन्मुखी राजनीति को अपनाएं। अजय अटवाल ने युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों व आम नागरिकों से अपील की कि वे आप से जुड़कर इस परिवर्तन की मुहिम का हिस्सा बनें। उन्होंने बताया कि वर्ष 2027 के हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में पार्टी पूरी मजबूती से चुनाव मैदान में उतरेगी और प्रदेश को एक नया विकल्प देगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी में नेतृत्व व टिकट का आधार केवल मेहनत, ईमानदारी व जनसेवा होगा, जो कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर सक्रिय रहेगा और जनता के बीच काम करेगा, उसे प्राथमिकता दी जाएगी। अजय अटवाल ने कहा कि व्यक्तिगत स्वार्थ या निजी एजेंडे के साथ राजनीति में आने वाले लोगों के लिए पार्टी में कोई स्थान नहीं है। उन्होंने अन्य दलों के ईमानदार और जनहित में कार्य करने वाले नेताओं को भी आम आदमी पार्टी में शामिल होने का खुला निमंत्रण दिया। इच्छुक लोगों से उन्होंने अपील की कि वे पार्टी से जुड़ने के लिए अपना विवरण मोबाइल नंबर 8091788850 पर भेज सकते हैं और इस जनआंदोलन का हिस्सा बन सकते हैं। अंत में उन्होंने कहा कि अब चंबा व हिमाचल प्रदेश उपेक्षा नहीं सहेंगे और आने वाले समय में यह क्षेत्र विकास की मुख्यधारा में अग्रसर होगा।

कौशल विकास प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित

अनंत ज्ञान, चंबा। जिला कल्याण अधिकारी मंजुल ठाकुर ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के तहत अनुसूचित जाति वर्ग के युवाओं के लिए निशुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-एजेएवाई) के अंतर्गत संचालित होगा। इसके लिए पात्र अभ्यर्थियों से दो पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिनकी अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि पहला पाठ्यक्रम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मूल सिद्धांतों पर आधारित है, जिसकी अवधि तीन माह होगी और प्रतिदिन दो घंटे कक्षाएं आयोजित होंगी। इसके लिए न्यूनतम योग्यता किसी भी विषय में स्नातक रखी गई है। दूसरा पाठ्यक्रम 'ऑफिस ऑटोमेशन, अकाउंटिंग एवं पब्लिशिंग असिस्टेंट' का है, जिसकी अवधि भी तीन माह है व इसमें प्रतिदिन चार घंटे प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए न्यूनतम योग्यता बारहवीं उत्तीर्ण है।

एमटीबी रेस का सफल समापन, एडवेंचर टूरिज्म को मिली नई पहचान

शिमला के आकाश शेरपा बने ओवरऑल विनर

अनंत ज्ञान

एमटीबी रेस के सफल समापन पर प्रतिभागी। अनंत ज्ञान

चंबा। चंबा में पहली बार आयोजित एमटीबी चंबा का सफल समापन हुआ। चंबा साइक्लिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित और हिमाचल टूरिज्म के 'चलो चंबा' अभियान के तहत समर्थित इस आयोजन ने क्षेत्र में एडवेंचर टूरिज्म को नई दिशा दी।

इस प्रतियोगिता में देश के 10 राज्यों और 16 शहरों से आए साइक्लिस्टों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो भारत में माउंटेन बाइकिंग के बढ़ते क्रेज को दर्शाता है। रेस की शुरुआत चंबा के प्रतिष्ठित मिलेनियम गेट से हुई। लगभग 65 किलोमीटर लंबे इस कठिन ट्रैक में 2000 मीटर की ऊंचाई चढ़ाई शामिल थी। प्रतिभागियों ने भद्रम, देओलीहट्टी, सुंगल व कई अन्य स्थलों तथा दुर्गम पहाड़ी रास्तों से गुजरते हुए अपनी सहनशक्ति व कौशल का प्रदर्शन किया। चंबा साइक्लिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष चंद्रकांत ने कहा, 'एमटीबी चंबा 2026 केवल एक रेस नहीं, बल्कि चंबा की प्राकृतिक सुंदरता व सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है। हमारा लक्ष्य चंबा को राष्ट्रीय एडवेंचर स्पोर्ट्स मानचित्र पर स्थापित करना है, और पहले ही संस्करण में मिला उत्साहजनक प्रतिसाद इस दिशा में एक बड़ा कदम है। सब जूनियर मेन में प्रथम आरुष शर्मा (कुल्लू) - 3:52:59, दूसरा- सात्विक बस्ता (शिमला) - 3:53:11, तीसरा-अर्नव चौहान (धर्मशाला) - 4:06:16, जूनियर मेन: पहला-मोक्ष अनेजा (चंडीगढ़) - 3:09:05, दूसरा-ओम शर्मा (मनाली)-3:09:13, तीसरा-दक्ष सलोलिया (जयपुर) - 3:11:12, ओपन कैटेगरी: पहला - आकाश शेरपा (शिमला) - 3:01:27, दूसरा-अतुल - 3:11:24, तीसरा - आद्यंत (दिल्ली) - 3:20:04, मास्टर्स कैटेगरी: पहला-क्रशानवेंद्र सिंह यादव (देहरादून) - 3:33:01, दूसरा - सुनील बरोंगपा (कुल्लू) - 4:03:40, तीसरा - सुनील उपाशक (कुल्लू) - 4:34:31, ओवरऑल विनर्स: पहला - आकाश शेरपा (शिमला) - 3:01:27, दूसरा - मोक्ष अनेजा (चंडीगढ़) - 3:09:05, तीसरा - ओम शर्मा (मनाली) - 3:09:13।

इस सफल आयोजन ने न केवल खेल प्रतिभाओं को मंच दिया, बल्कि चंबा को एडवेंचर टूरिज्म के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। आयोजकों ने इसे हर साल आयोजित करने की योजना भी व्यक्त की है।

30 मार्च को 50 पदों के लिए कैंपस इंटरव्यू

अनंत ज्ञान, चंबा। जिला रोजगार अधिकारी जितेंद्र सिंह वर्मा ने बताया कि महिला व पुरुष वर्ग के लिए 30 मार्च को उपरोजगार कार्यालय चुवाड़ी जिला चंबा में एलाइंस ग्रो स्टॉफिंग, फुजियामा पावर सिस्टम लिमिटेड के लिए 50 पदों के लिए कैंपस इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा। उक्त पद के लिए शैक्षणिक योग्यता 10वीं 10+2 व आईटीआई है तथा दोनों वर्ग के लिए आयु सीमा 18 से 30 वर्ष निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि कैंपस इंटरव्यू में चयनित उम्मीदवारों को मासिक वेतन 13 से 14 हज़ार रखा गया है साथ में खाना, यूनिफार्म और जूते के अलावा अन्य सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। रोजगार अधिकारी ने बताया कि जॉब लोकेशन परवाणु जिला सोलन चिन्हित है। उन्होंने बताया कि इच्छुक आवेदक शैक्षणिक योग्यता के मूल प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, रोजगार कार्यालय का प्रमाण पत्र, आधार कार्ड व बायोडाटा के साथ निर्धारित तिथि और स्थान पर प्रातः 10:30 बजे उपस्थित हो जाएं।

राजपूत सभा की बैठक में समाज उत्थान के लिए बड़े फैसले

अनंत ज्ञान

राजनगर स्थित डीएम मेमोरियल पब्लिक स्कूल में राजपूत सभा चंबा की बैठक में मौजूद लोग। अनंत ज्ञान

चंबा। राजनगर स्थित डीएम मेमोरियल पब्लिक स्कूल में राजपूत सभा चंबा की एक महत्वपूर्ण व ऐतिहासिक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक की अध्यक्षता सभा के प्रधान शुभम ठाकुर ने की। इसमें क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लेकर समाज के विकास से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के दौरान कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिनका उद्देश्य समाज के सर्वांगीण विकास को गति देना है। सभा ने यूजीसी अधिनियम का विरोध करते हुए शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग उठाई। इसके साथ ही नशा मुक्ति अभियान को प्राथमिकता देते हुए पुलिस विभाग के साथ मिलकर नशे के खिलाफ सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया गया। शिक्षा के क्षेत्र में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को सहायता प्रदान करने की योजना बनाई गई, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। वहीं, बेरोजगार युवाओं को आर्थिक सहयोग देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी कार्य करने का संकल्प लिया गया। पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी सभा ने गंभीरता दिखाई व इस दिशा में जागरूकता व संरक्षण के प्रयास तेज करने का निर्णय लिया।

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए सरिता कोपड़ा द्वारा डेरी दुग्ध फार्म योजना तैयार की जाएगी, जिससे महिलाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। बैठक में एडवोकेट अक्षय जरियाल को राजपूत सभा का संरक्षक नियुक्त किया गया। साथ ही आगामी 30 अप्रैल से पहले ब्लॉक स्तर पर अध्यक्षों की नियुक्ति करने का भी निर्णय लिया गया, जिससे संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत किया जा सके। इस अवसर पर ब्रिगेडियर आरएस जमवाल, डॉ. विपन चंद राठौर, सितेंद्र जंद्रोतिया, कैप्टन मुसदी राम, इंजीनियर परमिंदर जरियाल, हितेन्द्र पठानिया सहित कई प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने संदेश दिया कि राजपूत सभा चंबा समाज के समग्र विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सभा ने सभी वर्गों से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर समाज के उत्थान में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

न्यूज ब्रीफ

बाइक की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर के मुख्य बाजार में एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार सायं करीब 4 बजे एक बाइक सवार पठानकोट चौक की ओर से मंडी की तरफ जा रहा था, जैसे ही वह मेन बाजार स्थित मंदिर रोड लिंक के पास पहुंचा, उसकी राह चलते एक बुजुर्ग से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल बुजुर्ग को निजी वाहन के माध्यम से तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान भूरी सिंह (71) निवासी गांव कौंसल, डाकघर बस्सी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची व स्थिति का जायजा लेते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। वहीं, बाइक चालक की पहचान शिवम् पुत्र राजेंद्र निवासी गांव ढेलू के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

चंबा में मारपीट व धमकी के दो मामले दर्ज

अनंत ज्ञान, चंबा। जिला पुलिस चंबा द्वारा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के तहत दो अलग-अलग मामलों में अभियोग दर्ज किए गए हैं। दोनों ही मामलों में आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। पहली घटना पुलिस थाना सिहुंता क्षेत्र की है, जहां शिकायतकर्ता राम लाल शास्त्री ने कुशल कुमार व उसके दो अन्य साथियों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने उनका रास्ता रोककर न केवल गाली-गलौज की, बल्कि जान से मारने की धमकी भी दी। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दूसरी घटना थाना किहार क्षेत्र से सामने आई है। यहां हीना शेख ने आरिफ शेख व उसके तीन अन्य साथियों पर आरोप लगाया है कि वे जबरन उसके घर में घुस आए, गाली-गलौज की और उसके परिवार के साथ मारपीट की। इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिस अधीक्षक, जिला चंबा ने बताया कि दोनों मामलों में निष्पक्ष और गहन जांच की जा रही है तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

वेतन न मिलने से आक्रोशित वर्कर्स का प्रदर्शन, भूख हड़ताल की चेतावनी

अनंत ज्ञान

चंबा। वन मंडल चंबा में कार्यरत वर्कर्स का धैर्य अब जवाब देने लगा है। पिछले एक वर्ष से वेतन न मिलने से परेशान 9 वर्कर्स ने सोमवार को उपायुक्त कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन कर अपनी मांगें उठाईं। प्रदर्शन का नेतृत्व भाजपा कार्यसमिति सदस्य जय सिंह ने किया।

वर्कर्स ने डीसी मुकेश रेपसवाल को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि वन परिक्षेत्र मसरूंड, कंदला, मोहड़ी, माणी और गूं घराट में तैनात कर्मचारी पिछले 12 महीनों से बिना वेतन के काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालात इतने खराब हो चुके हैं कि परिवार का पालन-पोषण करना भी मुश्किल हो गया है। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि वे पौध उत्पादन, रोपण व देखभाल जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में लगातार जुटे हैं, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन मिल रहा है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों पर अनदेखी और दबाव बनाने के आरोप भी लगाए। वर्करों के अनुसार, उनसे कई महीनों के बिलों पर हस्ताक्षर करवा लिए जाते हैं, लेकिन भुगतान समय पर नहीं किया जाता। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ कर्मचारियों को वेतन जारी कर दिया गया है, जबकि अन्य अभी भी भुगतान से वंचित हैं, जिससे असंतोष बढ़ रहा है। वर्कर्स ने प्रशासन से तुरंत हस्तक्षेप कर लंबित वेतन जारी करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दो दिनों के भीतर समाधान नहीं हुआ, तो वे भूख हड़ताल शुरू करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। धरने में चमन सिंह, ओम राज, याकूब, सुरिंद्र, शिव कुमार, ब्यास देव सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

सुंदरनगर में बारिश ओलावृष्टि से जनजीवन हुआ अस्त-व्यस्त

अनंत ज्ञान, महादेव। सोमवार दोपहर बाद अचानक बदले मौसम ने सुंदरनगर शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की परेशानी बढ़ा दी। आसमान में काले बादल छाने के बाद कुछ ही देर में गरज के साथ तेज बारिश शुरू हो गई। शुरुआत में हल्की बूंदाबांदी हुई, लेकिन जल्द ही बारिश ने मूसलाधार रूप ले लिया। तेज वर्षा के कारण खड्ड, नाले और नालियां पानी से भर गईं। वहीं, कई सड़कें भी जलमग्न हो गईं। इससे बाजार व हाट क्षेत्र प्रभावित हुए तथा आम लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। देव मिलन देखने आए श्रद्धालुओं और आयोजन से जुड़े लोगों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उधर, क्षेत्र में कई स्थानों पर वर्षा शालिकाएं (रेन शेल्टर) जर्जर हालत में पड़ी हैं, जिससे बारिश के दौरान लोगों को राहत नहीं मिल पाई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इन शालिकाओं की मरम्मत की मांग पहले भी की थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। लोगों ने डीसी मंडी से मांग की है कि खस्ताहाल वर्षा शालिकाओं को शीघ्र सुधारा जाए, ताकि भविष्य में खराब मौसम के दौरान आम जनता को राहत मिल सके।

लोअर मुगला में प्राकृतिक आपदा का कहर प्रशासन से राहत व स्थायी समाधान की मांग तेज

अनंत ज्ञान

चंबा। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश व बाढ़ ने चंबा जिले के लोअर मुगला क्षेत्र में भारी तबाही मचा दी है। एनएच 154 कंवर्ट मुगला और लोअर मुगला गली नंबर 3 में पानी की निकासी व्यवस्था ठप होने के कारण स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

प्रभावित इलाके के कई रिहायशी मकानों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे स्थानीय लोगों में भय और आक्रोश दोनों देखने को मिल रहा है। बीते 2 सितंबर 2025 को हुए भीषण भूस्खलन के कारण श्मशान घाट तक जाने वाला पैदल मार्ग पूरी तरह से तबाह हो चुका है, जिससे स्थानीय निवासियों को अंतिम संस्कार जैसी आवश्यक गतिविधियों में भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से समस्या के स्थायी समाधान व आपदा राहत कार्यों के निरीक्षण की गुहार लगाई थी। इसके बाद सहायक आयुक्त और डीसी चम्बा के नेतृत्व में विभिन्न विभागों की टीम ने प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया और हालात का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एनएच चंबा को सख्त निर्देश दिए गए कि कंवर्ट को जल्द बंद किया जाए और उचित जल निकासी के लिए नाली का निर्माण किया जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की स्थिति से बचा जा सके। इस मौके पर प्रभावित क्षेत्र के कई स्थानीय निवासी और पूर्व पार्षद भी उपस्थित रहे। लोगों ने प्रशासन से जल्द राहत सामग्री उपलब्ध कराने और स्थायी समाधान लागू करने की मांग दोहराई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में हालात और भी भयावह हो सकते हैं। प्रशासन की कार्रवाई पर अब पूरे क्षेत्र की नजरें टिकी हुई हैं।

मंडी पुलिस ने कसा शिकंजा किए 365 चालान

अनंत ज्ञान, मंडी। जिला पुलिस मंडी द्वारा विभिन्न अधिनियमों के तहत कार्रवाई करते हुए मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत 365 चालान किए गए हैं, जबकि कोटपा अधिनियम के तहत 7 चालान कर 700 रुपए जुर्माना वसूला गया है। इसके अलावा माइनिंग एक्ट के अंतर्गत 6 चालान भी किए गए हैं। यह जानकारी पुलिस अधीक्षक मंडी विनोद कुमार द्वारा दी गई।

4 साल बाद भी अधूरी 200 मीटर सड़क सीएचसी चूड़ी तक पहुंचना बना चुनौती

अनंत ज्ञान

चंबा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चूड़ी को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए स्वीकृत 200 मीटर संपर्क सड़क चार वर्ष बाद भी अधूरी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, करीब 150 मीटर सड़क का निर्माण तो हो चुका है, लेकिन शेष कार्य लंबे समय से ठप पड़ा है, जिससे मार्ग आज तक उपयोग योग्य नहीं बन पाया।

यह स्वास्थ्य केंद्र क्षेत्र की दर्जनों पंचायतों के लिए प्रमुख चिकित्सा सुविधा है, जहां गर्भवती महिलाएं, दुर्घटना पीड़ित, बुजुर्ग और बच्चे इलाज के लिए पहुंचते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि एंबुलेंस सड़क के आरंभिक बिंदु पर ही रुक जाती है, जिससे मरीजों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि 'चार वर्षों में 200 मीटर सड़क भी पूरी नहीं हो पाई, जिससे विकास के दावे खोखले लगते हैं।' ग्रामीणों ने मांग की है कि सड़क निर्माण कार्य तुरंत शुरू कर गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए तथा देरी के लिए जिम्मेदारी तय की जाए। चेतावनी दी गई है कि यदि जल्द काम शुरू नहीं हुआ, तो पीडब्ल्यूडी कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। वहीं, लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता राकेश मरोल ने बताया कि निजी भूमि मालिकों द्वारा विभाग के पक्ष में गिफ्ट डीड निष्पादित न किए जाने के कारण कार्य रुका हुआ है। उन्होंने भूमि मालिकों से जल्द प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है, ताकि सड़क निर्माण कार्य शीघ्र पूरा किया जा सके।

जिला स्तरीय कार्यान्वयन व निगरानी समिति की बैठक आयोजित

31 पैक्स समितियों के कंप्यूटरीकरण को मंजूरी

अनंत ज्ञान

चंबा। डीसी मुकेश रेपसवाल की अध्यक्षता में सोमवार को जिला स्तरीय कार्यान्वयन व निगरानी समिति की बैठक का आयोजन उनके कार्यालय कक्ष में किया गया।

बैठक के दौरान जिले में सहकारी क्षेत्र को सशक्त बनाने की दिशा में प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) के कंप्यूटरीकरण के तीसरे चरण के तहत विकासखंड चंबा, भरमौर, मैहला, पांगी, सलूणी और तीसा की 31 समितियों को अनुमोदन प्रदान किया गया। मुकेश रेपसवाल ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों द्वारा कृषि व संबद्ध गतिविधियों से जुड़े क्रेडिट व गैर-क्रेडिट कार्यों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाना है, ऐसे में जानकारी व जागरूकता के लिए समिति के सचिवों को उपमंडल स्तर पर प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की जाएं। साथ में यह भी सुनिश्चित किया जाए कि सभी प्रविष्टियां (एंट्रीज) ऑनलाइन अपलोड हों। उपायुक्त ने समितियों के आय स्रोतों को बढ़ाने तथा किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण मामलों में वृद्धि करने के को लेकर आवश्यक कदम उठाने के भी निर्देश दिए। बैठक में सहायक पंजीयक, सहकारी सभाएं ने प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों से संबंधित जानकारियां साझा की। उन्होंने यह भी अवगत किया कि कंप्यूटरीकरण के प्रथम एवं द्वितीय चरण के अंतर्गत जिले में 83 समितियों को जोड़ा जा चुका है। डीडीएम नाबार्ड ने इस दौरान समितियों के आय संसाधनों को बढ़ाने के लिए 15 से अधिक गतिविधियों की जानकारी रखी जिनमें वर्मी कंपोस्ट यूनिट, कोल्ड स्टोर, वेयरहाउस, कस्टमर हायरिंग सेंटर, सोलर आधारित प्रोजेक्ट आदि शामिल है। प्रबंधक राज्य सहकारी बैंक ने बैठक में कार्यवाही का संचालन करते हुए समितियों के कंप्यूटरीकरण से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की। सहायक पंजीयक, सहकारी सभाएं सुरजीत सिंह, डीडीएम नाबार्ड राकेश कुमार, प्रबंधक राज्य सहकारी बैंक हेम सिंह सहित विभागीय अधिकारी व विभिन्न समितियों के सचिव बैठक में उपस्थित रहे।

व अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी तहसील जोगिन्द्र नगर जिला मण्डी हि.प्र.।
मिसल न.-8/2026
तारीख मरजुआ- 20-03-2026
तारीख पेशी- 09-04-2026
Maya Devi D/o Late Sh. Radha Ram R/o Village Shanan, Tehsil Joginder Nagar, Distt. Mandi, H.P
...Applicant
Vrs
General Public
...Respondent.
अखवारी ईश्तहार
An application u/s 13 (3) of Birth & Death Registration Act.
Maya Devi D/o Late Sh. Radha Ram R/o Village Shanan, Tehsil Joginder Nagar, Distt. Mandi, H.P ने इस न्यायलय में आवेदन पत्र/शपथी पत्र गुजार कर यह अनुरोध किया है, कि उसका जन्म दिनांक 12-12-1970 को गांव शानन से हुआ था। लेकिन उसकी जन्म तिथि Municipal Council Joginder Nagar के जन्म एवं मृत्यु रजिस्टर में दर्ज नहीं है। लिहाजा इसे दर्ज करने के आदेश दिये जाये। अतः सर्व साधारण आम जनता को इस अखबारी ईश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि अगर किसी को उपरोक्त प्रार्थी के दावा बारे किसी प्रकार का कोई उजर / एतराज है, तो वह दिनांक 09-04-2026 को प्रातः 10:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के समक्ष इसे असालतन व वकालतन प्रस्तुत कर सकता / सकते है। आम जनता की ओर से उपरोक्त दिनांक एवं समय तक कोई भी उजर एतराज प्रस्तुत न होने की सूरत में उनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। आज दिनांक 20.03.2026 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।
कार्यकारी दण्डाधिकारी
जोगिन्द्रनगर जिला मंडी हि.प्र.

IN COURT OF THE EXECUTIVE MAGISTRATE-CUM-NAIB TEHSILDAR DHEERA, DISTRICT KANGRA HIMACHAL PRADESH
Date of hearing 9-4-2026
Case No. 813220/2026
In the matter of- Balwant Singh s/o Hoshiar Singh, r/o Mohal Nunhalkar Mauza Naura, Tehsil Dheera, District Kangra, Himachal Pradesh
..Applicants
Versus
General Public Tehsil Dheera, District Kangra, Himachal Pradesh
..Respondent
Proclamation regarding correction of name under section 37(i) & (ii) of HPLRA, 1954.
Whereas, Balwant Singin s/o Hoshiar Singh, r/o Mohal Nunhalkar Mauza Naura, Tehsil Dheera, District Kangra, Himachal Pradesh has filed an application alongwith an affidavit before this court that name of his father has wrongly been recorded in revenue record of Mohal Nunhalkar, Mauza Naura, Tehsil Dheera, District Kangra HP as "Tuarsu". But in other documents such as Adhar card and Parviar Nakal, her correct name has been recorded as Hoshiar Singh. Hence, applicant has filed an application for correction of name of his father as Hoshiar Singh alias Tuarsu in the revenue record of Mohal Nunhalkar, Mauza Naura, Tehsil Dheera, District Kangra, Himachal Pradesh. Now, therefore, objections, if any are invited from the general public with regard to the correction of name of applicant's father i.e. Hoshiar Singh alias Tuarsu. Any person having any objection in this regard may appear in this court on or before 9-04-2026, either personally or through a duly authorized agent or counsel. In case no objection is received within stipulated period, the matter shall be decided as ex-parte without any further opportunity of being heard and final order for correction of name shali be passed, accordingly. Issued under my hand and seal of the court today, 19-03-2026
Executive Magistrate, Dheera

अनंत Classifieds

NAME CHANGE

I, Rami Devi w/o Sh. Man Chand Resident of Village Flain P.O. Dhobi Tehsil and Distt. Kullu H.P. my name Ram Dei is wrongly mentioned in aadhar card. Now I Have been my name changed Ram Dei To Rami Devi . Correct name is Rami Devi. Today onwards my name considered as Rami Devi for all purpose. Please not that.

NAME CHANGE

I, Tenzin Desang D/o Sh.Pema Gylasto Resident of Village Kalath Shallin P.O. Kalath Tehsil Manali Distt. Kullu H.P. my name Snehal Shonen Jain is wrongly mentioned in aadhar card. Now I Have been changed my name Snehal Shonen Jain To Tenzin Desang. Correct name is Tenzin Desang. Today onwards my name considered as Tenzin Desang for all purpose. Please not that.

नाम परिवर्तन

मैं सुखवीर पुत्र सीता राम निवासी गांव धलेरा, डाकघर गगल खोली, तहसील धीरा जिला कांगडा हि. प्र. यह घोषणा करता हूं कि मेरे आधार कार्ड न. 500467528297 में मेरे नाम की Spelling Sukhvir दर्ज है जोकि गलत है तथा मैं अपने नाम की spelling भविष्य में मेरे सभी दस्तावेजों में Sukhvir की बजाये Sukhbir दर्ज की जाये ।

अपनी पीड़ा तो पशु-पक्षी भी महसूस करते हैं, मनुष्य वह है जो दूसरों की वेदना को अनुभव करे।

-रसनिधि

संपादकीय

नशे का जाल और गिरती साख

देवभूमि हिमाचल आज एक ऐसे संकट से जूझ रही है, जो धीरे-धीरे उसकी सामाजिक संरचना को खोखला कर रही है। यह संकट है नशे का, जो अब केवल सीमित वर्ग तक नहीं रहा, बल्कि सभ्रांत परिवारों से होता हुआ पुलिस महकमे तक अपनी जड़ें जमा चुका है। चिट्टा और लाइसर्जिक एसिड डाइथाइलमाइड (एलएसडी) जैसे महंगे और खतरनाक नशों का बढ़ता प्रचलन इस बात का प्रमाण है कि यह समस्या अब गहरी और संगठित रूप ले चुकी है। आम तौर पर यह माना जाता है कि महंगे नशे गरीब वर्ग की पहुंच से बाहर होते हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि जो युवा एक बार इनके चंगुल में फंस जाते हैं, वे जल्द ही अपनी आर्थिक स्थिति खो बैठते हैं। नशा व्यक्ति को न केवल आर्थिक रूप से, बल्कि मानसिक और सामाजिक रूप से भी बर्बाद कर देता है। परिवार टूटते हैं, भविष्य अंधकारमय हो जाता है और समाज में अपराध बढ़ने लगते हैं। ऐसे में नशे का यह फैलता जाल हिमाचल जैसे शांत प्रदेश के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

हाल ही में सामने आया एलएसडी तस्करी का मामला इस समस्या की भयावहता को और उजागर करता है। 19 मार्च को स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के चार जवानों की गिरफ्तारी ने पूरे पुलिस तंत्र की साख पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिनके कंधों पर नशा तस्करी रोकने की जिम्मेदारी है, यदि वही इस अवैध कारोबार में शामिल पाए जाएं, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक हो जाती है। 'जब बाड़ ही खेत को खाने लगे, तो उसकी रखवाली कौन करेगा'-यह कहावत यहां पूरी तरह सटीक बैठती है। इस मामले में केरलम के तस्कर नेविल हैरिसन के पास से भारी मात्रा में एलएसडी और एमडीएमए बरामद किया गया।

जांच में सामने आया कि कुछ पुलिसकर्मियों ने इस मादक पदार्थ को अपने पास रख लिया और बाद में इसका हिस्सा आगे बेच दिया। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि वर्दी के सम्मान और कर्तव्य का भी घोर अपमान है। करोड़ों रुपए की इस खेप में हिस्सेदारी की लालच ने उन्हें अपने ईमान से समझौता करने पर मजबूर कर दिया। यह घटना कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े करती है। क्या पुलिसकर्मियों को मिलने वाला वेतन इतना कम है कि वे इस तरह के अवैध रास्तों की ओर आकर्षित हो रहे हैं? या फिर यह लालच और आसान पैसे की चाह का परिणाम है? एक संभावना यह भी है कि कुछ लोग पहले से ही इस नेटवर्क का हिस्सा हों और नौकरी केवल एक आवरण के रूप में इस्तेमाल कर रहे हों। इन सभी पहलुओं की निष्पक्ष और गहन जांच आवश्यक है।

हिमाचल सरकार द्वारा चिट्टे के खिलाफ चलाया जा रहा महाअभियान निश्चित रूप से सराहनीय है। इस अभियान के तहत अब तक 15 पुलिस कर्मचारियों को बर्खास्त किया जा चुका है और 100 से अधिक सरकारी कर्मचारी जांच के दायरे में हैं। इसके अलावा, पिछले छह महीनों में 90 से अधिक कुख्यात तस्करों को हिरासत में लिया गया है। एनडीपीएस एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई करते हुए सरकार तस्करों के आर्थिक नेटवर्क को भी तोड़ने का प्रयास कर रही है, जिसमें उनकी संपत्तियों की जब्ती शामिल है।

सरकार द्वारा पंचायतों को रेड, येलो और ग्रीन श्रेणियों में बांटने का निर्णय भी एक अभिनव पहल है। इससे यह पहचानने में मदद मिलेगी कि किन क्षेत्रों में नशे का प्रचलन अधिक है और वहां विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। साथ ही, नशा तस्करी में संलिप्त लोगों को पंचायत चुनाव लड़ने से रोकने का प्रस्ताव भी एक मजबूत संदेश देता है कि सरकार इस मुद्दे पर किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतने वाली। हालांकि, इन सभी प्रयासों के बावजूद सबसे बड़ी चुनौती पुलिस तंत्र की विश्वसनीयता को बहाल करना है। जब तक पुलिस विभाग के भीतर पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिकता सुनिश्चित नहीं की जाएगी, तब तक नशे के खिलाफ कोई भी अभियान पूरी तरह सफल नहीं हो सकता। जरूरत है कि विभाग के अंदर सख्त निगरानी व्यवस्था लागू की जाए, भ्रष्ट तत्वों के खिलाफ त्वरित और कठोर कार्रवाई हो, और ईमानदार अधिकारियों को प्रोत्साहित किया जाए। इसके साथ ही समाज की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। नशे के खिलाफ लड़ाई केवल सरकार या पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। परिवारों को अपने बच्चों के प्रति जागरूक और सतर्क रहना होगा। शिक्षा संस्थानों को नशा विरोधी जागरूकता अभियान चलाने होंगे और युवाओं को सही दिशा में प्रेरित करना होगा। ■

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र | **आज की प्रमुख हस्ती**

भारत के प्रसिद्ध साहित्यसेवी व राष्ट्रकर्मी

हरिभाऊ उपाध्याय भारत के प्रसिद्ध साहित्यसेवी, राष्ट्रकर्मी और स्वतंत्रता सेनानी थे। उनका जन्म मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले के भवरासा में 24 मार्च, 1892 में हुआ। औपचारिक उच्च शिक्षा सीमित होने के बावजूद उनमें साहित्य सृजन की अद्भुत प्रतिभा जन्मजात थी।

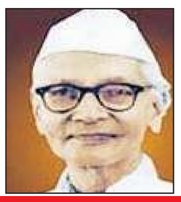

हरिभाऊ उपाध्याय
जन्म : 24 मार्च, 1892
मृत्यु : 25 अगस्त, 1972

उनके सार्वजनिक जीवन की शुरुआत साहित्य सेवा से हुई। उन्होंने 1911 में 'औदुंबर' मासिक पत्र का संपादन किया। 1915 में वे महावीरप्रसाद द्विवेदी के संपर्क में आए और 'सरस्वती' पत्रिका से जुड़े। इसके बाद उन्होंने गणेशशंकर विद्यार्थी के 'प्रताप', 'हिंदी नवजीवन' और 'प्रभा' जैसे पत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। 1922 में 'मालव मयूर' पत्र निकालने का प्रयास भी किया, यद्यपि वह अधिक समय तक नहीं चल सका।

गांधीवादी विचारों से प्रभावित होकर वे स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय हुए और कई बार जेल गए। स्वतंत्रता के बाद वे अजमेर के मुख्यमंत्री बने तथा बाद में मोहनलाल सुखाड़िया के आग्रह पर राजस्थान सरकार में वित्त एवं शिक्षामंत्री के रूप में भी कार्य किया। वे राजस्थान साहित्य अकादमी के अध्यक्ष भी रहे और महिला शिक्षा सदन, हटूंडी तथा सस्ता साहित्य मंडल की स्थापना की। उनकी प्रमुख कृतियों में बापू के आश्रम में, सर्वोदय की बुनियाद, साधना के पथ पर, दूर्वादल आदि शामिल हैं। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू की आत्मकथा 'मेरी कहानी' तथा अन्य ग्रंथों का हिंदी अनुवाद भी किया। उनकी भाषा सरल, प्रवाहपूर्ण खड़ी बोली थी। 25 अगस्त 1972 को उनका निधन हुआ। वे साहित्य और राष्ट्रसेवा के क्षेत्र में आज भी प्रेरणास्रोत हैं। ■

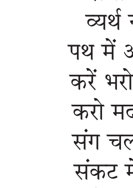

कविता

सेवा ही सच्ची पूजा है

शिव राज सन्याल, गांव मकड़ाहन जवाली, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

सेवा ही सच्ची पूजा है, मन इस में सदा लगाना।
व्यर्थ न जाए जीवन तेरा, फर्ज सदा यही निभाना।
पथ में अंधा जो दिख जाए, हाथ पकड़ के ले चलना।
करें भरोसा जो तुम पर है, लोभ कपट में मत छलना।
करो मदद तुम बीमारी में, निज धन अपना देकर के।
संग चलो तुम बनो सहायक, दर्द उसी का लेकर के।
संकट में पड़ता जो जन है, काम सदा उस के आना।
सेवा ही सच्ची पूजा है, मन इस में सदा लगाना।
जन सेवा ईश्वर की सेवा, इस से मुख तुम मोड़ों मत।
जो थाम लिया है हाथों में, साथ कभी तुम छोड़ो मत।
परोपकारी बन कर रहना, मुसीबत सदा ही सहना।
काम किसी के ही आकर, उपकार किया मत कहना।
दान दिया है दीन समझ के, भेद किसी को न बताना।
सेवा ही सच्ची पूजा है, मन इस में सदा लगाना।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

'जब समाज जागेगा, तभी क्षय रोग भागेगा'

चुनौतियों का सामना करके, फिर उनसे बेहतरीन अनुभव प्राप्त करना, शायद प्रतिकूल परिस्थितियों से ही यह सब सीखने को मिलता है, क्योंकि जहां परिस्थितियां ही अनुकूल होंगी, वहां चुनौतियां भी बस नाम मात्र होंगी। ऐसी ही प्रतिकूल परिस्थिति से आज हमारा देश भी जूझ रहा है। जी हां, क्षय रोग यानी 'टीबी' एक ऐसी गंभीर परिस्थिति अथवा बीमारी, जिसने अब तक कई देशवासियों के जहन में अपनी अमिट छाप छोड़ रखी है।

शिवालिक अवस्थी
शीला चौक, डा. सिद्धपुर, त. धर्मशाला, जिला कांगड़ा

हैरानी इस बात की है कि टीबी की दवा उपलब्ध होने के बाबजूद, आज हमारे देश में स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। अब आप सोच रहे होंगे, टीबी और वह भी ज्यादा खतरनाक, यह कैसे संभव है?

तो आपको बता दें कि जिस बीमारी से लगभग हर तीन मिनट में एक रोगी की मृत्यु हो जाती हो, वह बीमारी ज्यादा भयावह होगी या कोई अन्य बीमारी? इस पर विचार आप स्वयं करें। कथन पर प्रकाश डालें तो यह निकलकर सामने आएगा कि जितना समय हमने इस लेख को पढ़ने में दिया, लगभग उस समय के अंतर्गत कहीं न कहीं किसी टीबी मरीज की मौत हो चुकी होगी। है न कितना भयावह? टीबी बीमारी के भयावह होने के शायद दो महत्वपूर्ण कारण हो सकते हैं: पहला-जानकारी का अभाव। और दूसरा-मरीज द्वारा दवाई के सेवन में लापरवाही। यहां बात अगर दूसरे कारण की करें, तो यह कारण मरीज के स्वयं पर ही निर्भर करता है, क्योंकि सतर्कता ही बचाव है। यदि कोई मरीज नियमित दवाई नहीं ले रहा है तो यह मरीज से ज्यादा चिंता का विषय समाज के लिए है। यह समाज के लिए खतरे का पहलू है। मरीज स्वस्थ तभी होगा यदि समय पर और नियमित रूप से दवाई का सेवन करेगा। इससे ज्यादा इस कारण पर चर्चा नहीं की जा सकती, लेकिन जो पहला कारण 'जानकारी का अभाव' है, यह एक गंभीर कारण माना जा सकता है और इसी कड़ी को महत्वपूर्ण मानते हुए सरकार एवं प्रशासन द्वारा टीबी बीमारी की रोकथाम हेतु कई महत्वपूर्ण प्रयास भी किए जा रहे हैं। और इन्हीं प्रयासों में से एक है, जन भागीदारी। जन भागीदारी के माध्यम से समाज का कोई भी व्यक्ति टीबी के प्रति जागरूकता लाने में अपने समाज के प्रति एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसमें गांव के प्रधान से लेकर गांव का एक आम नागरिक तक शामिल है। स्वास्थ्य विभाग की बात करें तो विभिन्न पदों पर कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी जैसे जिला

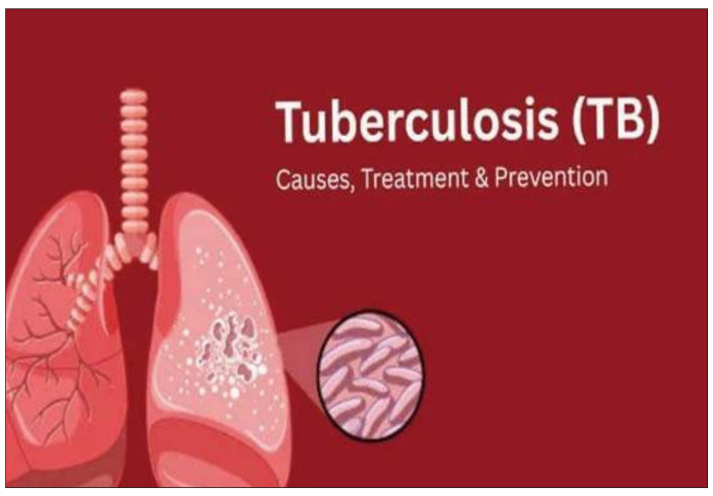

टीबी अधिकारी, एसटीएस, एसटीएलएस, एलटी, कॉर्डिनेटर, टीबी एचबी व आशा आदि टीबी की रोकथाम हेतु नियनित रूप से अपनी अपनी सेवाएं प्रदान करते नजर आ रहे हैं। आशा वर्कर्स द्वारा तो घर-घर जाकर लोगों से बातचीत करके, टीबी बीमारी के प्रति समाज को जागरूक करना, निश्चित रूप से एक सराहनीय कार्य है। एक दौर में, जहां लोग टीबी मरीजों के घर में आने-जाने से भी कतराते थे वहां स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों द्वारा सतर्कता बरतते हुए पूरी निष्ठा के साथ टीबी रोगी के प्रति सहानुभूति प्रदान कर जागरूकता का अलख जगाया जा रहा है।

इसी भूमिका को निरंतर बढ़ाते हुए आज भी स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत आशा वर्कर्स द्वारा टीबी के लक्षणों के बारे में सभी से गहनता से पूछताछ करने के उपरांत, संदिग्ध मरीजों के सैंपल इक्ट्ठा करके, उन सैंपलों को नजदीक के टीबी जांच प्रयोगशाला तक पहुंचाया जाता है।

जहां सोच बदलती है, वहीं से हमारा समाज बदलता है और यही बदलाव हमारे समाज को परिवर्तित कर, नई दिशा प्रदान करते हैं। इसी के अंतर्गत नई दिशा प्रदान करते हुए कई प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा प्रयत्न किए जा रहे हैं, जिसके फलस्वरूप क्षय रोग के प्रति हमारा समाज और भी प्रबुद्ध बन सके।

विश्व क्षय रोग दिवस पूरे विश्व में जागरूकता के उद्देश्य से मनाया जाता है। यह केवल एक दिवस नहीं, बल्कि समाज को टीबी जैसी गंभीर बीमारी के प्रति सचेत करने का एक सशक्त अभियान है। इस दिन विभिन्न गतिविधियों जैसे कार्यशालाएं, रैलियां, फेस पेंटिंग और आकाशवाणी व सामुदायिक रेडियो के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाता है।

क्षमता निर्माण इस अभियान का एक महत्वपूर्ण पहलू है, जिसके अंतर्गत व्यक्तियों को इस प्रकार प्रशिक्षित किया जाता है कि वे स्वयं समाज में जागरूकता फैलाने में सक्षम बन सकें। युवा वर्ग फेस पेंटिंग और रैलियों के माध्यम से लोगों को आकर्षित कर महत्वपूर्ण संदेश देने में विशेष भूमिका निभाता है। वहीं, रेडियो प्रसारण के जरिए दूर-दराज के क्षेत्रों तक भी जागरूकता पहुंचाई जाती है।

टीबी के प्रमुख लक्षणों में दो सप्ताह से अधिक समय तक खांसी, लगातार या शाम को बुखार, रात में पसीना आना, वजन कम होना, छाती में दर्द तथा बलगम में खून आना शामिल हैं। इन लक्षणों के दिखने पर तुरंत जांच कराना और डॉक्टर से परामर्श लेना आवश्यक है, क्योंकि समय पर उपचार ही बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। सरकार और समाज के संयुक्त प्रयासों से टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। आइए, हम सभी इस जनभागीदारी अभियान का हिस्सा बनें और टीबी जैसी बीमारी के उन्मूलन में अपना योगदान दें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

जीवन की ये लड़ाइयां और फिर... 'अंतिम निर्णायक युद्ध'

जीवन में हर प्रकार की परीक्षा और चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए। भलाई, सत्य, नेकी और ईमानदारी को हर युग में कठिन परीक्षा देनी पड़ती है। इतिहास साक्षी है कि चाहे नकारात्मक या आसुरी शक्तियां कितनी भी प्रबल क्यों न दिखें, अंततः विजय सत्य, धर्म और सकारात्मकता की ही होती है।

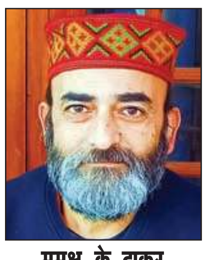

मुमुक्षु के. ठाकुर
मोहल्ला ओबड़ी, चंबा
मो. 98162-80840

ये देखना, जान लेना अत्यंत आवश्यक है कि किन लोगों ने, किन परिस्थितियों में सरकारी भूमि पर कब्जा और अवैध निर्माण किया है? और अब क्या-क्या कर रहे हैं?

हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी भूमि पर हुए अवैध अतिक्रमण (विशेषकर शहरी/म्युनिसिपल काउंसिल क्षेत्र) को नियमित करने के लिए कभी कोई प्रयास नहीं किया जाना चाहिए, भूलकर भी नहीं, ये अत्यंत ही चिंता, कष्ट और खेद का विषय बन जाएगा। निर्धन, लाचार, असहाय, जरूरतमंद किसानों के मामले में तो अवश्य ही विचार किया जा सकता है, लेकिन प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में भी हजारों अपराधी प्रवृत्ति के लोगों ने सरकारी भूमि पर सर्वथा अवैध कब्जे और निर्माण कर रखे हैं।

दुष्ट लोगों को कानून, सरकार, संविधान का कोई भी भय नहीं है। कुछ लोग इन बदमाशों को सलाह भी देते हैं, उकसाते हैं, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से खूब सिखाते हैं कि कानून व सरकारी नियमों को धोखा देकर कब, कैसे, कहां, क्या करना है? पता नहीं, ऐसे सलाहकारों को ये सब करने में इन बदमाश, अवैध कब्जाधारियों से क्या फायदा और लाभ होता है? इस विषय में मेरे पास बीसियों सबूत हैं कि पचासों बार लिखित शिकायत, ई-मेल व सोशल मीडिया के माध्यम से भी करने के बावजूद इन मामलों में लगभग शून्य प्रतिशत ही कार्रवाई की जाती है। ये इतना गंभीर, गहन और महत्वपूर्ण विषय है कि शिकायत करने पर

मुझे भारत सरकार के माननीय गृह मंत्रालय, कानून व न्याय मंत्रालय भारत सरकार की ओर से भी उत्तर में एक सकारात्मक,शुभ, मार्गदर्शक, लिखित/मुद्रित पत्र भी प्राप्त हुआ है। इन तमाम हालात और समस्त परिस्थितियों को देखते हुए भी यदि घोर असामाजिक, दुष्ट तत्वों को सरकारी यानी हम सभी की भूमि दान कर दी गई, तो यकीन मानिए, प्रदेश, समाज, देश के सभी सभ्य, सुसंस्कृत नागरिकों के लिए अत्यंत ही पीड़ा और भयंकर अफसोस वाली 'दुर्घटना' हो जाएगी। अवैध निर्माण और सरकारी भूमि पर हुए अतिक्रमण को सरकार और संबंधित प्राधिकरण द्वारा शीघ्र ही कानूनी रूप से बुलडोजर द्वारा हटाने के विशिष्ट और महत्वपूर्ण लाभ भी हैं। ऐसा करने से बहुत सारे आसमाजिक और दुष्ट लोगों को अच्छा सबक मिलता है। इन हालात में कुछ सौ बदमाश लोगों को ही कष्ट मिल सकता है पर, हजारों बदमाशों में संविधान और कानून का भय व्याप्त होता है। परिणाम स्वरूप लाखों सभ्य, सुसंस्कृत, शरीफ नागरिक चैन, अमन, सुख शांति की जिंदगी जी पाते हैं। हिमाचल प्रदेश सरकार को चाहिए कि इस अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर गहन जांच-पड़ताल कर विवेकपूर्ण और निष्पक्ष कार्रवाई करे। सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण केवल कानूनी नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय से भी जुड़ा मुद्दा है। यदि कोई पत्रकार ऐसे अतिक्रमणों को उजागर करता है और उसके विरुद्ध असामाजिक तत्व झूठी शिकायतें व गवाह प्रस्तुत करते हैं, तो यह गंभीर चिंता का विषय है। ऐसे मामलों में सत्य की पहचान के लिए निष्पक्ष और ठोस जांच आवश्यक है।

हालांकि, नारको टेस्ट, पॉलीग्राफ या लाई डिटेक्टर जैसे उपायों को अनिवार्य बनाना कानूनी दृष्टि से जटिल है और इन्हें केवल स्थापित विधिक प्रक्रिया के तहत ही अपनाया जा सकता है। जीवन की परिस्थितियां स्थायी नहीं होतीं। चुनौतियां और संघर्ष ही जीवन को सार्थक बनाते हैं। संभव है कि हम कुछ लड़ाइयां हार जाएं, लेकिन यदि हम सत्य, ईमानदारी और धैर्य के साथ आगे बढ़ते रहें, तो अंतिम और निर्णायक विजय निश्चित रूप से हमारी ही होगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

स्वतंत्रता संग्राम : क्रांतिकारियों और मुख्यधारा के नेतृत्व के बीच संतुलित दृष्टि

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम केवल एक आंदोलन नहीं था, बल्कि यह अनेक विचारधाराओं, रणनीतियों और त्याग की परंपराओं का संगम था।

हरिराम धीमान
स्वतंत्र लेखक, नालागढ़
मोबाइल 9805822852

एक ओर महात्मा गांधी के नेतृत्व में अहिंसा और सत्याग्रह पर आधारित जनांदोलन चल रहा था, वहीं दूसरी ओर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां और बटुकेश्वर दत्त जैसे क्रांतिकारी सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से ब्रिटिश सत्ता को चुनौती दे रहे थे। इन दोनों धाराओं ने अपने-अपने तरीके से स्वतंत्रता प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भगत सिंह भारतीय युवाओं के लिए साहस, त्याग और वैचारिक स्पष्टता के प्रतीक हैं। 1928 में लाला लाजपत राय की मृत्यु के बाद उन्होंने राजगुरु और सुखदेव के साथ मिलकर सांडर्स की हत्या की, जिसे वे अन्याय के प्रतिकार के रूप में देखते थे। 1929 में बटुकेश्वर दत्त के साथ केंद्रीय असेंबली में बम फेंककर उन्होंने 'इंकलाब जिंदाबाद' का नारा बुलंद किया। यह कदम प्रतीकात्मक था, जिसका उद्देश्य जनचेतना जगाना था, न कि जनहानि करना।

एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह उठता है कि जब इन क्रांतिकारियों पर मुकदमा चल रहा था, तब मोतीलाल नेहरू, जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी जैसे प्रभावशाली नेताओं ने उनके बचाव में कितनी सक्रिय भूमिका निभाई। इस विषय पर इतिहासकारों के मत भिन्न हैं। कुछ मानते हैं कि राजनीतिक परिस्थितियां सीमित थीं और प्रत्यक्ष हस्तक्षेप आसान नहीं था, जबकि अन्य का विचार है कि अधिक ठोस प्रयास किए जा सकते थे।

23 मार्च 1931 को भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी दे दी गई। यह

घटना पूरे देश के लिए भावनात्मक और राजनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण थी और इसने स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी। स्वतंत्रता के बाद भी कई क्रांतिकारियों को अपेक्षित सम्मान और सुविधाएं नहीं मिल सकीं।

बटुकेश्वर दत्त ने लंबे समय तक आर्थिक कठिनाइयों का सामना किया। इसी प्रकार दुर्गा भाभी और बीना दास जैसे अनेक नाम हैं, जिनका योगदान लंबे समय तक सीमित रूप में ही सामने आया। कुछ आलोचकों का मत है कि स्वतंत्रता के बाद इतिहास लेखन में अहिंसात्मक आंदोलन और कांग्रेस नेतृत्व को अधिक प्रमुखता दी गई, जबकि क्रांतिकारी धारा अपेक्षाकृत कम उजागर हुई।

वहीं दूसरी ओर, यह भी तर्क दिया जाता है कि इतिहास की प्रस्तुति समय, संदर्भ और उपलब्ध स्रोतों के आधार पर विकसित होती है, और अब नए शोध इन पहलुओं को अधिक संतुलित रूप से सामने ला रहे हैं। भगत सिंह की विचारधारा केवल राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं थी; वे सामाजिक न्याय, समानता और शोषणमुक्त समाज के पक्षधर थे। उनके लेखन और विचार आज भी युवाओं को प्रेरित करते हैं और समकालीन विमर्श में प्रासंगिक बने हुए हैं।

आज जब विभिन्न राजनीतिक दल इन महान क्रांतिकारियों की विरासत को अपने-अपने दृष्टिकोण से प्रस्तुत करते हैं, तब यह आवश्यक हो जाता है कि हम इतिहास को निष्पक्षता और व्यापकता के साथ समझें। किसी भी महापुरुष का सम्मान केवल उनके नाम का उपयोग करने से नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को अपनाने से होता है। यह कहना उचित होगा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम केवल किसी एक दल या विचारधारा का परिणाम नहीं था। यह लाखों लोगों के त्याग, बलिदान और संघर्ष का परिणाम था। इसमें गांधी के अहिंसात्मक आंदोलन का भी योगदान था और भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों के साहस और बलिदान का भी। इसलिए आवश्यक है कि हम इतिहास को किसी राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय समग्र और निष्पक्ष दृष्टि से देखें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कुंडलिनी जागरण और मां दुर्गा साधना का आध्यात्मिक रहस्य

कुंडलिनी जागरण और मां के नवरात्र का संबंध भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में अत्यंत गूढ़, सूक्ष्म और दिव्य अनुभवों से जुड़ा हुआ है। नवरात्र केवल बाह्य पूजा, व्रत और अनुष्ठानों का पर्व नहीं है, बल्कि यह आत्मशक्ति के जागरण और अंतर्मन की साधना का भी एक महत्वपूर्ण अवसर माना जाता है।

संदीप डोगरा (निर्भीक)
(करनघाट,जयसिंहपुर),निजी सचिव टांडा कॉलेज, मो.94180-21495

'कुंडलिनी' को योगशास्त्रों में वह सुप्त दिव्य शक्ति कहा गया है, जो मानव शरीर के मूलाधार चक्र में सर्पाकार कुंडली मारे हुए विराजमान रहती है। जब साधक उचित साधना, संयम, भक्ति और ध्यान के माध्यम से इस शक्ति को जागृत करता है, तब उसका आध्यात्मिक उत्थान आरंभ होता है।

नवरात्र में मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा वास्तव में साधक के भीतर स्थित नौ प्रकार की शक्तियों और चेतनाओं के जागरण का प्रतीक है। प्रत्येक दिन की साधना शरीर के एक-एक चक्र को शुद्ध और सक्रिय करने की दिशा में अग्रसर करती है। इस प्रकार नवरात्र और कुंडलिनी जागरण का संबंध बाहरी अनुष्ठानों से अधिक आंतरिक साधना से जुड़ा हुआ है। जब साधक श्रद्धा और नियमपूर्वक जप, ध्यान, ब्रह्मचर्य और सात्विक जीवन अपनाता है, तब उसकी कुंडलिनी शक्ति धीरे-धीरे जागृत होकर ऊपर की ओर चक्रों को भेदती हुई सहस्त्रार तक पहुंचने लगती है।

माता रानी के 'दर्शन' का तात्पर्य केवल भौतिक रूप में देवी के साक्षात प्रकट होने से नहीं है, बल्कि यह एक गहन आध्यात्मिक अनुभूति है। जब कुंडलिनी शक्ति अनाहत (हृदय) चक्र या आज्ञा चक्र तक पहुंचती है, तब साधक को दिव्य प्रकाश, शांति, आनंद और कभी-कभी देवी के स्वरूप के दर्शन जैसी अनुभूतियां होने लगती हैं। यह अनुभव साधक की आंतरिक शुद्धता, भक्ति और साधना की गहराई पर निर्भर करता है। अतः यह कहना

उचित होगा कि किसी एक विशेष प्रकार की कुंडलिनी नहीं, बल्कि पूर्णतः जागृत और संतुलित कुंडलिनी ही मां के सच्चे दर्शन का मार्ग प्रशस्त करती है। 'अनाहद नाद' या 'अनहद ध्वनि' का अनुभव भी कुंडलिनी जागरण की एक महत्वपूर्ण अवस्था मानी जाती है।

जब साधक की कुंडलिनी विशुद्ध चक्र या उससे ऊपर के स्तरों तक पहुंचती है, तब उसे भीतर सूक्ष्म ध्वनियां सुनाई देने लगती हैं जैसे घंटी, वीणा, शंख या मधुर संगीत की ध्वनि। इसे 'अनाहद नाद' कहा जाता है, जिसका अर्थ है-बिना किसी बाहरी आघात के उत्पन्न होने वाली ध्वनि। यह ध्वनि साधक के अंतर्मन की गहराइयों में उत्पन्न होती है और उसे ध्यान की उच्च अवस्थाओं में स्थिर करने में सहायक होती है।

हालांकि, यह भी समझना आवश्यक है कि कुंडलिनी जागरण कोई सरल या केवल इच्छा मात्र से प्राप्त होने वाली प्रक्रिया नहीं है। इसके लिए गुरु का मार्गदर्शन, नियमित साधना, संयमित जीवनशैली और मानसिक शुद्धता अत्यंत आवश्यक है। बिना उचित मार्गदर्शन के कुंडलिनी साधना करने से मानसिक और शारीरिक असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है।

अंततः, नवरात्र का सच्चा संदेश यही है कि हम अपने भीतर स्थित दिव्य शक्ति को पहचानें और उसे जागृत करें। मां दुर्गा की आराधना केवल बाहरी पूजा तक सीमित न रहकर, आंतरिक साधना का रूप ले, तभी कुंडलिनी जागरण और देवी के साक्षात्कार का वास्तविक अनुभव संभव हो पाता है। यही आत्मजागरण और ईश्वर से एकत्व की दिशा में पहला कदम है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

चलोटीधार की ऊंचाइयों पर विराजती सुरगणी माता

'बारिश की देवी' के रूप में पूजनीय माता के मंदिर में वर्षभर लगा रहता है श्रद्धालुओं का आना-जाना

अनंत ज्ञान

अभिषेक शर्मा, जोगिंद्रनगर। पांचवें चैत्र नवरात्रि में उपमंडल जोगिंद्रनगर के अंतर्गत चलोटीधार की ऊंची पहाड़ी पर स्थित सुरगणी माता का भव्य एवं प्राचीन मंदिर क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थलों में अपनी विशेष पहचान रखता है। 'बारिश की देवी' के रूप में पूजनीय माता सुरगणी के इस मंदिर में वर्षभर श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है। प्राकृतिक सुंदरता से घिरे इस पवित्र स्थल पर पहुंचकर भक्त न केवल आध्यात्मिक शांति का अनुभव करते हैं, बल्कि अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए माता का आशीर्वाद भी प्राप्त करते हैं।

बताया जाता है कि प्राचीन समय में त्रैम्बली पंचायत के डूग गांव के समीप स्थित गुफाओं में एक महात्मा निवास करते थे। उनके साथ गद्दी समुदाय के लोग और एक बालक भी रहता था। एक दिन उस बालक को स्वप्न में संकेत मिला कि महात्मा उसे बुला रहे हैं।स्वप्न के अनुसार जब बालक महात्मा के पास पहुंचा, तो महात्मा ने पहाड़ी से एक चिमटा नीचे गिराया और उसे लाने के लिए कहा। बालक जैसे ही चिमटा लेकर वापस लौटा और ऊपर पहाड़ी की ओर देखा, तो उसने एक चमत्कारी दृश्य देखा। रात का समय होते हुए भी वहां दिन जैसा प्रकाश फैला हुआ था और पहाड़ी पर लाल साड़ी में सजी तीन दिव्य देवियां प्रकट हुईं। यह दृश्य देखकर बालक आश्चर्यचकित रह गया। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार ये तीनों देवियां सुरगणी माता, भभोरी माता और चतुर्भुजा माता के स्वरूप थीं। उसी स्थान के समीप उनके चरणों के निशान भी दिखाई दिए, जो आज भी श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र बने हुए हैं।

चलोटीधार की पहाड़ियों के बीच स्थित यह मंदिर चारों ओर से हरियाली और शांत वातावरण से घिरा हुआ है। यहां पहुंचने पर श्रद्धालुओं को एक अलग ही आध्यात्मिक अनुभूति होती है। मंदिर परिसर से आसपास के प्राकृतिक दृश्यों का मनोरम नजारा भी देखने को मिलता है, जो इसे धार्मिक के साथ-साथ पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बनाता है।

सुरगणी माता मंदिर प्रबंधन कमेटी के सचिव राकेश राणा ने बताया कि यह मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टि से बल्कि ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

माता के चरण चिन्ह आज भी हैं आस्था का प्रतीक

मंदिर से लगभग आधा किलोमीटर की दूरी पर स्थित माता के चरण चिन्ह आज भी मौजूद हैं। स्थानीय बुजुर्गों का मानना है कि जब इस संसार में सत्य और धर्म का बोलबाला था, तब माता सुरगणी स्वयं इस क्षेत्र में विचरण करती थीं और ये चरण चिन्ह उसी दिव्य उपस्थिति के प्रमाण हैं। श्रद्धालु इन पवित्र निशानों के दर्शन कर स्वयं को धन्य मानते हैं।

एसपीएस स्कूल का परिणाम शत-प्रतिशत

कई छात्रों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त कर बढ़ाया विद्यालय का गौरव

अनंत ज्ञान

एसपीएस स्कूल के होनहारों को सम्मानित करते हुए। अनंत ज्ञान

सरकाघाट। एसपीएस इंटरनेशनल स्कूल, चांदेश ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। विद्यालय का कुल परिणाम शानदार रहा, जिसमें लगभग 100 प्रतिशत विद्यार्थी सफल हुए। कई छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इस अवसर पर स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रेमचंद ठाकुर ने अभिभावकों और छात्रों का आभार व्यक्त किया और विद्यालय के सर्वांगीण विकास व शैक्षणिक योजनाओं की जानकारी दी।

कक्षा 1 में युगांशी शर्मा (98.4%) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, अन्वी ठाकुर (97.6%) द्वितीय और नव्या शर्मा एवं नावांग शर्मा (96.6%) तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा 2 में लव्यांशी शर्मा और विहान कुमार (99%) ने प्रथम, अमायरा गुलेरिया एवं गौरी अत्री (97.4%) द्वितीय और आराध्या, आराध्या एवं कुमारी आरोही (95.8%) तृतीय स्थान प्राप्त किए।

कक्षा 3 में यक्षित अत्री ने 99.6% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। काव्यांश, रुहानी एवं कनिष्का (96.6%) द्वितीय और अर्नव ठाकुर, पारिधि एवं सुकृति (94%) तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा 4 में अरमान मंडयाल (97.2%) ने प्रथम, मोहित शर्मा (95.2%) द्वितीय और वैभव ठाकुर एवं नक्श (93.6% एवं 93.2%) तृतीय स्थान प्राप्त किए।

कक्षा 5 में अर्पित शर्मा एवं शौर्य शर्मा (96.6%) प्रथम, अक्षत जायसवाल (87.6%) द्वितीय और आर्यन जायसवाल (83.8%) तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा 6 में अथर्व शर्मा (98.28%) प्रथम, आदित्य शर्मा (96%) द्वितीय और प्रेरणा शर्मा, आर्यांश एवं श्रद्धा (90.14%) तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा 7 में मिशेल (97%) प्रथम, दिवांश शर्मा एवं वैशाली (94%) द्वितीय और करण एवं कृष (90%) तृतीय स्थान पर रहे।

कक्षा 8 में अश्वनी शर्मा एवं अनुष्का अत्री (97.42%) प्रथम, श्रेया (92.28%) द्वितीय और दीपाली गुलेरिया (90.57%) तृतीय स्थान पर रहीं। प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार गौतम, अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार राणा, निदेशक पी.सी. ठाकुर और समाजसेवी पी.सी. जमवाल ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

न्यूज ब्रीफ

कल बिल जमा न किया तो कटेगा कनेक्शन

अनंत ज्ञान, पंडोह। विद्युत विभाग अब सख्त हो गया है। बिजली के बकाया बिल की अदायगी ना करने वालों के विद्युत कनेक्शन हमेशा के लिए कट सकते है। पंडोह उप मंडल के सहायक अभियंता संजय कुमार ने बताया कि पंड़ोह क्षेत्र के सभी उपभोक्ताओं से निवेदन किया है कि सभी 25 मार्च तक अपने बकाया बिल की आदयागी कर लें। अन्यथा आपके कनेक्शन कट जायेंगे। जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेदार होंगे।

मंडी में शहीदों के बलिदान पर डाला प्रकाशा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। मंडी में सरदार पटेल विश्वविद्यालय द्वारा शहीदी दिवस पर 'अमर बलिदानीः इतिहास के प्रेरणास्रोत' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम माण्डव्य छात्र अध्ययन मंडल व इतिहास एवं भौतिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी और प्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति ललित कुमार अवस्थी और अध्यक्ष कुलसचिव शशि पाल नेगी रहे। मुख्य वक्ता प्रो वीर सिंह रांगड़ा, भौतिकी विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला ने शहीदों के बलिदान और इतिहास से प्रेरणा लेने पर प्रकाश डाला। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. राजेश शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। कुलसचिव ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम हमारे गौरवशाली इतिहास को याद करने और प्रेरणा लेने का अवसर हैं।

शहीदी दिवस पर भगत सिंह को दी श्रद्धांजलि

अनंत ज्ञान, भीम बसेडू राजपूत, महादेव। महादेव में सोमवार को शहीदी दिवस के अवसर पर श्री राम हनुमान मंदिर प्रांगण में देश के वीर सपूत शहीद-ए-आजम भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान समाजसेवी स्वामी राणा ने बताया कि शहीद भगत सिंह कमेटी द्वारा ग्राम पंचायत महादेव के पूर्व प्रधान पदम सिंह की अगुवाई में कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपस्थित लोगों ने शहीदों की तस्वीरों के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित की और नतमस्तक होकर उन्हें याद किया। कार्यक्रम में कमेटी के प्रधान देवेंद्र ठाकुर, सचिव विरेंद्र ठाकुर और मिलाप सिपहिया सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

छाणंग स्कूल में बच्चों ने लगाए गोल्डन रेन के पौधे

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। मंडी जिले के शिक्षा खंड द्रंग-1 की राजकीय प्राथमिक पाठशाला छाणंग में बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण की अनूठी मिसाल पेश की। स्कूल प्रबंधन समिति की पहल पर वन विभाग की हराबाग नर्सरी से लाए गए गोल्डन रेन के 20 पौधे सोमवार को बच्चों ने शिक्षक प्यार चंद सकलानी के नेतृत्व में स्कूल परिसर में रोपे। इससे पहले भी छात्र-छात्राओं ने विभिन्न पौधे क्यारियों में लगाए थे। शिक्षक सकलानी ने बताया कि गोल्डन रेन के पौधे छायादार होने के साथ सुंदर फूलों से वातावरण को महकाते हैं, जिससे बच्चों को गर्मी में ठंडी छाया मिलेगी। उन्होंने पौधे उपलब्ध करवाने के लिए वनरक्षक सपना ठाकुर और वन विभाग का आभार जताया। इस अवसर पर स्कूल प्रभारी शंकरदेव, योगराज और एसएमसी सदस्य निशा ठाकुर भी उपस्थित रहीं।

मंडी में सीजीएचएस वेलनेस सेंटर को मंजूरी

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। केंद्र सरकार ने मंडी में लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करते हुए सीजीएचएस वेलनेस सेंटर खोलने को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से सेवानिवृत्त पैरामिलिट्री कर्मियों, अधिकारियों और अन्य केंद्रीय कर्मचारियों में खुशी की लहर है। यह सुविधा मिलने से मंडी, बिलासपुर, हमीरपुर, कुल्लू और लाहौल-स्पीति जिलों के हजारों लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी और उन्हें दूरदराज इलाज के लिए नहीं जाना पड़ेगा। संगठन के प्रदेश महासचिव ज्ञान ठाकुर और मीडिया प्रभारी विजय ठाकुर ने इसे बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और सांसद कंगना रनौत सहित केंद्र सरकार का आभार जताया। सेवानिवृत्त कमांडेंट बलबीर सिंह सस्वाल सहित कई सदस्यों ने फैसले का स्वागत किया।

विकलांगों ने मांगी एक समान पेंशन

अनंत ज्ञान, मंडी। हिमालयन दिव्यांग कल्याण एसोसिएशन की मासिक बैठक जिला अध्यक्ष हेमलता पठानियां की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक के बाद जिला सचिव भारती राणा द्वारा जारी विज्ञप्ति में मांग की गई है कि सभी दिव्यांगों को एक समान पेंशन प्रदान की जाए। दूसरे प्रस्ताव में पुलिस अधीक्षक कार्यालय की लिफ्ट को सुचारू रूप से चलने की मांग की गई है। लिफ्ट के बंद रहते दिव्यांग व वृद्ध जनों को आर्य समस्या का निराकरण करने की मांग की गई है। एक अन्य प्रस्ताव में हिमाचल प्रदेश में भी हिम बस कार्ड की जगह पूरे देश की तरह यूडीआईडी कार्ड को ही मान्यता प्रदान करने की मांग की गई है।इसके अलावा उपायुक्त कार्यालय परिसर में दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए शौचालय बनाने की मांग की गई है।

कराटे, जूडो व किक बॉक्सिंग में किया अभ्यास

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। सरकाघाट में 18 मार्च से 22 मार्च तक एमआईएस कर्णा फाउंडेशन द्वारा मार्शल आर्ट अकैडमी में पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कराटे, जूडो, वूशु और किकबॉक्सिंग की विधाओं का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें 18 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स से प्रमाणित वूशु कोच रोहित राणा और अंतरराष्ट्रीय किकबॉक्सिंग रेफरी मोहित राणा ने प्रशिक्षक के रूप में मार्गदर्शन किया। समापन समारोह में वरिष्ठ अधिवक्ता अरुण कुमार मुख्य अतिथि रहे। पुरुष वर्ग में जैस, सब-जूनियर में प्रणव चौहान और महिला वर्ग में राधिका शर्मा को सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु चुना गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और मोमेंटो प्रदान किए गए। अकैडमी युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रतिभा विकसित करने का मंच प्रदान करती रही है।

सुक्खू के बजट प्रस्तावों पर बिफरे महाविद्यालय शिक्षक

अनंत ज्ञान

◆ राजकीय महाविद्यालय प्राध्यापक संघ ने वेतन कटौती का किया विरोध

मंडी। राजकीय महाविद्यालय प्राध्यापक संघ ने प्रदेश सरकार द्वारा कर्मचारियों के वेतन में 3 प्रतिशत कटौती/स्थगन के निर्णय का कड़ा विरोध किया है और इसे तत्काल वापस लेने की मांग की है। संघ की ओर से प्रदेशाध्यक्ष बनिता सकलानी द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि यदि सरकार यह निर्णय वापस नहीं लेती, तो महाविद्यालय शिक्षक अपने अधिकार और सम्मान की रक्षा के लिए आंदोलन करने पर मजबूर होंगे। संघ का कहना है कि छह माह के लिए किया गया यह अस्थायी कदम राज्य की वित्तीय स्थिति में कोई विशेष सुधार नहीं लाएगा और इसके बजाय दीर्घकालिक और प्रभावी उपायों पर ध्यान देना चाहिए।

संघ ने सरकार की नीति की आलोचना करते हुए कहा कि पिछले 17 वर्षों से महाविद्यालय कैडर के शिक्षकों को करियर एडवांसमेंट स्कीम का कोई लाभ नहीं मिला है। इसके साथ ही कर्मचारियों को महंगाई भत्ता भी नहीं दिया गया, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और प्रभावित हुई है। संघ ने इस निर्णय को अन्यायपूर्ण और कर्मचारी विरोधी बताया और चेतावनी दी कि इस प्रकार के कदम भविष्य में कर्मचारियों पर दबाव डालने की गलत परंपरा स्थापित कर सकते हैं। इसके अलावा, संघ ने उच्च शिक्षा से जुड़े प्रस्तावों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि नए पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना में शिक्षकों की भर्ती और उनके वेतन का प्रबंध स्पष्ट नहीं है। कुछ महाविद्यालयों में बी.वाक कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव भी ठीक नहीं है, जबकि बीएड कोर्स पर विचार किया जाना चाहिए। संघ ने सरकार से अपील की है कि निर्णय तुरंत वापस लिया जाए और संबंधित पक्षों के साथ सार्थक संवाद स्थापित किया जाए, अन्यथा शिक्षक समुदाय लोकतांत्रिक आंदोलन तेज करने के लिए बाध्य होगा।

देवधुन संग सुकेत देवता मेले का आगाज

180 साल बाद देव नाग च्वासी सिद्ध की मौजूदगी से ऐतिहासिक बना मेला, आस्था में डूबा सुंदरनगर

अनंत ज्ञान

सुकेत देवता मेला पूजन के साथ शुरू। अनंत ज्ञान

उमेश भारद्वाज, सुंदरनगर। सुकेत राज्यस्तरीय सुकेत देवता मेला-2026 का शुभारंभ सोमवार को जवाहर पार्क में पारंपरिक देवधुन के साथ भव्य रूप से हुआ। आस्था और संस्कृति के इस महाकुंभ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर हिमाचल पर्यटन विभाग के अध्यक्ष रघुवीर सिंह बाली ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। जबकि उनके साथ पूर्व सीपीएस सोहनलाल ठाकुर भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत सुंदरनगर की ऐतिहासिक शुकदेव वाटिका में देवी-देवताओं की विधिवत पूजा-अर्चना से हुई। इसके बाद जवाहर पार्क तक भव्य जलेब निकाली गई, जिसमें पारंपरिक वाद्ययंत्रों और लोक संस्कृति की झलक देखने को मिली। इस जलेब में देव श्री मूल माहूनाग, बड़ादेव कमरूनाग, देव महासु, देव बड़ेयोगी, देवी कामाक्षा जैदेवी सहित कई प्रमुख देवी-देवता शामिल हुए। खास बात यह रही कि लगभग 180 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद गढ़पति देव नाग च्वासी सिद्ध की भी पावन उपस्थिति ने इस आयोजन को और अधिक ऐतिहासिक बना दिया। इस मौके पर रघुवीर सिंह बाली ने कहा कि सुकेत की यह पावन धरती प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं की जीवंत पहचान है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को संजोने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने मेले के सफल आयोजन के लिए प्रशासन व जनता को बधाई दी।

निजीकरण के बजाए रेनोवेट हो सरकारी होटल

होटलों के निजीकरण को लेकर पूछे गए सवाल पर बाली ने कहा कि प्रदेश में पर्यटन विभाग के होटलों को निजी हाथों में सौंपने को लेकर कैबिनेट स्तर पर निर्णय लिया गया है, लेकिन उनका मानना है कि इन्हें रिनोवेट कर आगे चलाना चाहिए, लेकिन इस विषय पर अंतिम और विस्तृत जानकारी प्रदेश के मुख्यमंत्री ही दे सकते हैं।

प्रगति पर शिव धाम का काम, 33 करोड़ रुपए का हुआ टेंडर

रघुवीर सिंह बाली ने मंडी के निर्माणाधीन 'शिव धाम' को लेकर उठ रहे सवालों पर उन्होंने स्पष्ट किया कि 33 करोड़ का टेंडर हो चुका है और कार्य प्रगति पर है। इस दौरान उन्होंने मंडी जिला में अधूरे पड़े पर्यटन होटलों को लेकर पिछली भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एशियाई विकास बैंक के तहत करोड़ों रुपए की लागत से कई होटल बनाए गए थे, लेकिन उचित प्रबंधन और स्पष्ट विजन के अभाव में वे पिछले पांच वर्षों से चालू नहीं हो सके। उन्होंने बताया कि कई संपत्तियां न्यायिक प्रक्रिया में फंसी हुई थीं या अन्य विभागों को स्थानांतरित कर दी गई थीं, जिन्हें अब पर्यटन निगम द्वारा वापस लेकर पुनर्जीवित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में पर्यटन निगम का टर्नओवर 78 करोड़ से बढ़कर 110 करोड़ तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के पुराने और ऐतिहासिक होटलों के नवीनीकरण के लिए इस वर्ष के बजट में 150 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

मंडी में भाजपा प्रदेश कार्य समिति बैठक की तैयारियां तेज

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कार्य समिति की बैठक मंडी में आयोजित करने को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। व्यवस्थाओं के लिए आयोजित बैठक में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बिहारी लाल शर्मा ने बताया कि यह बैठक संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरने के उद्देश्य से नियमित होती है। इस बार मुख्य बैठक 7 तारीख को होगी, जबकि 5 तारीख की रात से छोटी टोली बैठकों का दौर शुरू होगा। प्रदेश स्तर की इस बैठक में वरिष्ठ पदाधिकारी भाग लेकर संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा करेंगे। बैठक में व्यवस्थाओं को लेकर कार्यकर्ताओं से विचार-विमर्श कर जिम्मेदारियां सौंपी गईं। भाजपा जिला अध्यक्ष निहाल चंद शर्मा ने कहा कि मंडी के लिए यह गौरव की बात है और कार्यकर्ता प्रदेश भर से आने वाले पदाधिकारियों का स्वागत कर सफल आयोजन सुनिश्चित करेंगे। बैठक में भाजपा प्रदेश सचिव प्रियंता शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता अजय राणा सहित जिला पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सरकाघाट डिपो में स्टाफ व बसों की भारी कमी उजागर

अनंत ज्ञान

◆ विधायक दलीप ठाकुर ने सदन में उठाया मुद्दा

रितेश चौहान, सरकाघाट। सरकाघाट विधानसभा क्षेत्र से संबंधित हिमाचल पथ परिवहन निगम के सरकाघाट डिपो की स्थिति को लेकर विधायक दलीप ठाकुर ने विधानसभा में मुद्दा उठाया, जिसके जवाब में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, डिपो में कुल 282 स्वीकृत पदों में से केवल 226 पद भरे हुए हैं, जबकि 56 पद खाली पड़े हैं। विभिन्न श्रेणियों में स्टाफ की भारी कमी साफ तौर पर दिखाई दे रही है, जिससे परिवहन सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। विशेष रूप से ड्राइवरों के 16 पद रिक्त होने से बस सेवाएं प्रभावित हो रही हैं।

इसके अतिरिक्त, डिपो में बसों की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। 77 बसों के स्वीकृत बेड़े के मुकाबले मात्र 68 बसें ही उपलब्ध हैं, जिससे आम जनता को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि उपलब्ध बसों में भी कुछ बसें ऐसी हैं जो अपने निर्धारित किलोमीटर पूरे कर चुकी हैं, इसके बावजूद वे सड़कों पर चल रही हैं, जो यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा दोनों पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। भदरोता क्षेत्र के लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विधायक दलीप ठाकुर ने AIIMS बिलासपुर के लिए बस सेवा शुरू करने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए जिससे मरीज और आम लोग सुबह AIIMS जाकर शाम को वापस अपने घर लौट सकें। सरकार की ओर से इस प्रस्ताव पर आश्वासन दिया है कि इस विषय पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। यह स्थिति साफ दर्शाती है कि क्षेत्र में परिवहन व्यवस्था गंभीर दबाव में है और सुधार के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है, ताकि आम जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

किसान यूनियन ने प्रदेश के बजट को बताया ऐतिहासिक

अनंत ज्ञान, मंडी। मंडी में हिमाचल किसान यूनियन ने प्रदेश सरकार के वर्ष 2026-27 के बजट का स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक करार दिया है। यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सीता राम वर्मा, राज्य महासचिव रोशन लाल शर्मा और जिला प्रधानों ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि पिछले 25 वर्षों के बजट प्रावधानों की तुलना में यह बजट सबसे बेहतर है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने किसानों की लंबे समय से चली आ रही किसान आयोग गठन की मांग को पूरा कर बड़ी राहत दी है। यूनियन के अनुसार बजट में खेत बाड़बंदी योजना के लिए 10 करोड़ रुपये, प्राकृतिक खेती उत्पादों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि, दूध के दाम में 10 रुपये की बढ़ोतरी, अदरक पर पहली बार एमएसपी, हल्दी का समर्थन मूल्य 150 रुपये करना और पशुपालकों के लिए कई योजनाएं शामिल हैं। यूनियन ने कहा कि यह बजट ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा।

पंचायत चुनावों के दौरान गांव-गांव चलेगा चिट्टा मुक्त अभियान : वीना

डॉ. वीना राठौर बैठक की अध्यक्षता करती हुईं। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। सरकाघाट में नशा मुक्ति अभियान समिति सज्याओ क्षेत्रीय कमेटी की बैठक डॉ. वीना राठौर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें रणताज राणा, सतीश कुमार, रत्तन चंद, हेम राज गुलेरिया, मोहनलाल, मिलाप चंदेल, सोहन सिंह ,भोलादत कश्यप और भूपेंद्र सिंह ने भाग लिया। बैठक में निर्णय लिया कि आगामी पंचायत चुनावों से पहले गांव-गांव 'चिट्टा मुक्त अभियान' चलाया जाएगा। इसके तहत मतदाताओं को जागरूक कर उनसे अपील की जाएगी कि वे ऐसे उम्मीदवारों को चुनें जो अपने क्षेत्र को नशामुक्त बनाने की शपथ लें व इसके लिए प्रतिबद्ध हों। यह अभियान 15 अप्रैल, हिमाचल दिवस से शुरू होकर मतदान तक जारी रहेगा। जिन गांवों में वार्ड सम्मेलन नहीं हुए हैं, उन्हें 5 अप्रैल तक पूरा किया जाएगा। साथ ही अप्रैल के दूसरे पखवाड़े में महिलाओं, स्कूली बच्चों व शिक्षकों के लिए नशा मुक्ति पर कार्यशालाएं आयोजित होंगी।

समिति ने चिट्टा तस्करी में पुलिस स्पेशल टास्क फोर्स के कर्मचारियों की संलिप्तता पर चिंता जताते हुए सरकार से कड़ी कार्रवाई व सख्त कानून बनाने की मांग की। अभियान को व्यापक बनाने के लिए विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं से भी सहयोग लिया जाएगा।

ब्यास नदी में फंसे लोगों का रेस्क्यू व शव निकालने का किया अभ्यास

ब्यास नदी में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालते हुए। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

पंडोह। पंडोह में बीबीएमबी डैम में सोमवार को व्यापक स्तर पर मॉक ड्रिल आयोजित की गई, जिसमें फ्लैश फ्लड जैसी आपात स्थिति का अभ्यास किया गया। इस दौरान ब्यास नदी में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने और नदी से शवों को रेस्क्यू करने के अभ्यास किए गए।

ड्रिल का आयोजन सीआईएसएफ व बीबीएमबी के संयुक्त तत्वावधान में हुआ, जिसमें डीडीएमए, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, फायर ब्रिगेड, पंडोह पुलिस और बीबीएमबी अस्पताल के लगभग 140 अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। ड्रिल के दौरान सभी टीमों ने समन्वय के साथ बचाव कार्य सफलतापूर्वक किए। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के कमांडरों के नेतृत्व में रेस्क्यू ऑपरेशन का प्रदर्शन किया गया।

सीआईएसएफ के डिप्टी कमांडेंट विशाल बंसल ने बताया कि बरसात के मौसम में फ्लैश फ्लड की संभावना बढ़ जाती है, इसलिए इस तरह के अभ्यास समय पर राहत और बचाव सुनिश्चित करने में मदद करते हैं। सभी विभागों के अधिकारियों को समापन के अवसर पर प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

रोष किसान सभा की चेतावनी, 10 दिन में भत्ता नहीं मिला तो बीडीओ कार्यालय का होगा घेराव

43 दिन से काम न मिलने पर श्रमिकों में रोष

अनंत ज्ञान

◆ साम्राज्यवाद विरोधी दिवस पर नीतियों को लेकर उठाए सवाल

बालीचौकी में सेमिनार के बाद मांग करते हुए। अनंत ज्ञान

नूतन ठाकुर, बालीचौकी। उपमंडल में सोमवार को भगत सिंह शहीदी दिवस के अवसर पर हिमाचल किसान सभा द्वारा साम्राज्यवाद विरोधी दिवस मनाया गया। इस दौरान सबसे पहले एक सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें वक्ताओं ने शहीदों के विचारों और वर्तमान परिस्थितियों पर चर्चा की।

सेमिनार को किसान सभा के राज्य कमेटी सदस्य महेंद्र सिंह राणा ने संबोधित करते हुए कहा कि 23 मार्च 1931 को भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी दी गई थी। उन्होंने कहा कि भगत सिंह समाजवाद आधारित व्यवस्था और शोषणमुक्त समाज के पक्षधर थे।

उन्होंने वर्तमान परिस्थितियों पर चिंता जताते हुए कहा कि आजादी के दशकों बाद भी देश की नीतियां साम्राज्यवादी प्रभाव में बन रही हैं। अमेरिका के दबाव में नीतियां बनाए जाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने इसे वैश्विक शांति के लिए खतरा बताया।

कार्यक्रम के बाद किसान सभा के प्रतिनिधिमंडल ने बीडीओ बालीचौकी को ज्ञापन सौंपते हुए मनरेगा के तहत काम न मिलने पर बेरोजगारी भत्ते की मांग उठाई। बताया गया कि 10 फरवरी 2026 को ग्राम पंचायत थाटा में श्रमिकों ने काम के लिए आवेदन किया था, लेकिन 43 दिन बीत जाने के बाद भी उन्हें न तो काम मिला और न ही भत्ता दिया गया। किसान सभा ने कहा कि मनरेगा कानून की धारा 7(1) के अनुसार 15 दिनों के भीतर काम न मिलने पर श्रमिकों को बेरोजगारी भत्ता मिलना चाहिए, लेकिन नियमों की अनदेखी की जा रही है। संगठन ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि 10 दिनों के भीतर श्रमिकों को भत्ता नहीं दिया गया तो सभी कामगारों के साथ मिलकर बीडीओ कार्यालय बालीचौकी का घेराव किया जाएगा।

इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल में महेंद्र सिंह राणा के अलावा देवेंद्र कुमार, इंदर सिंह, अमर सिंह, नेत्र कुमार, चमन लाल, दबे राम, पदम देव, लाल सिंह, तिलक राज और नारायण सिंह सहित कई लोग उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

शटरिंग सामग्री पर अज्ञात चोरों ने किया हाथ साफ

अनंत ज्ञान, बाडूही। क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं व प्रशासन के लिए चिंता का विषय बनती जा रही हैं। ताजा मामला मुबारिकपुर से सामने आया है, जहां सड़क निर्माण कार्य के दौरान रखी गई शटरिंग सामग्री पर अज्ञात चोरों ने हाथ साफ कर दिया। जानकारी के अनुसार, बाडूही निवासी ठेकेदार पुष्पेंद्र सिंह मुबारिकपुर में सड़क निर्माण कार्य करवा रहे हैं। निर्माण स्थल पर शटरिंग के लिए उपयोग में लाई जाने वाली लोहे की प्लेटें सहित अन्य सामग्री रखी गई थी। रविवार रात अज्ञात चोर मौके का फायदा उठाकर करीब 20 लोहे की प्लेटें चोरी कर ले गए। सोमवार सुबह जब कर्मचारी रोज की तरह कार्य स्थल पर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि लोहे की प्लेटें गायब हैं। इसके बाद तुरंत ठेकेदार को सूचित किया गया और पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। ठेकेदार पुष्पेंद्र सिंह ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई है व चोरी हुई सामग्री की जल्द बरामदगी की मांग की है। स्थानीय लोगों ने बढ़ती चोरी की घटनाओं पर चिंता जाहिर की है व प्रशासन से पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है। डीएसपी अंब अनिल पटियाल का कहना है कि शिकायत दर्ज कर ली गई है।

विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए

अनंत ज्ञान, टाहलीवाल। संत ढांगू वाले गुर्जर राजकीय महाविद्यालय, बीटन में बेसिक कंप्यूटर स्किल्स विषय पर तीन माह का अल्पकालिक प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले 26 विद्यार्थियों के सम्मान में एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कैरियर काउंसलिंग व प्लेसमेंट सेल द्वारा स्किल डेवलपमेंट सेंटर ऊना के सहयोग से एमओयू के तहत आयोजित हुआ। कार्यक्रम में अधिकारी योगेश, शैक्षिक शर्मा व समन्वयक रवि चौहान ने विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए करियर संबंधी मार्गदर्शन दिया। डॉ. ऋचा शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया। प्राचार्या डॉ. सुमिक्षा गुप्ता ने आयोजकों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को बधाई दी व उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

जनसेवा संघर्ष फाउंडेशन ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। घाघस में सोमवार को जनसेवा संघर्ष फाउंडेशन की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश संयोजक लता शर्मा व प्रदेश महिला अध्यक्ष अंजना शर्मा ने की। बैठक सरदार भगत सिंह की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित की गई। इसमें संगठन के विभिन्न पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में पुरुष विंग के प्रदेश उपाध्यक्ष डिंपल सैनी, उत्तम चंद शर्मा तथा महिला विंग की हेमा ठाकुर, अंजू सेन व गोदावरी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। बैठक के दौरान संगठन की कार्यप्रणाली को मजबूत करने के लिए कई अहम निर्णय लिए गए। इसमें पुरुष व महिला विंग की कार्यकारिणी को एकीकृत करने व सदस्यता बढ़ाने के लिए सभी जिलों में जागरूकता शिविर आयोजित करने का निर्णय शामिल है। इसके साथ ही फाउंडेशन द्वारा ब्लड डोनेशन व स्वास्थ्य शिविर लगाने तथा प्रदेशभर में नशे के खिलाफ अभियान चलाने पर भी सहमति बनी। बैठक में नशाखोरी, भ्रष्टाचार व बेरोजगारी जैसे ज्वलंत सामाजिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

51 लोगों ने रक्तदान कर कमाया पुण्य

अनंत ज्ञान, भराड़ी। बिलासपुर जिले के भराड़ी में शंकर सेवा दल लंगर कमेटी द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने शिविर का शुभारंभ किया। कमेटी के प्रधान मनोहर लाल शर्मा ने 32वीं बार और अशोक बांधरा ने 22वीं बार रक्तदान कर युवाओं को प्रेरित किया। शिविर में कुल 51 लोगों ने रक्तदान किया। कमेटी गरीबों व असहायों की सहायता, ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध करवाने तथा मणिमहेश में विशाल लंगर लगाने जैसे कार्यों के लिए जानी जाती है। कमेटी प्रतिवर्ष दो रक्तदान शिविरों का आयोजन करती है।

हटवाड़ में 25 मार्च को होगा विशाल दंगल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। जिला बिलासपुर के हटवाड़ में 25 मार्च को भव्य छिंज (दंगल) का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति द्वारा तैयारियां जोरों पर हैं। छिंज कमेटी के प्रधान जसबीर ठाकुर ने बताया कि इस बार प्रदेश ही नहीं, बल्कि देशभर के नामी पहलवान हिस्सा लेंगे। खास बात यह है कि फ्रांस से भी पहलवान इस दंगल में भाग लेने पहुंचेंगे। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस पारंपरिक आयोजन का हिस्सा बनने का आह्वान किया है।

किशोरों की ऑनलाइन सुरक्षा होगी मजबूत

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। जिला प्रशासन बिलासपुर ने किशोरों की ऑनलाइन सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से 'शिखर साइबर सेफ्टी गाइडलाइंस' जारी की हैं। इसका शुभारंभ उपायुक्त राहुल कुमार ने बचत भवन में किया। यह पहल का उद्देश्य किशोरों, अभिभावकों और शिक्षकों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित व्यवहार के लिए जागरूक करना है। इसमें साइबर बुलिंग, ऑनलाइन ठगी, डेटा सुरक्षा और डिजिटल लत जैसी समस्याओं से बचाव के उपाय शामिल हैं। एसपी संदीप धवल ने बताया कि यह दिशा-निर्देश जिले के सभी स्कूलों में लागू किया जाएगा, जिससे बच्चों को सुरक्षित डिजिटल वातावरण मिल सके।

प्रेम सिंह की कलाकृति बनी आकर्षण का केंद्र

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। राज्य स्तरीय नलवाड़ी मेले में जलमग्न ऐतिहासिक भंजवाणी पुल की कलाकृति दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस कलाकृति को बिलासपुर पंचायत के करोह निवासी मूर्तिकार प्रेम सिंह ने तैयार किया है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत बनाई गई इस कलाकृति के माध्यम से पुराने बिलासपुर की ऐतिहासिक धरोहर को जीवंत करने का प्रयास किया गया है। प्रेम सिंह ने बताया कि इस पुल का अतीत में आवागमन व जनजीवन में महत्वपूर्ण स्थान था। उनकी इस पहल को मेले में आने वाले दर्शकों द्वारा खूब सराहा जा रहा है।

परिवहन विभाग ने लगाया जागरूकता स्टॉल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। राज्य स्तरीय नलवाड़ी मेले में परिवहन विभाग ने जागरूकता स्टॉल लगाया है। यहां लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों, यातायात नियमों के पालन व सुरक्षित वाहन संचालन के प्रति जागरूक किया जा रहा है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी राजेश कौशल ने बताया कि हेलमेट व सीट बेल्ट का महत्व, गति सीमा का पालन, शराब पीकर वाहन न चलाने व ड्राइविंग के दौरान मोबाइल के इस्तेमाल से बचने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही, 'गुड समेरिटन (राह-वीर) योजना' के तहत दुर्घटना में घायलों की मदद करने वालों को प्रोत्साहित किया जा रहा है तथा लोगों को हेल्पलाइन नंबर 112 पर सूचना देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

वरिष्ठ नागरिकों को करवाया नलवाड़ी मेले का भ्रमण

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग, हिमाचल प्रदेश के अंतर्गत जिला कल्याण अधिकारी, बिलासपुर द्वारा देयोली स्थित अपना घर वृद्धाश्रम एवं डे-केयर सेंटर के वरिष्ठ नागरिकों को लुहणू ग्राउंड में आयोजित नलवाड़ी मेले का भ्रमण करवाया गया। इस दौरान वरिष्ठ नागरिकों ने स्वयं सहायता समूहों के स्टॉल, हस्तशिल्प उत्पादों व 'कहलूर दर्शन' प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा स्वरोजगार से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लिया और विभिन्न विभागों के जागरूकता स्टॉलों से साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा व सरकारी योजनाओं की जानकारी भी हासिल की। कार्यक्रम में जिला कल्याण अधिकारी आरसी बंसल व आश्रम अध्यक्ष प्रकाश बंसल उपस्थित रहे। यह पहल वरिष्ठ नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में सराहनीय प्रयास है।

अर्धसैनिक कल्याण बोर्ड की घोषणा पर जताया आभार

अनंत ज्ञान, बाडूही। हिमाचल प्रदेश राज्य अर्धसैनिक कल्याण संघ ने प्रदेश सरकार द्वारा अर्धसैनिक कल्याण बोर्ड के गठन की घोषणा का स्वागत किया और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त किया। संघ के अध्यक्ष वीके शर्मा (डीआईजी सेवानिवृत) के नेतृत्व में वरिष्ठ पदाधिकारियों और सभी जिला व तहसील अध्यक्षों ने इसे ऐतिहासिक निर्णय करार दिया। पदाधिकारियों ने कहा कि बोर्ड के गठन से अर्धसैनिक जवानों, वीर नारियों और शहीद परिजनों को सीधे लाभ मिलेगा और कल्याण योजनाओं को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना की। संघ ने विधायक केवल सिंह पठानिया और अन्य विधायकों का भी धन्यवाद किया। संघ ने बताया कि इस उपलब्धि का संदेश प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर साझा किया जाएगा और शिमला व शाहपुर में मुख्यमंत्री व अन्य गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

रिहान व अनाया ने नवोदय मेरिट में बनाई जगह

अनंत ज्ञान, बडूही। उपमंडल अंब के शिक्षा खंड अंब की राजकीय प्राथमिक पाठशाला डूहकी के लिए गर्व का क्षण आया है। विद्यालय के विद्यार्थी रिहान खान और अनाया ने प्रतिष्ठित जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर स्कूल व क्षेत्र का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि से विद्यालय में खुशी और उत्साह का माहौल है। मुख्य अध्यापिका नेहा ठाकुर तथा अध्यापक पूजा देवी और नेहा सपिया बीबी के मार्गदर्शन ने इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्कूल प्रबंधन समिति ने पूरे स्टाफ को बधाई देते हुए कहा कि यह परिणाम शिक्षकों की मेहनत और विद्यार्थियों की लगन का परिणाम है। यह सफलता साबित करती है कि सरकारी स्कूलों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से बड़े मुकाम हासिल किए जा सकते हैं।

नयना देवी मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। मशहूर शक्तिपीठ श्री नयना देवी मंदिर में चैत्र नवरात्र के अवसर पर श्रद्धालुओं की अपार आस्था देखने को मिल रही है।

मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। सभी श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर मन्नतें मांगीं और आशीर्वाद लिया। लोगों में माता के प्रति गहरी आस्था देखते हुए मंदिर प्रशासन ने सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। भीड़ को ध्यान में रखते हुए मंदिर में नारियल चढ़ाने पर प्रतिबंध लगाया गया है, अब श्रद्धालुओं से नारियल मुख्य द्वार पर ही ले लिए जाते हैं व निकासी द्वार पर उन्हें प्रसाद के रूप में वापस किया जाता है। मंदिर न्यास ने इस व्यवस्था के लिए अतिरिक्त कर्मचारी नियुक्त किए हैं। ये कर्मचारी मुख्य द्वार के पास श्रद्धालुओं से नारियल लेकर

माता के दर्शनों के लिए जुटी भक्तों की भीड़। अनंत ज्ञान

टबों में एकत्रित करते हैं, जिन्हें बाद में निकासी द्वार पर प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है। इससे मंदिर परिसर में भगदड़ या किसी अन्य अप्रिय घटना की आशंका को कम किया जा सकता है। पुजारी बृजेश कुमार ने पत्रकारों को बताया कि भारी भीड़ के चलते मंदिर में नारियल चढ़ाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय पूरी तरह सुरक्षा की दृष्टि से लिया गया है, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित व सुगमता से माता के दर्शन कर सकें। श्रद्धालुओं ने प्रशासन के इस कदम की सराहना की है। उनका कहना है कि माता के प्रति उनकी आस्था अटल है व सुरक्षा के लिए बनाए गए नियमों का वे पालन कर रहे हैं। मंदिर परिसर में पूरे दिन श्रद्धालुओं का सिलसिला जारी रहा और सभी ने शांतिपूर्ण ढंग से दर्शन किए।

चिंतपूर्णी में कम रही श्रद्धालुओं की संख्या

अनंत ज्ञान

चिंतपूर्णी। हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध शक्तिपीठ माता चिंतपूर्णी के दरबार में चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर आस्था का सैलाब उमड़ रहा है।

नवरात्र के पांचवें दिन मां के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी, जिससे पूरा मंदिर परिसर 'जय माता दी' के जयकारों से गुंजायमान रहा। भक्तों की इस अपार श्रद्धा का प्रतिबिंब मंदिर न्यास को प्राप्त होने वाले चढ़ावे में भी साफ नजर आ रहा है। मंदिर न्यास द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, नवरात्र के चौथे दिन काउंटिंग करने पर मंदिर न्यास को 12,80,183 रुपए का नकद चढ़ावा प्राप्त हुआ। यदि शुरुआती चार दिनों के कुल संग्रह पर नजर डालें, तो यह आंकड़ा 40,71,938 रुपए तक जा पहुंचा है। इसमें पहले दिन 7,84,452 रुपए, दूसरे दिन 7,22,757 रुपए

माता चिंतपूर्णी दरबार में हाजिरी भरते लोग। अनंत ज्ञान

और तीसरे दिन सबसे अधिक 12,84,546 रुपए की राशि प्राप्त हुई थी।

हालांकि, पांचवें दिन श्रद्धालुओं की संख्या में रविवार के मुकाबले कुछ कमी दर्ज की गई, लेकिन इसके बावजूद भक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ है। भीड़ के प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर न्यास ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। लंबी कतारों के बावजूद दर्शन प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए सुरक्षा और व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखा गया है, ताकि देश-विदेश से आने वाले किसी भी श्रद्धालु को असुविधा का सामना न करना पड़े।

राज्य स्तरीय नलवाड़ी मेले की तीसरी सांस्कृतिक संध्या में मंत्री राजेश धर्माणी ने की बतौर मुख्यातिथि शिरकत

नलवाड़ी मेले को जल्द मिलेगा राष्ट्रीय स्तर का दर्जा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। राज्य स्तरीय नलवाड़ी मेला-2026 की तीसरी सांस्कृतिक संध्या में नगर व ग्राम नियोजन मंत्री राजेश धर्माणी ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए एक बड़ा ऐलान किया।

उन्होंने कहा कि नलवाड़ी मेले को जल्द ही मुख्यमंत्री की सहमति से राष्ट्रीय स्तर के मेले का दर्जा दिया जाएगा, जिससे बिलासपुर ही नहीं, बल्कि पूरे हिमाचल की सांस्कृतिक पहचान को देशभर में नई पहचान मिलेगी। मंत्री ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा इस बार मेले को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए कई नवाचार किए गए हैं। वॉइस ऑफ बिलासपुर, सतलुज महाआरती, लिटफेस्ट व नाट्य उत्सव जैसे कार्यक्रमों ने मेले को बहुआयामी स्वरूप दिया है। सांस्कृतिक संध्या में हिमाचल प्रदेश के स्थानीय कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। पहाड़ी संस्कृति, लोकगीतों व

मंत्री राजेश धर्माणी व साथ हैं अन्य अधिकारी। अनंत ज्ञान

पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मधुर धुनों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। हिमाचली कलाकारों की प्रस्तुति में जहां संस्कृति की गहराई, भावनाओं की सच्चाई और लोक जीवन की झलक साफ दिखाई दी, वहीं दर्शकों ने भी उन्हें भरपूर सराहा।

वहीं, दूसरी ओर, बाहर से आए पंजाबी कलाकारों की प्रस्तुति केवल तेज ढोल बीट तक ही सीमित नजर आई। गीतों के शब्दों व भावनाओं की स्पष्टता कम रही, जिससे दर्शकों के साथ वह जुड़ाव देखने को नहीं मिला जो स्थानीय कलाकारों ने सहज रूप से स्थापित किया। इस अवसर पर बिलासपुर सदर विधायक त्रिलोक जम्वाल, डीसी व मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष राहुल कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मंत्री ने कहा कि सरकार बिलासपुर के विकास के लिए प्रतिबद्ध है व बजट में मंडी भराड़ी बस स्टैंड, नयना देवी, शाहतलाई और लुहणू हेलिपैड जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स के लिए प्रावधान किया गया है। नलवाड़ी मेला को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में यह घोषणा एक ऐतिहासिक कदम मानी जा रही है, जिससे आने वाले समय में यह मेला देशभर के आकर्षण का केंद्र बन सकता है।

सांस्कृतिक संध्या में युवाओं के बीच कहासुनी मारपीट में बदली

बिलासपुर जिले के ऐतिहासिक नलवाड़ी मेले की तीसरी सांस्कृतिक संध्या उस समय चर्चा में आ गई, जब कार्यक्रम के दौरान कुछ युवाओं के बीच कहासुनी मारपीट में बदल गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। मेले की तीसरी सांस्कृतिक संध्या में पंजाबी गायक गिप्पी ग्रेवाल के कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में युवा पंडाल में मौजूद थे व उनके गानों पर झूम रहे थे। इसी दौरान पीछे खड़े कुछ युवाओं के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गया।

नलवाड़ी मेले पर अवकाश न मिलने से लोगों में रोष

बिलासपुर। नलवाड़ी मेले के समापन अवसर पर इस वर्ष कर्मचारियों को स्थानीय अवकाश न दिए जाने से क्षेत्रभर में असंतोष का माहौल बन गया है। लोगों का कहना है कि मेले के इतिहास में यह पहला अवसर है, जब प्रशासन द्वारा समापन दिवस पर छुट्टी घोषित नहीं की गई। समाजसेवी व स्थानीय प्रतिनिधियों प्रधान हरि सिंह ठाकुर, रूप लाल शर्मा, लेख राम शर्मा, हरि राम शर्मा, बिशन दास शर्मा, प्रीतम कुमार, जगदीश कुमार, प्यारे लाल शर्मा और बलवंत ठाकुर सहित अन्य लोगों ने इस फैसले पर गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि नलवाड़ी मेला केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि बिलासपुर की पहचान और परंपरा का प्रतीक है, जिसमें हर वर्ष हजारों लोग भाग लेते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश की वर्तमान सरकार और जिला प्रशासन ने इस महत्वपूर्ण परंपरा की अनदेखी करते हुए कर्मचारियों को अवकाश से वंचित रखा है, जिससे लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। उनका कहना है कि पहले हर वर्ष मेले के समापन अवसर पर स्थानीय अवकाश घोषित किया जाता था, ताकि अधिक से अधिक लोग इस ऐतिहासिक आयोजन में भाग ले सकें। स्थानीय लोगों ने इसे हैरान करने वाला और दुर्भाग्यपूर्ण निर्णय बताते हुए कहा कि इससे मेले की गरिमा और जनभागीदारी पर असर पड़ा है।

शहीदों के साहस और देशभक्ति को याद किया

अनंत ज्ञान, अंब। महाराणा प्रताप राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय के राष्ट्रीय कैडेट कोर व देश भक्ति क्लब के संयुक्त तत्वाधान में राजगुरु, भगत सिंह व सुखदेव के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर दर्शन कुमार ने अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इन महान क्रांतिकारियों का त्याग, साहस और देशभक्ति सदैव हमें राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि शहीदों का बलिदान स्वतंत्रता संग्राम का अमूल्य अध्याय है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को इन वीरों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में राष्ट्रीय कैडेट कोर के एनओ लेफ्टिनेंट अनिल वर्मा, देशभक्ति क्लब के संयोजक डॉ. राजेश ठाकुर, डॉ. केके पांडेय, डॉ. रजनीश कुमार, डॉ. जमीत कुमार, विनोद कुमार सहित बड़ी संख्या में कैडेट और क्लब के सदस्यों ने भी अमर शहीदों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया।

लापता युवक की तलाश के लिए पुलिस ने डॉग स्क्वायड की ली मदद

अनंत ज्ञान

विवेक शर्मा, अंब। अपर अंदौरा के लापता युवक की तलाश के लिए पुलिस की तरफ से डॉग स्क्वायड की मदद ली गई। रविवार को पुलिस टीम ने डॉग स्क्वायड व स्थानीय ग्रामीणों के साथ खंडों तथा आसपास के संभावित क्षेत्रों में गहन तलाशी अभियान चलाया।

अपर अंदौरा निवासी युवक मंदीप सिंह उर्फ दीपू पिछले एक सप्ताह से रहस्यमयी परिस्थितियों में लापता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुखदेव सिंह का पुत्र मंदीप 16 मार्च की रात करीब 10 बजे से घर नहीं लौटा है। युवक के अचानक गायब होने से पूरा परिवार गहरे सदमे में है। परिजनों का कहना है कि मंदीप जिस मोटरसाइकिल पर गया था, उसे उसके दोस्त घर के पास छोड़ गए, लेकिन वे मंदीप के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं दे पाए। युवक की तलाश के लिए पुलिस प्रशासन पूरी गंभीरता

से जुटा हुआ है। घटना के एक सप्ताह बाद भी कोई सुराग न मिलने पर अब पुलिस ने डॉग स्क्वाड की मदद ली है। रविवार को ऊना से आए डॉग स्क्वाड की टीम व करीब पचास ग्रामीणों ने

अनंत ज्ञान फॉलोअप

मिलकर स्वां नदी के साथ लगते विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक सर्च अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान अंब के थाना प्रभारी रूप सिंह ठाकुर भी अपनी टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे। हालांकि काफी मशक्कत के बाद भी युवक का कहीं पता नहीं चल पाया है। इस मामले में एसडीपीओ अंब अनिल पटियाल ने बताया कि पुलिस की तरफ से युवक की तलाश के लिए अभियान चलाया गया है।

बिलासपुर की एंकर मीनाक्षी को हिमाचल अचीवर अवार्ड-2026

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। कला व मनोरंजन के क्षेत्र में बिलासपुर की प्रतिभाओं ने एक बार फिर प्रदेश का नाम रोशन किया है। शहर के लखनपुर वार्ड से संबंध रखने वाली मॉडल व एंकर मीनाक्षी भारद्वाज को शिमला के गेयटी थियेटर में आयोजित समारोह में हिमाचल अचीवर अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया। मीनाक्षी पिछले करीब दो दशकों से मॉडलिंग व एंकरिंग के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वर्ष 2005 में उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की और मिस बिलासपुर व मिस शिमला जैसे खिताब अपने नाम किए। उन्होंने कई हिंदी व पहाड़ी म्यूजिक एल्बम में काम करने के साथ-साथ नामी कलाकारों के साथ मंच भी साझा किया है। मीनाक्षी का कहना है कि वे सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर अपने हुनर को पहचानने और समाज के लिए सकारात्मक योगदान देने का आह्वान किया।

उपमुख्यमंत्री ने हरोली में 60 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की रखी आधारशिलाएं

अनंत ज्ञान

ऊना। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने हरोली विधानसभा क्षेत्र के अपने एकदिवसीय प्रवास के दौरान सड़क व खेल अधोसंरचना से जुड़ी लगभग 60 करोड़ रुपए की महत्वपूर्ण परियोजनाओं की आधारशिलाएं रखीं। इन परियोजनाओं के साकार होने से क्षेत्र में संपर्क व्यवस्था मजबूत होने के साथ युवाओं को आधुनिक खेल सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी।

उपमुख्यमंत्री ने 48.69 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली जेजों मोड़ से टाहलीवाल चौक वाया भाई का मोड़ सड़क के स्तरोन्नयन कार्य का भूमि पूजन किया। इस परियोजना के अंतर्गत करीब साढ़े 17 किलोमीटर लंबे मार्ग का उन्नयन किया जाएगा। इसके साथ ही पालकवाह, कांगड़

रोड़ा क्षेत्र विकास के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण और खेल सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क संपर्क से औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलेगी और आम लोगों के लिए आवागमन अधिक सुगम होगा, जबकि आधुनिक खेल अधोसंरचना युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने के लिए बेहतर मंच प्रदान करेगी। अग्निहोत्री ने कहा कि हरोली का रोड़ा क्षेत्र तेजी से विकास के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है।

और बढ़ेड़ा खड्ड पर तीन पुलों का निर्माण भी किया जाएगा, जिससे मार्ग की वहन क्षमता बढ़ेगी तथा यातायात अधिक सुरक्षित और सुगम हो सकेगा। इस सड़क के विकसित होने से औद्योगिक क्षेत्र टाहलीवाल, आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों तथा सीमावर्ती इलाकों को बेहतर संपर्क सुविधा प्राप्त होगी। इसके उपरांत उपमुख्यमंत्री ने हरोली क्षेत्र के रोड़ा गांव में लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक के कार्य का भूमि पूजन किया। इस परियोजना के पूर्ण होने से ऊना जिला एथलेटिक्स प्रतिभाओं के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित होगा और खिलाड़ियों को आधुनिक तथा वैज्ञानिक प्रशिक्षण की बेहतर सुविधा मिल सकेगी।

उपलब्धि यूनिफाइड स्कूल में यूकेजी दीक्षांत समारोह संपन्न

नन्हे कदमों की बड़ी उड़ान: स्कॉलर्स

अनंत ज्ञान

ऊना। स्कॉलर्स यूनिफाइड स्कूल में यूकेजी कक्षा का दीक्षांत समारोह बड़े ही हर्षोल्लास व गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह समारोह नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों के शैक्षणिक जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का प्रतीक रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जिसने ज्ञान, प्रकाश व नई शुरुआत का संदेश दिया।

इसके पश्चात विद्यार्थियों को सम्मानपूर्वक उपाधियां प्रदान की गईं। विद्यालय के प्रबंध निदेशक धीरज शर्मा, उपप्रधानाचार्या अदिति शर्मा ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन, परिश्रम व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर यूकेजी कक्षा के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने वर्गों में स्थान प्राप्त किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी स्वरांश ठाकुर, युवान ठाकुर, रिदम चौहान, रेयांश जसवाल। द्वितीय

दीक्षांत समारोह में नन्हे छात्र। अनंत ज्ञान

स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अनाया, रित्वि शर्मा, हरनूर कौर, अविवक ठाकुर, अनिक ठाकुर, स्तव्य ठाकुर, कृदय ठाकुर, गुरकिरत कौर, गुरमन सिंह। तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी हर्षिका अरोड़ा, निशिका बंगा, अरमान सिंह, विवान सिंह जसवाल, पार्थ कश्यप। चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी रेयांश चौधरी। पंचम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी रहे: जाक्ष चौधरी, कृतिका सैनी। छठा स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी रहे: मितांश कुंज, अद्वैत सैनी। सप्तम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी रहे: शिवाय कुंज, दिशमीत कौर, निविद चौधरी, रिदित। अष्टम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी आशुतोष ठाकुर, सिमरन, उधव पुरी, विहान राणा। नवम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी मृदुल वर्मा, प्रियोम साहनी, एवान सैनी। दशम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी एकांश, सिमरत कौर। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिससे वातावरण और भी आनंदमय बन गया। अंत में विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह समारोह विद्यार्थियों के जीवन में एक नई शुरुआत का प्रतीक बना।

नितिन 'मिस्टर फेयरवेल', सानिया बनी 'मिस फेयरवेल'

अनंत ज्ञान, झंझूता। राजकीय महाविद्यालय झंझूता में अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजय कुमार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक वर्ग एवं अन्य स्टाफ सदस्य भी मौजूद रहे। समारोह का शुभारंभ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ। इसमें विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य व अन्य मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत कर माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए व कॉलेज में बिताए गए सुनहरे पलों को याद किया। प्राचार्य प्रो. संजय कुमार ने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न उपाधियों की घोषणा भी की गई। नितिन को 'मिस्टर फेयरवेल' तथा सानिया को 'मिस फेयरवेल' के खिताब से नवाजा गया। वहीं, आदित्य को 'मिस्टर पर्सनैलिटी' और रेशम को 'मिस पर्सनैलिटी' चुना गया। समारोह हर्षोल्लास व भावुक माहौल के साथ संपन्न हुआ।

चिंतपूर्णी में प्रसाद व लंगर की गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय मानकों पर लाने की कवायद

अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी। विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ माता श्री चिंतपूर्णी मंदिर में श्रद्धालुओं को परोसे जाने वाले प्रसाद व लंगर की गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय मानकों पर लाने की कवायद तेज हो गई है। भारतीय खाद्य सुरक्षा व मानक प्राधिकरण के 'ईट राइट इंडिया' अभियान के तहत मंदिर परिसर में एक विशेष हाइजीन ऑडिट किया गया। इस ऑडिट का मुख्य उद्देश्य मंदिर की भोग शाला व लंगर हॉल को प्रतिष्ठित 'भोग' सर्टिफिकेशन दिलाना है। हाइजीन ऑडिटर मोहित सुरेखा ने बाबा श्री माई दास सदन स्थित लंगर हॉल व माता की मुख्य भोग शाला का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खाद्य सामग्री के रख-रखाव, सेवादारों की स्वच्छता व भोजन तैयार करने की प्रक्रिया का अवलोकन किया। मंदिर प्रशासन को कुछ आवश्यक सुधारों के सुझाव दिए गए हैं, जिन्हें अमलीजामा पहनाते ही मंदिर को आधिकारिक तौर पर यह प्रमाण पत्र जारी कर दिया जाएगा। मंदिर अधिकारी संजीव प्रभाकर ने बताया कि लंगर हॉल व भोग शाला में व्यवस्था ठीक पाई गई कुछ सुझाव दिए गए हैं, उनको जल्द इंप्लीमेंट किया जाएगा और इसके बाद भोग प्रमाण पत्र जल्द हुए होगा।

कानून व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए सर्वे अभियान

अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी। हिमाचल प्रदेश के चिंतपूर्णी नया बस स्टैंड के साथ लगती गंगोट पंचायत में कांगड़ा जिला प्रशासन ने सुरक्षा व कानून-व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए राजस्व विभाग के माध्यम से एक विशेष सर्वे अभियान शुरू किया है। सोमवार को हुए इस सर्वे के तहत उन निजी भू-मालिकों की पहचान की जा रही है, जिन्होंने अपनी जमीन पर झुग्गियां लगवाई हैं। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि इन बस्तियों में पानी व शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं या नहीं, ताकि भविष्य में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और गंदगी से बचा जा सके। इस कार्रवाई के संदर्भ में एसडीएम देहरा, कुलवंत सिंह पोटन ने बताया कि मोईन थाना पुलिस द्वारा कानून-व्यवस्था बनाए रखने की सिफारिश और डीसी कांगड़ा के निर्देशों के बाद यह कदम उठाया गया है। सर्वे का प्राथमिक लक्ष्य अनैतिक जैसी घटनाओं को रोकना, अवैध कब्जों पर नियंत्रण और वहां रह रहे लोगों का पूर्ण सत्यापन करना है। विभाग द्वारा सर्वे की विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा रही है, जिसके आधार पर आगामी कार्रवाई अमल पर लाई जाएगी।

चरस तस्करी के दोषी को 14 साल का कठोर कारावास व 1.30 लाख रुपए जुर्माना

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। विशेष न्यायाधीश-I कुल्लू, प्रकाश चंद राणा की अदालत ने मादक पदार्थ अधिनियम के तहत चरस तस्करी के एक मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए आरोपी राम कुमार (पुत्र तिलक वोरा, उर्फ दिनेश कुमार), निवासी गांव बारी कोट, नेपाल को दोषी करार दिया है। न्यायालय ने दोषी को 14 वर्ष के कठोर कारावास तथा 1.30 लाख रुपए जुर्माना की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आगे आदेश दिया है कि जुर्माना अदा न करने की स्थिति में दोषी को अतिरिक्त दो वर्ष के साधारण कारावास में रहना होगा। जिला न्यायवादी कुल्लू कुलभूषण गौतम ने बताया कि 25 जनवरी 2023 को भुंतर-मणिकरण मार्ग पर सियुंड के पास विशेष जांच इकाई कुल्लू की टीम ने नाकाबंदी की थी। मणिकर्ण से मनाली जा रही एक निजी बस की तलाशी के दौरान, सीट नंबर 25 पर बैठे आरोपी के बैग से 3.446 किलोग्राम चरस बरामद की गई थी। इस संदर्भ में पुलिस थाना भुंतर में प्राथमिकी संख्या 09/2023 दर्ज की गई थी। अभियोजन पक्ष द्वारा पेश किए गए 12 गवाहों और ठोस सबूतों के आधार पर अदालत ने राम कुमार को दोषी पाया।

दो दिन बाद मौसम ने फिर बदली करवट, बारिश-बर्फबारी

रोहतांग दर्रे में आधा फुट बर्फबारी, अटल टनल में भी गिरे बर्फ के फाहे, लाहौल-स्पीति में ऊंचे व निचले क्षेत्रों में बर्फबारी

अनंत ज्ञान

कमलेश वर्मा, कुल्लू/केलांग। कुल्लू व लाहौल-स्पीति जिले में दो दिन धूप खिलने के बाद सोमवार को फिर मौसम ने करवट बदली। सोमवार को जहां सुबह कुछ समय के लिए मौसम साफ था व हल्की धूप खिली थी। वहीं, उसके बाद आसमान को बादलों के झुरमुट ने घेर लिया और दोपहर बाद कुल्लू जिला के निचले क्षेत्रों में जहां हल्की बारिश का दौर शुरू हुआ।

वहीं, रोहतांग दर्रा सहित अन्य सभी ऊंचे क्षेत्रों में बर्फबारी शुरू हुई। उधर, लाहौल-स्पीति जिला में भी दोपहर बाद बर्फबारी का क्रम शुरू हो गया। हालांकि, दोनों जिलों में कुछ देर ही बारिश-बर्फबारी हुई, लेकिन तापमान में गिरावट आ गई है। रोहतांग दर्रे में आधा फुट बर्फबारी हुई है। रोहतांग सहित शिंकुला बारालाचा व कुंजम दर्रे में भी बर्फ के ढेर लग गए हैं। पर्यटन नगरी मनाली के भी समस्त ऊंचाई वाले पर्यटन स्थलों में बर्फ के फाहे गिरे। सोमवार को अटल टनल सहित पर्यटक सोलंगनाला में बर्फ के फाहों में झूमे। मौसम के बदले मिजाज से पर्यटन कारोबारियों सहित किसानों-बागवानों के चेहरे खिल गए हैं। पर्यटक स्थल रोहतांग में बर्फ की मोटी चादर बिछ गई है। बर्फबारी के चलते घाटी में ठंड चरम पर पहुंच गई है। लाहौल-स्पीति की समस्त घाटी में बर्फबारी हो रही है, जिससे जन-जीवन प्रभावित हो गया है। शिंकुला दर्रे में पिछले दो सप्ताह से वाहनों की आवाजाही बंद है। भारी हिमपात से बीआरओ की शिंकुला दर्रे की बहाली भी प्रभावित हुई है। सोमवार को पर्यटकों ने जगह जगह बर्फ के फाहों का आनंद लिया। पर्यटक जहां सामान्य वाहनों में सोलंगनाला पहुंचे और बर्फ में मस्ती की वहीं, फोर बाई फोर वाहनों में अटल टनल रोहतांग के नॉर्थ पोर्टल, सिस्सू भी गए यहां पर सैलानियों ने स्कीइंग, ट्यूब स्लाइडिंग आदि साहसिक गतिविधियों का लुत्फ उठाया।

ताजा बर्फबारी के बाद जिला मुख्यालय केलांग का नजारा। अनंत ज्ञान

चार दिन में 28000 पर्यटक पहुंचे

मनाली में बर्फबारी के बाद यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ गई। ग्रीन टैक्स बैरियर के आंकड़ों के अनुसार बर्फबारी से पहले मनाली में रोजाना 500 से 600 पर्यटक वाहन पहुंच रहे थे, अब यह आंकड़ा दोगुना हो गया है। चार दिनों में मनाली 28000 के करीब पर्यटक पहुंचे और आंकड़ा अब और बढ़ने की उम्मीद है। होटलियर एसोसिएशन के अध्यक्ष रोशन ठाकुर का कहना है कि बर्फबारी के बाद मनाली में पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। ऑनलाइन बुकिंग में भी बढ़ोतरी हुई है।

केवल फोर बाई फोर वाहनों में ही जाने की इजाजत

बर्फबारी के बाद लाहौल पहुंचने वाले सैलानियों की संख्या में इजाफा हुआ। फिलहाल प्रशासन ने केवल फोर बाई फोर वाहनों में ही यात्रियों को अटल टनल पार करने की इजाजत दी है। सोमवार को अटल टनल पार कर काफी संख्या में सैलानी गुफा होटल व सिस्सू की ओर पहुंचे। पर्यटकों ने बर्फ में खूब मस्ती की। खूबसूरत वादियों व लम्हों को अपने कैमरों में भी कैद किया। वहीं, बर्फबारी शुरू होते ही वापस मनाली की ओर लौट आए। हाल ही में हुई बर्फबारी के बाद मनाली में सैलानियों की संख्या बढ़ गई है। पर्यटकों की संख्या में करीब 50 फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है।

पर्यटन स्टेकहोल्डर्स की चेतावनी प्रशासन व विभागों की अनदेखी पर 10 दिन का अल्टीमेटम

एम बोकटापा, अनंत ज्ञान, मनाली। आगामी पर्यटन सीजन को ध्यान में रखते हुए मनाली के सभी पर्यटन स्टेकहोल्डर्स ने होटलियर एसोसिएशन कार्यालय में विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से एक संयुक्त बैठक बुलाई। हालांकि, एनएचएआई के प्रतिनिधि को छोड़कर पुलिस विभाग, बिजली बोर्ड, जल शक्ति विभाग, लोक निर्माण विभाग व नगर परिषद मनाली के किसी भी विभागाध्यक्ष ने बैठक में भाग नहीं लिया। इससे पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों में गहरा रोष है। मनाली होटलियर एसोसिएशन के अध्यक्ष रोशन ठाकुर ने कहा कि यह स्थिति प्रशासन व विभागों की उदासीनता को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि मनाली में पहले ही लगभग 20,000 करोड़ रुपए का पर्यटन निवेश हो चुका है, जिससे 20,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिला है, बावजूद इसके स्थानीय समस्याओं के समाधान पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। हिम आंचल टैक्सी ऑपरेटर यूनियन के अध्यक्ष राजा ठाकुर व मनाली टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष राज कुमार डोगरा ने बताया कि खराब सड़कों व यातायात पुलिस की कमी के कारण सात किलोमीटर की दूरी तय करने में छह घंटे तक लग रहे हैं, जिससे पर्यटकों में नकारात्मक संदेश जा रहा है। सभी स्टेकहोल्डर्स ने मनाली डेवलपमेंट काउंसिल के बैनर तले प्रशासन को 10 दिन का अल्टीमेटम दिया है। तय समय में समाधान न होने पर तीन घंटे की सांकेतिक हड़ताल, शहर बंद और नगर परिषद कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

अर्धसैनिक कल्याण बोर्ड के गठन का निर्णय ऐतिहासिक : उपाध्याय

एक्स सर्विस मैन पैरा मिल्ट्री फोर्स वेलफेयर एसोसिएशन कुल्लू के अध्यक्ष परमानंद व अन्य पदाधिकारी प्रेस वार्ता के दौरान। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। एक्स सर्विस मैन पैरा मिल्ट्री फोर्स वेलफेयर एसोसिएशन जिला कुल्लू के अध्यक्ष परमानंद उपाध्याय ने कहा कि सरकार ने लंबे समय से चल रही हमारी मांग को पूरा करने की घोषणा की है।

उन्होंने कहा कि सरकार के इस ऐतिहासिक फैसले से अर्ध सैनिक बलों के कर्मियों, वीर नारियों व शहीदों के परिवारों के कल्याण को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन की जिला कुल्लू इकाई के सभी पदाधिकारियों ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा में अर्धसैनिक कल्याण बोर्ड के गठन की घोषणा के लिए मुख्यमंत्री सूक्खू का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह संघ की लंबे समय से लंबित मांग थी। उन्होंने कहा कि यह हिमाचल प्रदेश के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा। एसोसिएशन के जिला कुल्लू के सभी सदस्यों ने सीएम के दूरदर्शी नेतृत्व व उदार निर्णय के लिए उनका आभार व्यक्त किया व इसे सराहनीय कदम बताया। एसोसिएशन ने केवल सिंह (विधायक, शाहपुर) का भी विशेष धन्यवाद किया, जिन्होंने इस मुद्दे को हर स्तर पर उठाकर सरकार से स्वीकृत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दुआड़ा कटासणी मेले में उमड़ा आस्था का सैलाब

अनंत ज्ञान

मोहन कपूर, पतलीकूहल। कुल्लू घाटी की समृद्ध देव संस्कृति व सदियों पुरानी परंपराओं का निर्वहन करते हुए दुआड़ा में आयोजित 'कटासणी मेला' सोमवार को भगवान विष्णु के प्रांगण में पूरी भव्यता के साथ संपन्न हुआ।

मेले की शुरुआत पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ 'कटासणी सोह' में माता कटासणी के स्थान पर हुई, जहां घाटी के विभिन्न क्षेत्रों से आए देवी-देवता एकत्रित हुए। यहां से देवताओं के भव्य कारवां के साथ कटासणी मेले का विधिवत आगाज हुआ। सोमवार को जैसे ही देवी-देवताओं के रथ भगवान विष्णु के मंदिर परिसर में पहुंचे, पूरा वातावरण देवताओं के बाजा-नवाजों के ढोल-नगाड़ों व नरसिंगों की गूंज से भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर देवता के गुर रोशन भल्ला व कारदार विमल उपाध्याय ने बताया कि

यह परंपरा सदियों से इसी प्रकार निभाई जा रही है। उन्होंने कहा कि देव मिलन का यह दृश्य घाटी की अटूट श्रद्धा का प्रतीक है व ग्रामीण अपनी प्राचीन विरासत को सहेजने में पूरी तत्परता से जुटे हुए हैं।

इस देव समागम के दौरान स्थानीय पुरुषों द्वारा प्रस्तुत किया गया पारंपरिक कुल्लवी नृत्य मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। मेले की परंपरा के अनुसार, इस नृत्य में केवल पुरुषों ने ही हिस्सा लिया और देव धुनों पर थिरकते हुए अपनी संस्कृति का शानदार प्रदर्शन किया। इस बार के आयोजन में मुख्य मेजबान माता कटासणी व भगवान विष्णु के साथ माता भागा सिद्ध जोंगा, माता काली ओड़ी शिम (डोभी), देवता वीर नाथ (गौहरी) कटराईं, राजा बली (आंबल) बशकोला, देवता वीर नाथ दचाणी और देवता 18 पेड़े बड़ी शील (शिला) जैसे प्रमुख देवी-देवता शामिल हुए। विशेष रूप से इस बार लराईं महादेव इस मेले का हिस्सा नहीं बन पाए, क्योंकि वे सरसई जबाड़ी मेले में प्रवास पर हैं। दुआड़ा में उत्सव संपन्न होने के बाद अब आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तय है। आज (मंगलवार) को कटराईं में मेले की रौनक रहेगी, जबकि बुधवार को बाड़ी जैंडी में भव्य मेले का आयोजन किया जाएगा। इन आयोजनों को लेकर ग्रामीणों और देव कारिंदों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है।

टीबी मामलों की सक्रिय खोज उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, केलांग। विश्व क्षय रोग (टीबी) दिवस के अवसर पर सोमवार को उपायुक्त कार्यालय, केलांग के सम्मेलन कक्ष में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त किरण भड़ाना ने की।

इसमें स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में 'यस! वी कैन एंड टीबी' थीम के तहत जिले में चल रहे टीबी उन्मूलन कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि टीबी एक संक्रामक लेकिन पूर्णत: उपचार योग्य बीमारी है, और इसके उन्मूलन के लिए प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और आम जनता के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने अधिकारियों को जिले में छूटे हुए टीबी मामलों की सक्रिय खोज और सभी मरीजों को समय पर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि सघन स्क्रीनिंग अभियान के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा पोर्टेबल एक्स-रे सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है, जिससे दूरदराज क्षेत्रों में भी जांच सुनिश्चित हो सके। उच्च जोखिम समूहों की पहचान कर उनके नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार की व्यवस्था की जा रही है। टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के अंतर्गत लाहौल क्षेत्र की 26 और स्पीति क्षेत्र की 1 पंचायत को शामिल किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली पंचायतों को गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज श्रेणियों में सम्मानित किया गया। उपायुक्त ने जनभागीदारी को अभियान की सफलता की कुंजी बताते हुए सामाजिक कलंक और भेदभाव समाप्त करने, जागरूकता बढ़ाने और समय पर स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

कुराश चैंपियनशिप को लेकर तैयारियां पूरी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। 27 से 29 मार्च तक आयोजित होने वाली 15वीं सीनियर नेशनल कुराश चैंपियनशिप को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर से खिलाड़ी भाग लेने के लिए इंदौर पहुंच रहे हैं। इस अवसर पर मध्य प्रदेश एमेच्योर कुराश एसोसिएशन द्वारा हैरेसमेंट कमेटी -टीका की सदस्य कुल्लू की मीना शर्मा का हार्दिक स्वागत किया गया। मीना प्रदेश की कोच भी हैं। एसोसिएशन ने उन्हें सम्मानित करते हुए चैंपियनशिप में उनकी सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह प्रतियोगिता खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बड़ा मंच प्रदान करेगी। साथ ही, खेल के विकास और खिलाड़ियों के मनोबल को बढ़ाने में भी यह आयोजन अहम भूमिका निभाएगा। मध्य प्रदेश एमेच्योर कुराश एसोसिएशन ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों व अधिकारियों का गर्मजोशी से स्वागत करने का निर्णय लिया है। हिमाचल से इस प्रतियोगिता में 18 लड़कियां व 18 लड़के भाग लेने जा रहे हैं। इसमें ग्लिम इंचार्ज वीरेंद्र सिंह दो, टीका की सदस्य मीना शर्मा महिला कोच, टेक्निकल अधिकारी हरदेव सिंह, मुकुल शर्मा, एग्जामिन गौरव शर्मा कोच धनीराम पुरुष कोच भी उपस्थित रहेंगे।

न्यूज ब्रीफ

माता रूपासना के सम्मान में होगी क्रिकेट चैंपियनशिप

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। जिला कुल्लू की मणिकर्ण घाटी के जरी स्थित यमराज स्टेडियम हुरन में हर साल की तरह इस बार भी क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन होगा। माता रूपासना के सम्मान में आयोजित होने वाली इस पंचायत स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन अब एक अप्रैल से किया जाएगा। क्रिकेट प्रतियोगिता के आयोजक जीत ठाकुर ने बताया कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य नशे के खिलाफ लोगों को जागरूक करना है। प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने व स्वस्थ जीवन अपनाने का भी संदेश दिया जाएगा। आयोजक जीत ठाकुर ने बताया कि 'विरशु क्रिकेट चैंपियनशिप' के नाम से आयोजित होने वाली यह प्रतियोगिता पहले 25 मार्च से शुरू होनी थी, लेकिन लगातार बारिश के चलते इसकी तिथि को आगे बढ़ाकर अब 1 अप्रैल कर दिया गया है। प्रतियोगिता में जिलेभर की विभिन्न पंचायतों की कई टीमें हिस्सा लेंगी और मुकाबले नॉकआउट आधार पर खेले जाएंगे। विजेता टीम को एक लाख रुपए नकद पुरस्कार के साथ आकर्षक ट्रॉफी प्रदान की जाएगी, जबकि उपविजेता टीम को भी सम्मानित किया जाएगा। आयोजकों का कहना है कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य खेलों के माध्यम से युवाओं को सकारात्मक दिशा देना व समाज में बढ़ते नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने युवाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इस पहल को सफल बनाएं व नशा मुक्त समाज के निर्माण में अपना योगदान दें।

महिला प्रशिक्षुओं को सफल उद्यमी बनने की प्रेरणा दी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान कुल्लू द्वारा 35 दिवसीय ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इसमें 26 महिला प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। 35 दिन तक चले इस कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को ब्यूटी पार्लर उद्यम के माध्यम से सफल उद्यमी बनने की प्रेरणा दी गई। कार्यक्रम में सफल उद्यमी बनने के लिए तथा अपनी व्यावसायिक गतिविधियों को सही ढंग से संचालित करने के लिए आवश्यक उद्यमिक क्षमताओं के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान स्वप्रेरणा, अवसरों की पहचान व उनका उपयोग, निरंतरता, सूचनाओं की खोज, क्वालिटी प्रबंधन, समस्या समाधान, आत्मविश्वास तथा प्रभावी संचार जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के समापन समारोह में निदेशक पीएनबी आरसेटी कुल्लू, चंद्रनारायण सिंह ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने प्रतिभागियों को सफल उद्यमी बनने के लिए महत्वपूर्ण टिप्स दिए तथा बाजार प्रबंधन और गुणवत्ता प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर बल देते हुए महिलाओं को अपनी आजीविका स्वयं अर्जित कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम समन्वयक लक्ष्मी ने मुख्यातिथि व सभी प्रशिक्षुओं का कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धन्यवाद किया।

नन्हे बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने लूटी वाहवाही

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। यूरोकिड्स इंटरनेशनल प्री-स्कूल के वार्षिक दिवस समारोह के दौरान नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी जीवंत प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। 'लिटिल हैंड्स, बिग चेंज' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना था। प्री-नर्सरी और नर्सरी कक्षाओं के बच्चों ने बम्बल बी डांस और लोकप्रिय 'आहा टमाटर' प्रस्तुति सहित ऊर्जावान कार्यक्रमों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। बच्चों ने विभिन्न जानवरों की वेशभूषा में रैंप वॉक भी किया, जो कार्यक्रम के पर्यावरण संदेश से रचनात्मक रूप से जुड़ा हुआ था। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के प्रेरक सत्र भी आयोजित किए गए। राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त डॉ. श्रुति मोरे भारद्वाज ने प्रारंभिक बाल्यावस्था में स्क्रीन के प्रभाव के गंभीर मुद्दे पर प्रकाश डाला और कहा कि दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम से बचना चाहिए, जबकि छह वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रतिदिन अधिकतम एक घंटे तक सीमित रखना चाहिए। समाजसेवी कृति काप्ता ने बच्चों में योग के महत्व पर जोर दिया। वरिष्ठ संवाददाता अभिनव ने प्री-स्कूल शिक्षा में बहुआयामी गतिविधियों के माध्यम से आत्मविश्वास, सामाजिक कौशल, समन्वय और रचनात्मकता के विकास पर बल दिया। कार सेवा दल के मनदीप सिंह ने स्कूल की पहल 'यूरो दान उत्सव' की सराहना की, जो बच्चों में छोटी उम्र से ही सामाजिक कार्यों के लिए दान की भावना विकसित करती है। कार्यक्रम का समापन बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित कर किया गया। अभिभावकों ने इस शानदार और सार्थक आयोजन के लिए स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों की सराहना की।

'माय युवा भारत' और 'युवा' संस्था की अनूठी पहल

मनाली में चलाया स्वच्छता अभियान

अनंत ज्ञान

मनाली। शहीद दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को 'माय युवा भारत' कुल्लू और 'युवा' संस्था, जिला कुल्लू के संयुक्त तत्वाधान में एक विशेष श्रमदान व स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम राष्ट्र के प्रति बलिदान देने वाले अमर शहीदों को समर्पित था, जिसका मुख्य उद्देश्य 'स्वच्छता ही सेवा' के संकल्प को धरातल पर उतारना था। इस अभियान के अंतर्गत मनाली स्थित वाइल्ड लाइफ सेंचुरी (नेचर पार्क) में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। युवाओं की टीम ने कड़े परिश्रम से लगभग 40 बैग कचरा एकत्रित किया, जिसका वजन लगभग डेढ़ क्विंटल दर्ज किया गया। यह प्रयास 'माय भारत' के स्वयंसेवकों व 'युवा' संस्था की टीम के समन्वित प्रयासों का परिणाम था। इस पुनीत कार्य में मनाली के विभिन्न प्रबुद्ध संगठनों का

सक्रिय सहयोग रहा। इनमें होटलियर्स एसोसिएशन मनाली, टैक्सी यूनियन मनाली, रोटरी क्लब मनाली, रोटारैक्ट क्लब मनाली, व्यापार मंडल मनाली और मनाली डेवलपमेंट काउंसिल प्रमुख हैं। इस अवसर पर 'माय भारत' कुल्लू की एडिशनल डिस्ट्रिक्ट यूथ ऑफिसर भारती मोंगरा ने विशेष रूप से उपस्थित होकर युवाओं की इस पहल की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने सभी स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करते हुए राष्ट्र सेवा में उनके योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। 'युवा' संस्था के सह-संस्थापक सुमित ठाकुर ने बताया कि 'माय युवा भारत', भारत सरकार द्वारा संचालित एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जो युवाओं के व्यक्तित्व विकास व उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य कर रहा है। उन्होंने संस्था के लक्ष्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 'युवा' संस्था निरंतर हिमाचल प्रदेश के युवाओं को सामाजिक विकास व प्रदेश की प्रगति में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। स्वच्छता व देश प्रेम के इस संदेश के साथ आयोजित यह कार्यक्रम युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बना।

नामांकित सदस्यों की सूची में आंशिक संशोधन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। जिला निर्वाचन अधिकारी (नगर पालिका) व डीसी कुल्लू अनुराग चंद्र शर्मा द्वारा 20 मार्च को जारी आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए एक परिशिष्ट जारी किया गया है। इस नए आदेश के तहत विभिन्न नगर निकायों के लिए विशिष्ट नागरिकों के नामांकन में कुछ सुधार, विलोपन और नए नाम जोड़े गए हैं।। नगर परिषद कुल्लू के लिए वार्ड नंबर 11 की पूर्व सदस्य अमीना राजगौड को, नगर परिषद मनाली के लिए वार्ड नंबर-2 के पूर्व सदस्य चमन लाल को तथा नगर पंचायत भुंतर के लिए वार्ड नंबर-1 की पूर्व सदस्य मीना ठाकुर का नाम अतिरिक्त सदस्य के तौर पर जोड़ा गया है। नगर पंचायत बंजार के लिए प्रकाश चंद (पूर्व उपाध्यक्ष, न. पं. बंजार) को जोड़ते हुए, मोहिंदर शर्मा (पूर्व सदस्य, वार्ड नं. 3) का नाम सूची से हटा दिया गया है। इसके अलावा, उर्मिला देवी (वार्ड नं. 4) व गुलशन कुमार (वार्ड नं. 2) को अतिरिक्त सदस्य बनाया गया है। नगर पंचायत निरमंड में वार्ड नंबर-5 की पूर्व सदस्य पद्मा शर्मा को अतिरिक्त सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

कवियों ने रचनाओं से श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

अनंत ज्ञान

कुल्लू। भाषा व संस्कृति विभाग जिला कुल्लू द्वारा अटल सदन भवन के बैठक कक्ष में सोमवार को कवि सम्मेलन एवं साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन करवाया गया। कवि सम्मेलन में जिला कुल्लू के लगभग 25 युवा व वरिष्ठ कवि व कवित्रियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कुल्लू के साहित्यकार डॉक्टर सूरत ठाकुर द्वारा की गई। कवि सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करके व ब्यास संस्कृत कॉलेज की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना से किया गया।

कवि सम्मेलन के दौरान गणमान्य लोग। अनंत ज्ञान

नवोदित कवि सूर्यांश शर्मा ने अपनी सकारात्मक सोच को प्रदर्शित करती हुई कविता, सुनो जरा तुम कभी हारना मत' के साथ काव्यपाठ का आरंभ हुआ। गड़सा घाटी की युवा कवित्री कुमारी श्रुति ठाकुर ने 'मर्यादा में रहोगे तो जानो' कविता सुनाई सोमलता ने नुवां संवत' तथा कवयित्री इशिता गिरीश ने 'कुआं' नमक व्यंग्य परक कविता सुनाई। जिला कुल्लू के प्रसिद्ध गायक दोत राम पहाड़िया ने 'कल्लू री बेटड़ी बड़ी बांकी' की कविता डॉ ओम कुमार शर्मा ने 'काल कर्म का द्वंद' एक रहस्यमई कविता सुनाकर सबको मंत्र मुक्त किया। युवा कवयित्री कुमारी मोनिका ठाकुर ने मां को याद करते हुए सुंदर कविता सुनाई। कुमारी रजनी ठाकुर, कुमारी अनुरंजनी गौतम ने भी अपनी कवितायें सुनाई। सहायक लोक संपर्क अधिकारी कुल्लू जय प्रकाश शर्मा ने भी अपनी सुंदर गजल 'जिंदगी एक सफर है, चलो तो सही' सुनाई। यशपाल ठाकुर, अमरा देवी ने भी अपनी कवितायें सुनाई।

मंच संचालक कुमारी पल्लवी ठाकुर ने अपने गणतंत्र दिवस के अनुभवों पर सुंदर कविता सुनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉक्टर सूरत ठाकुर ने जीवन यात्रा पथ अनजाना एक सार गर्भित कविता सुनाई तथा सभागार में मौजूद सभी कवियों एवं कवित्रियों की रचनाओं के बारे में अपने विचार रखे। कार्यक्रम के समापन पर जिला भाषा अधिकारी प्रोमिला गुलेरिया ने कवि सम्मेलन में भाग लेने वाले सभी कवि एवं कवित्रियों, श्रोताओं का धन्यवाद किया।

आयोजन जिला एड्स निवारण व नियंत्रण समिति की बैठक डीसी की अध्यक्षता में आयोजित

अनुमानित एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों की संख्या 100 से कम

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, केलांग। डीसी कार्यालय केलांग के सम्मेलन कक्ष में जिला एड्स निवारण व नियंत्रण समिति की बैठक का आयोजन डीसी लाहौल-स्पीति किरण भड़ाना की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में जिले में एचआईवी/एड्स की वर्तमान स्थिति, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित गतिविधियों, उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं तथा विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार लाहौल-स्पीति जिला एचआईवी प्रसार के दृष्टिकोण से 'अत्यंत निम्न प्राथमिकता' श्रेणी में आता है, जहां वयस्कों में एचआईवी प्रचलन दर 0.10 प्रतिशत से भी कम है तथा अनुमानित संक्रमित व्यक्तियों की संख्या 100 से कम है। इसके बावजूद डीसी ने स्पष्ट किया कि इस स्थिति को बनाए रखने व और बेहतर करने के लिए निरंतर सतर्कता,

बैठक के दौरान अधिकारियों से चर्चा करती हुई डीसी। अनंत ज्ञान

जागरूकता व सेवाओं का सुदृढ़ क्रियान्वयन आवश्यक है।बैठक में राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित 95-95-99 लक्ष्यों की दिशा में जिले की प्रगति पर भी चर्चा की गई। जानकारी दी गई कि जिले में एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों में से अधिकांश अपनी स्थिति से अवगत हैं, उपचार से जुड़े हुए हैं तथा उनमें वायरल सप्रेशन की दर संतोषजनक है। डीसी ने निर्देश दिए कि शेष लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए परीक्षण सेवाओं का विस्तार, सामुदायिक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन तथा संपर्क ट्रेसिंग को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में उपलब्ध एचआईवी/एड्स से संबंधित सुविधाओं जैसे परामर्श एवं परीक्षण केंद्र, एसटीआई/आरटीआई क्लीनिक, रक्त बैंक सेवाएं तथा आईइसी गतिविधियों की जानकारी साझा की गई।

गर्भवती महिलाओं की एचआईवी व सिफलिस जांच की स्थिति पर भी चर्चा की गई तथा इसमें सुधार लाने के लिए निर्देश दिए गए। बैठक में उपमंडलाधिकारी केलांग कुनिका एकर्स, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रोशन लाल, खंड विकास अधिकारी डॉ. विवेक गुलेरिया तथा संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

'हर घर जल' लक्ष्य पर जोर

केलांग। जिला लाहौल-स्पीति में सोमवार को जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक उपायुक्त कार्यालय, केलांग में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त किरण भड़ाना ने की। इस दौरान जल शक्ति विभाग द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले में चल रहे कार्यों की प्रगति, उपलब्धियों और आगामी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। सदस्य सचिव डीडब्ल्यूएसएम व अधिशाषी अभियंता अजय गुप्ता ने बताया कि मिशन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक स्वच्छ पेयजल की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि लाहौल-स्पीति इस योजना के लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से प्राप्त करने वाले अग्रणी जिलों में शामिल है। बैठक में 'हर घर जल' प्रमाणन, जल सेवा आंकलन, स्रोत स्थिरता, प्रयोगशाला परीक्षण, जन शिकायत निवारण और योजनाओं के निरीक्षण जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अखिलेश कपूर की नियुक्ति से जिला कुल्लू भाजपा गदगद

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। मनाली विधानसभा क्षेत्र से जुड़े भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता व प्रदेश प्रवक्ता अखिलेश कपूर को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) का गैर-आधिकारिक सदस्य नियुक्त किए जाने पर जिला कुल्लू भाजपा में खुशी की लहर है। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए इसे संगठन के समर्पित कार्यकर्ता के सम्मान के रूप में देखा है।

भाजपा जिला अध्यक्ष अमित सूद ने कहा कि अखिलेश कपूर लंबे समय से संगठन के प्रति निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए पार्टी को मजबूत बनाने में अहम योगदान दिया है। उनकी यह नियुक्ति उनके त्याग और सेवा भाव का प्रमाण है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनका अनुभव भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अपनी नियुक्ति पर अखिलेश कपूर ने इसे सम्मान के साथ-साथ बड़ी

जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि वे इस दायित्व को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बंजार के विधायक सुरेंद्र शौरी, आनी के विधायक लोकेंद्र लोकी, पूर्व प्रत्याशी नरोतम ठाकुर, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी भीमसेन शर्मा, धनेश्वरी ठाकुर, राहुल सोलंकी, आदित्य विक्रम सिंह, ज्योति कपूर, मीना ठाकुर, मनीषा सूद सहित कई पदाधिकारियों ने भी खुशी जताई। जिला कुल्लू के विभिन्न मंडलों के अध्यक्षों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी अखिलेश कपूर को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पांचवें नवरात्र पर शूलिनी में उमड़ा भक्तों का सैलाब

अनंत ज्ञान

सोलन। सोलन में चैत्र नवरात्रि की धूम मची है, जहां माता शूलिनी मंदिर में भक्तों का सैलाब दिखता है। वहीं मंदिर में भजन-कीर्तन और विशेष पूजा-संत के साथ नौ दिव्य उत्सव मनाया जा रहा है। प्रसिद्ध शूलिनी माता मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ देखने को मिल रही है, जो अपनी आस्था और मन को लेकर पहुंच रहे हैं। नवरात्रि के पांचवें दिन स्कंदमाता की पूजा अर्चना की गई। वहीं शूलिनी मंदिर परिसर में भजन, कीर्तन और जयकारों से पूरा धार्मिक माहौल हो गया है। सोलन में चैत्र नवरात्रि की धूम मची है, जहां माता शूलिनी मंदिर में भक्तों का सैलाब दिखता है। वहीं मंदिर में भजन-कीर्तन और विशेष पूजा-संत के साथ नौ दिव्य उत्सव मनाया जा रहा है। प्रसिद्ध शूलिनी माता मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ देखने को मिल रही है, जो अपनी आस्था और मन को लेकर पहुंच रहे हैं। मंदिर परिसर में भजन, कीर्तन और जयकारों से पूरा धार्मिक माहौल हो गया है। नवरात्रि के पांचवें दिन स्कंदमाता की पूजा, जो भगवान कार्तिकेय (स्कंद) की माता और पार्वती का रूप हैं, ज्ञान, वात्सल्य और शक्ति प्रदान करती है। सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली देवी गोद में कार्तिकेय को धारण करती हैं। इन्हें प्रसन्न करने के लिए पीले फूल, फल और भोग अर्पित करना शुभ माना जाता है, जिससे संतान सुख और समृद्धि मिलती है।

मध्यप्रदेश की धरती पर बिखरी सिरमौर के गिरिपार की हाटी संस्कृति

आदिरंग महोत्सव में हाटी संस्कृति की शानदार प्रस्तुति

अनंत ज्ञान

बीआर चौहान, राजगढ़। आसरा संस्था पझौता, सिरमौर के प्रभारी एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार डॉ. जोगेंद्र हाब्बी ने जानकारी दी कि इन दिनों सिरमौर के गिरिपार क्षेत्र की हाटी संस्कृति से जुड़े लोक कलाकार मध्यप्रदेश के हरसूद में आयोजित तीन दिवसीय आदिरंग महोत्सव में अपनी मनोहारी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। यह महोत्सव 20 से 22 मार्च तक आयोजित किया गया, जबकि इसका औपचारिक शुभारंभ 19 मार्च को हुआ। भारत के विभिन्न राज्यों की जनजातीय नृत्य शैलियों को समर्पित इस महोत्सव में डॉ. जोगेंद्र हाब्बी के कुशल नेतृत्व और निर्देशन में लोक कलाकारों ने हाटी की नाटी के अंतर्गत अनेक पारंपरिक लोक विधाओं की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। इनमें ठोडा नृत्य, रिहाल्टी गी, दीपक एवं परात नृत्य तथा रासा नृत्य प्रमुख रहे। हरसूद में आयोजित इस महोत्सव में देशभर से 25 से अधिक सांस्कृतिक दलों ने भाग लिया। इन विविध प्रस्तुतियों के बीच हाटी की नाटी ने अपनी विशिष्ट शैली, ताल और आकर्षण के कारण विशेष स्थान बनाया और दर्शकों के बीच केंद्र बिंदु बनी रही। उल्लेखनीय है कि पद्मश्री विद्यानंद सरैक और डॉ. जोगेंद्र हाब्बी के मार्गदर्शन में इन कलाकारों ने हाटी की नाटी के साथ-साथ सिंहटू, भड़ाल्टू और डगैली नाच जैसी विलुप्तप्राय लोक विधाओं पर भी लंबे समय तक शोध किया है। इनके प्रयासों से ये पारंपरिक कलाएं न केवल संरक्षित हुई हैं, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी पहचान भी बना चुकी हैं।

मध्यप्रदेश के हरसूद में आयोजित तीन दिवसीय आदिरंग महोत्सव में पारंपरिक हाटी की नाटी प्रस्तुत करते कलाकार। अनंत ज्ञान

न्यूज ब्रीफ

शहीदी दिवस पर भव्य रैली का आयोजन

अनंत ज्ञान, सोलन। शहीदी दिवस के अवसर पर माय भारत एवं युवा संगठन यंग द्वारा शेड्स कॉलेज, चंबाघाट (लॉ कॉलेज) में एक भव्य रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'मेरा भारत, मेरी जिम्मेदारी' विषय पर एक वक्तृत्व (डिक्लेमेशन) प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा नेता डॉ. राजेश कश्यप द्वारा किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में युवाओं को देशभक्ति, त्याग और जिम्मेदारी की भावना को अपनाने के लिए प्रेरित किया। रैली के दौरान 'शहीद भगत सिंह अमर रहें' एवं 'राजगुरु अमर रहें' जैसे जोशीले नारों से पूरा वातावरण देशभक्ति से ओतप्रोत हो गया। प्रतियोगिता में लगभग 10 विद्यार्थियों ने भाग लिया और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर अपने विचार प्रस्तुत किए। लगभग 200 छात्र-छात्राओं एवं अन्य युवाओं ने रैली में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कसौली उपमंडल के स्थानीय अवकाश घोषित

अनंत ज्ञान, सोलन। उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने कसौली उपमंडल में स्थानीय अवकाश के संबंध में आदेश जारी करते हुए कहा कि माता मनसा देवी मेला, धर्मपुर के उपलक्ष्य में 27 मार्च तथा मेला माता चण्डी के उपलक्ष्य में 30 मई को कसौली उपमंडल की परिधि में स्थानीय अवकाश रहेगा।

ग्रुप बी कर्मचारियों का 3 फीसदी वेतन स्थगित करने पर प्रवक्ता संघ में रोष

अनंत ज्ञान, सोलन। हिमाचल प्रवक्ता संघ जिला सोलन ने मुख्यमंत्री से ग्रुप बी कर्मचारियों का 3 फीसदी वेतन स्थगित करने पर कड़ा रोष व्यक्त किया है। जिला सोलन प्रवक्ता संघ के प्रधान जय लाल जलपाईक ने कहा है कि सरकार द्वारा कर्मचारियों की 2022 से वित्तीय देनदारियां लंबित है। ऊपर से 3 फीसदी का वेतन स्थगित करना समझ से पर है। उन्होंने बताया कि अधिकांश प्रवक्ता 60,000 से 70000 के बीच वेतन ले रहे हैं, ऐसे में अगर वेतन उनका वेतन कटता तो उन्हें पारिवारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने सरकार से आग्रह है कि वेतन स्थगित करने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करें अन्यथा आने वाले समय में सरकार को कर्मचारियों के विरोध का सामना करना पड़ेगा।

सिरमौर में बाइक और स्कूटी की आमने-सामने टक्कर, पिता-पुत्र घायल

अनंत ज्ञान, नाहन। सिरमौर जिले में पांवटा साहिब-शिलाई नेशनल हाईवे-707 पर सिरमौरी ताल के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसा पेश आया। इस हादसे में बाइक और स्कूटी की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और सवार सड़क पर जा गिरे। जानकारी के अनुसार सिरमौरी ताल निवासी जसपाल सिंह (62) अपने बेटे अमित पाल (39) के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर राजबन की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे हाईवे पर सिरमौरी ताल के पास पहुंचे, सामने से आ रही स्कूटी से उनकी सीधी टक्कर हो गई। हादसा इतना और जोरदार था कि दोनों पिता-पुत्र सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों द्वारा घायलों को तुरंत पांवटा साहिब के सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां दोनों का प्राथमिक उपचार किया गया। पुलिस अधीक्षक निश्चिंत सिंह नेगी ने मामले की पुष्टि की है।

कार में बैठे दो युवकों से 8 ग्राम चिट्टा बरामद

अनंत ज्ञान, सोलन। जिला पुलिस की एसआईयू टीम ने रबोन बाईपास पर नाकाबंदी करके एक स्विफ्ट डिजायर की तलाशी के दोरान सवार दो युवकों से 8 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। आरोपियों की पहचान अंकुश (26 वर्ष) व जतिन कुमार (30 वर्ष) के रूप में हुई है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

कंडाघाट कॉलेज के मेधावी विद्यार्थी पुरस्कृत

अनंत ज्ञान, कंडाघाट। कंडाघाट उपमंडल मुख्यालय स्थित डिग्री कॉलेज कंडाघाट में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह सोमवार को आयोजित किया गया। इसमें मानव संसाधन प्रबंधक, शिवालिक बाय मेटल कंट्रोल लिमिटेड सोलन राजीव शर्मा बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य डॉ. मदन लाल मनकोटिया ने सत्र 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसमें उन्होंने कॉलेज की शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेलकूद एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कुल 182 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

अनुसूचित जाति श्रेणी के योग्य उम्मीदवारों से स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए आवेदन

अनंत ज्ञान, नाहन। जिला सिरमौर में सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग द्वारा लागू की गई केंद्र प्रायोजित योजना 'प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना' पीएम-अजय के तहत अनुसूचित जाति श्रेणी के योग्य उम्मीदवारों से स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए आवेदन लिए जा रहे हैं। यह जानकारी जिला कल्याण अधिकारी गावा सिंह नेगी ने देते हुए बताया कि आवेदन जिला कल्याण अधिकारी कार्यालय नाहन अथवा तहसील कल्याण अधिकारी कार्यालय में 31 मार्च से पूर्व जमा करवाने होंगे। आवेदन फॉर्म शिमला की ऑफिशियल वेबसाइट पर उपलब्ध है। कोर्स अप्रैल, 2026 से शुरू होगा।

सोलन सहकारी फेडरेशन चुनाव परिणाम में कांग्रेस का नौ साल बाद कब्जा

सुरेंद्र ठाकुर चेयरमैन, कपिल शर्मा चुने गए वाइस चेयरमैन

अनंत ज्ञान

आर मोहन चौहान, सोलन। जिला सोलन सहकारी विपणन एवं उपभोक्ता फेडरेशन के चुनाव में कांग्रेस ने आख़िरकार 9 वर्ष बाद महत्वपूर्ण जीत हासिल की है। चेयरमैन पद पर सुरेंद्र ठाकुर और वाइस चेयरमैन पद पर कपिल शर्मा का चयन हुआ। फेडरेशन के चेयरमैन व वाइस चेयरमैन पद चार माह से रिक्त थे। 25 नवंबर, 2025 को निदेशक मंडल चुनाव में भाजपा ने 7 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को 2 मिलीं। कांग्रेस ने बहुमत के लिए 6 निदेशकों को मनोनीत किया। कुल 15 सदस्यीय बोर्ड में 8 वोटों की जरूरत थी। चुनाव 17 मार्च, 2026 को सुबह 11 बजे निर्धारित था, लेकिन हाथ उठाकर या गुप्त मतदान पर विवाद के कारण स्थगित हो गया। 23 मार्च को हुए चुनाव में चेयरमैन पद पर सुरेंद्र ठाकुर और वाइस चेयरमैन पद पर कपिल शर्मा का चयन हुआ।

प्रसन्नचित मुद्रा में चुने गए प्रतिनिधि। अनंत ज्ञान

सीएम के मार्गदर्शन में मिली जीत

जिला सोलन सहकारी विपणन एवं उपभोक्ता फेडरेशन चुनाव में मिली जीत पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष वर्मानी ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के कार्यप्रणाली और मार्गदर्शन से 9 साल बाद फेडरेशन पर कांग्रेस का कब्जा हुआ है। उन्होंने कहा की स्थानीय विधायक व मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल, अर्की के विधायक संजय अवस्थी और अन्य विधायकों के दिशा-निर्देश से कांग्रेस ने इस चुनाव में सभी ने एकजुटता दिखाई। जिसके परिणाम स्वरूप कांग्रेस फेडरेशन के चेयरमैन और डिप्टी चेयरमैन पद पर काबिज हो पाई।

फेडरेशन के कार्य

सोलन सहकारी विपणन एवं उपभोक्ता फेडरेशन (हिमफेड का हिस्सा) कृषि उत्पादों के विपणन, उर्वरकों के वितरण व आवश्यक उपभोक्ता वस्तुओं की उचित दर पर आपूर्ति सुनिश्चित करने का कार्य करता है। यह सोलन में किसानों को उपकरण, बीज व खाद उपलब्ध कराता है। कोल्ड स्टोरेज की सुविधा देता है और सेब जैसी फसलों के लिए बाजार हस्तक्षेप योजना का प्रबंधन करता है।

मिलकर फेडरेशन को आगे बढ़ाएंगे : सुरेंद्र

नवनियुक्त चेयरमैन सुरेंद्र ठाकुर ने चुनाव जीत पर मुख्यमंत्री सहित अन्य पार्टी नेताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि फेडरेशन को मिल-जुलकर आगे बढ़ाया जाएगा। सुरेंद्र ठाकुर घणागुघाट ग्राम पंचायत से जुड़े हैं और स्थानीय सहकारी क्षेत्र में सक्रिय। कपिल शर्मा वाइस चेयरमैन चुने गए, जो कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा हैं। यह जीत सोलन में कांग्रेस की बढ़त को दर्शाती है। फेडरेशन उपभोक्ता हितों व विपणन पर केंद्रित है, इसलिए नई कमेटी के फैसले जिले के लिए अहम होंगे।

8931 दिन के ऐतिहासिक सफर के मोदी बने सबसे लंबे समय तक के जनसेवक : डॉ. बिंदल

अनंत ज्ञान

नाहन। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में 8931 दिन पूर्ण करने पर उन्हें बधाई दी है। उन्होंने इसे देश के लिए गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि मोदी अब सबसे लंबे समय तक जनसेवा देने वाले जननेता बन गए हैं। डॉ. बिंदल ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी का कार्यकाल विकास आधारित राजनीति का मजबूत उदाहरण रहा, जिसे उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भी आगे बढ़ाया। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने स्वयं को 'प्रधानसेवक' के रूप में प्रस्तुत कर देश की राजनीति को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। आज देश आर्थिक, सामरिक और कूटनीतिक रूप से पहले से अधिक सशक्त हुआ है।

बिंदल ने कहा कि मोदी सरकार ने गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, युवा सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को जमीन पर उतारने का काम किया है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मंत्र देशभर में प्रभावी रूप से लागू हुआ है। डॉ. बिंदल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए कहा कि वे आगे भी देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाते रहेंगे।

बजट जनता के साथ धोखा है

अनंत ज्ञान, नाहन। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने हरिपुरधार में श्री रेणुका जी विधानसभा क्षेत्र के तीन मंडलों की संयुक्त बैठक में बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। डॉ. बिंदल ने कहा कि इस बैठक में विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा एवं मंथन हुआ। इसके अलावा विभिन्न जन-समस्याओं पर भी बैठक में गंभीर चिंतन हुआ। डॉ. बिंदल ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खु द्वारा प्रस्तुत बजट हिमाचल को पीछे ले जाने वाला यानी 'बैक गियर बजट' है। उन्होंने कहा कि 4000 करोड़ रुपए की कटौती, गारंटियों पर धोखा और विकास योजनाओं पर ब्रेक, यह सब इस बजट की मुख्य विशेषताएं हैं और ऐसा बजट हिमाचल के इतिहास में कभी प्रस्तुत नहीं हुआ है। डॉ. बिंदल ने कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्षों से कांग्रेस सरकार केंद्र की मोदी सरकार को कोसने में लगी रही है और चौथे बजट की शुरुआत भी उसी मानसिकता के साथ की गई। जबकि सच्चाई यह है कि हिमाचल प्रदेश में चल रही अधिकांश योजनाएं केंद्र प्रायोजित हैं और प्रदेश का विकास केंद्र सरकार के सहयोग से ही आगे बढ़ रहा है।

सिरमौर के छह युवा राष्ट्रीय बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में हिमाचल का करेंगे प्रतिनिधित्व

अनंत ज्ञान

नाहन। आईबीबीएफ यानी इंडियन बॉडी बिल्डर फेडरेशन द्वारा मध्य प्रदेश के इंदौर में आयोजित की जा रही राष्ट्रीय स्तरीय मिस्टर इंडिया प्रतियोगिता में सिरमौर जिला से 6 युवा भाग लेंगे, जो हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। इन प्रतिभागियों ने नाहन में सोमवार को पूर्व विधायक और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल से मुलाकात की। भाजपा अध्यक्ष ने राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों को बधाई दी और उम्मीद जताई कि ये प्रतिभागी इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। राजीव बिंदल ने कहा कि बॉडी बिल्डिंग की शौकीन युवा जहां खुद को स्वस्थ और ऊर्जावान रखते हैं, वही नशे जैसी बुरी आदतों से भी दूर रहते है। राष्ट्रीय सचिव प्रतियोगिता के प्रतिभागी और जिम ट्रेनर मनीष सेठी ने बताया कि 28, 29 मार्च को इंदौर में 17वीं राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित होने जा रही है, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से करीब 500 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि आईबीबीएफ एक मात्र ऐसी संस्था है, जो उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को भविष्य को लेकर चिंतित रहती है और उन्हें सरकारी नौकरी भी उपलब्ध करवाती है।

बजट ग्रामीण समृद्धि, युवा सशक्तिकरण का उत्प्रेरक : संजय

अनंत ज्ञान

सोलन। कांग्रेस नेता कर्नल डॉ. संजय शांडिल ने प्रदेश सरकार के बजट को परिवर्तनकारी ब्लूप्रिंट बताया। जो सैन्य अनुशासन को सामाजिक करुणा के साथ जोड़कर आत्मनिर्भर हिमाचल का निर्माण करता है। कर्नल संजय ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू की तरफ से जारी बजट को सरकार की साहसिक वित्तीय प्रबंधन और राज्य के ग्रामीण हृदय स्थल पर अटल ध्यानाकर्षण की प्रशंसा की। उन्होंने 'मुख्यमंत्री अपना सुखी परिवार' योजना को सामाजिक इंजीनियरिंग का मास्टर स्ट्रोक बताया, जो राज्य के 1 लाख सबसे कमजोर परिवारों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली और आवश्यक आवास सहायता सुनिश्चित करती है। कर्नल शांडिल ने 'मिशन ग्रीन हिमाचल' और कांगड़ा एरो-सिटी के विकास की दृष्टि की प्रशंसा की, नोट करते हुए कि ये परियोजनाएं न केवल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देंगी बल्कि युवाओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाली स्थानीय रोजगार सृजित करेंगी।

उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि एक सैनिक और समाजसेवी के रूप में, मैं इस बजट को दोहरी रणनीति के रूप में देखता हूं। यह हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की 'प्रतिरक्षा' को मजबूत करता है जबकि दीर्घकालिक विकास के लिए आवश्यक 'रणनीतिक गहराई' प्रदान करता है।

ओमैक्स पार्कवुड रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन

जसविंदर सिंह लक्की के नेतृत्व में सोसायटी विकास को नई दिशा

अनंत ज्ञान

ओम शर्मा, बद्दी। औद्योगिक क्षेत्र बीबीएन की सबसे पॉश रेजिडेंशियल कॉलोनी के हुए चुनाव में जसविंदर सिंह लक्की ने प्रधान पद देवेंद्र चौधरी ने महासचिव पद, उपप्रधान पद पर नवीन शर्मा व कोषाध्यक्ष पद राहुल ने जीत हासिल की थी। बीती 15 मार्च को हुए चुनाव में ओमैक्स रेजिडेंशियल सोसायटी के कुल 310 वोटरों में से 295 ने मतदान कर चारों पदों के लिए प्रतिभागियों को चुना। जिसके बाद अब ओमैक्स पार्कवुड रेजिडेंशियल वेल्फेयर एसोसिएशन ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए नई टीम का गठन किया है। एसोसिएशन के प्रधान जसविंदर सिंह (लक्की) के नेतृत्व में गठित इस कार्यकारिणी में विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों एवं सदस्यों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

नई कार्यकारिणी में संजीव शर्मा को नामित उपप्रधान, अंशुमान उप्पल को सह-कोषाध्यक्ष तथा अखिल दीक्षित, सुनील पांडे, मुकेश सिंगला और अनिल बलियान को संयुक्त सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। कार्यकारिणी में प्रनय बत्रा, पुनीत गर्ग, मनीष तिवारी, पुलकित, अजीत सिंह, अरविंद गौतम, सोमवीर गहलावत, शिव वर्मा, राजू यादव और नरेंद्र चौधरी को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। वहीं विवेक ठाकुर को विधिक सलाहकार, नवीन शर्मा को वरिष्ठ सलाहकार तथा प्रदीप दुबे को भी वरिष्ठ सलाहकार की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शिवम मिश्रा को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है।

एसोसिएशन के प्रधान जसविंदर सिंह (लक्की) ने कहा कि नई टीम सोसाइटी के विकास, मूलभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और निवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

ओमैक्स पार्कवुड रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन की चुनी गई कमेटी प्रधान जसविंदर लक्की के साथ। अनंत ज्ञान

जल शक्ति विभाग की योजनाओं से उपकरण चोरी करने वाला गिरोह पकड़ा

कार्रवाई : पांच आरोपी गिरफ्तार मोटर-उपकरण और वाहन बरामद

अनंत ज्ञान

एसपी जैरथ, नाहन। सिरमौर जिला में जल शक्ति विभाग की योजनाओं से सरकारी उपकरण चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। नाहन थाना में दर्ज मुकदमा संख्या 30/26 के तहत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और भारी मात्रा में चोरी का सामान बरामद किया है। यह मामला जल शक्ति उपमंडल नाहन के सहायक अभियंता रोशन लाल की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था।

शिकायत के अनुसार 28 जनवरी से 21 फरवरी 2026 के बीच शम्बुवाला, मलोनवाला भूड़ और खजूरना क्षेत्रों में स्थित विभिन्न जल आपूर्ति और सिंचाई योजनाओं से अज्ञात व्यक्तियों ने मोटर, पंप सेट, वाल्व व बिजली के केबल चोरी किए थे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जांच शुरू की और विशाल, हरपन, सुलेमान, प्रिंस तथा गगन को हिरासत में लिया।

बरामद किया गया चोरी का सामान।

आरोपियों से पूछताछ के आधार पर सुखचैनपुर निवासी मोहित, जो एक स्क्रैप कारोबारी है, की दुकान और स्टोर पर छापेमारी की गई। वहां से चोरी का सामान बरामद हुआ, जिसमें तीन नई मोटरें, एक महंगा स्टार्टर, एक ऑयल सर्किट ब्रेकर और अन्य मैकेनिकल व इलेक्ट्रिकल उपकरण शामिल हैं। इसके अलावा घटना में इस्तेमाल किए गए टूलकिट, लोहे की रॉड, कटर और तार के टुकड़े भी जब्त किए गए हैं। पुलिस ने चोरी में इस्तेमाल की गई एक स्विफ्ट कार को भी कब्जे में लिया है। एसपी सिरमौर निश्चिंत सिंह नेगी ने बताया कि आगे और अहम खुलासे होने की संभावना है।

होटल-रेस्तरां में सिलेंडर चेकिंग, नियमों को लेकर विभाग सख्त

अनंत ज्ञान, सोलन। खाद्य आपूर्ति विभाग ने सोमवार को होटल और रेस्तरां में व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की जांच को लेकर विशेष अभियान चलाया। अधिकारियों की टीम ने होटल, ढाबों और रेस्तरां में पहुंच कर सिलेंडरों के उपयोग, सुरक्षा मानकों और दस्तावेजों की गहन जांच की। विभाग ने स्पष्ट किया कि घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित है और ऐसा पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान कई स्थानों पर होटल कारोबारियों को नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए। विभाग ने कहा कि इस तरह के अभियान का मुख्य उद्देश्य आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना और किसी भी संभावित दुर्घटना को रोकना है।

विकास व संस्कृति संरक्षण पर दिया जोर, संतुलित विकास को प्रतिबद्ध सरकार : अवस्थी

अर्की में 70 लाख के विकास कार्यों की रखी आधारशिला

अनंत ज्ञान

अर्की/सोलन। सोलन जिला के अर्की विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए विधायक संजय अवस्थी ने 70 लाख रुपए की लागत से विभिन्न परियोजनाओं

- दाड़लाघाट में वार्षिक देव जातरा समारोह में देवताओं का लिया आर्शीवाद

की आधारशिला रखी। ग्राम पंचायत चाखड़ के तून बढ़यार में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आर्थिक विषमताओं के बावजूद प्रदेश सरकार हिमाचल के संतुलित विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने 35 लाख रुपए की लागत से असलू-मैथी-पाथा-मटरेच एम्बुलेंस मार्ग तथा 35 लाख रुपए से बुघार-बायटाडू-कन्वलसा एम्बुलेंस मार्ग के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। यह धनराशि जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट के माध्यम से उपलब्ध करवाई गई है। विधायक ने कहा कि अर्की क्षेत्र का बिना किसी भेदभाव के सर्वांगीण विकास उनकी प्राथमिकता है। अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि सीमित संसाधनों और प्राकृतिक आपदाओं के बावजूद प्रदेश सरकार ने प्रभावी नीतिगत निर्णय लिए हैं। उन्होंने प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 2.83 लाख रुपए होने को बड़ी उपलब्धि बताया। विधायक ने किसानों के हितों का जिक्र करते हुए कहा कि दूध के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि कर गाय का दूध 61 और भैंस का 71 रुपए प्रति लीटर निर्धारित किया गया है।

इसके उपरांत दाड़लाघाट में आयोजित 32वें वार्षिक देव जातरा समारोह में भाग लेकर उन्होंने देवताओं का आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि देव परंपराएं हमारी सांस्कृतिक पहचान हैं और सरकार इनके संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर विधायक ने जनसमस्याएं सुनीं और उनके समाधान के निर्देश दिए।

विकास कार्यों का लोकार्पण करते विधायक संजय अवस्थी। अनंत ज्ञान

भारतीय सेना में 7वीं पिनाका रेजिमेंट शामिल 44 सेकंड में 72 रॉकेट दागने की क्षमता

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं पर बढ़ते सुरक्षा खतरों के बीच भारतीय सेना ने एक और पिनाका रेजिमेंट को शामिल किया है। वहीं, इस साल के अंत तक भारतीय सेना एक और पिनाका रेजिमेंट को शामिल करने की तैयारी कर रही है। नई रेजिमेंट के आने के साथ ही अब सीमाओं पर कुल सात पिनाका रेजिमेंट तैनात हो गई हैं। यह रजिमेंट भारत के पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं पर लंबी दूरी की मारक क्षमता बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है।

10 पिनाका रॉकेट की तैयारी : रक्षा प्रतिष्ठान के एक सूत्र ने बताया कि आठवीं रेजिमेंट को आधे से अधिक साजो-सामान मिल चुका है। यह 2026 के अंत से पहले चालू हो जाएगी।' इसके अलावा अगले साल दो और रेजिमेंटों के चालू होने की संभावना है, जिससे तैनाती में पिनाका रेजिमेंटों की कुल संख्या 10 हो जाएगी।

भारत का प्रमुख स्वदेशी मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर : पिनाका भारतीय सेना के लिए डीआरडीओ द्वारा विकसित पिनाका, भारत का प्रमुख स्वदेशी मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर है। जहां शुरुआती रेजिमेंट की रेंज 40 किमी थी। वहीं, गाइडेड पिनाका और लॉन्ग-रेंज गाइडेड रॉकेट जैसे नए वेरिएंट की रेंज 120 किमी तक बढ़ा दी गई है, जिससे यह सिस्टम डीप-स्ट्राइक ऑपरेशंस के लिए एक महत्वपूर्ण संपत्ति बन गया है।

लंबी दूरी तक दुश्मनों के ठिकानों, बंकरों और टैंकों को तबाह करने में सक्षम है। जानकारी के अनुसार, यह 'शूट एंड स्कूट' तकनीक पर काम करता है। इकी रेंज 45 से 90 किमी तक है। (अनंत ज्ञान)

खासियत

- एक पिनाका रेजिमेंट में आम तौर पर तीन बैटरी होती हैं। हर बैटरी छह पिनाका लॉन्चर चलाती है, जिससे एक रेजिमेंट को 18 लॉन्चर मिलते हैं।
- ट्रेनिंग और युद्ध के समय रिप्लेसमेंट के लिए आम तौर पर दो और लॉन्चर रखे जाते हैं।
- छह लॉन्चर की एक बैटरी लगभग 44 सेकंड में 72 रॉकेट दाग सकती है।
- भगवान शिव के दिव्य धनुष के नाम पर इसे डिज़ाइन किया गया है।
- पिनाका से कम समय में ज्यादा गोलीबारी करके बड़े इलाकों को तबाह किया जा सकता है।
- सिस्टम को हाई-मोबिलिटी टाट्रा या टाटा ट्रक पर लगाया गया है, जिससे शूट एंड स्कूट कैपेबिलिटी है।

जम्मू यूनिवर्सिटी में जिन्ना से जुड़े टॉपिक्स हटाने की सिफारिश

एजेंसी, जम्मू

◆ नए सिलेबस में जिन्ना, सर सैयद और इकबाल को जोड़ा था

जम्मू यूनिवर्सिटी में एमए पॉलिटिकल साइंस के सिलेबस से मोहम्मद अली जिन्ना, सर सैयद अहमद खान और मोहम्मद इकबाल से जुड़े टॉपिक्स हटाने की सिफारिश की गई है। यह सिफारिश विभागीय मामलों की समिति ने की है। अब इस पर अंतिम फैसला 24 मार्च को बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक में होगा।

उधर, कांग्रेस का कहना है कि सिलेबस को लेकर विवाद जानबूझकर खड़ा किया जा रहा है। एबीवीपी के छात्रों ने शनिवार को जिन्ना की तस्वीर और पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन किया था। एबीवीपी के छात्रों ने शनिवार को जिन्ना की तस्वीर और पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन किया था।

सिलेबस में जिन्ना को जोड़ने के बाद हुआ विवाद : पॉलिटिकल साइंस के सिलेबस में 'माइनॉरिटीज एंड द नेशन' पेपर के तहत जिन्ना के राजनीतिक विचार शामिल किए गए थे, जिसके बाद विवाद शुरू हुआ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने शनिवार को यूनिवर्सिटी में प्रदर्शन कर इन टॉपिक्स को हटाने की मांग की थी। एबीवीपी के जम्मू-कश्मीर राज्य सचिव सन्नक श्रीवत्स ने बताया कि पहले जिन्ना का जिक्र 'टू-नेशन थ्योरी' के संदर्भ में होता था, जहां उन्हें विभाजन की सोच से जोड़ा जाता था। (अनंत ज्ञान)

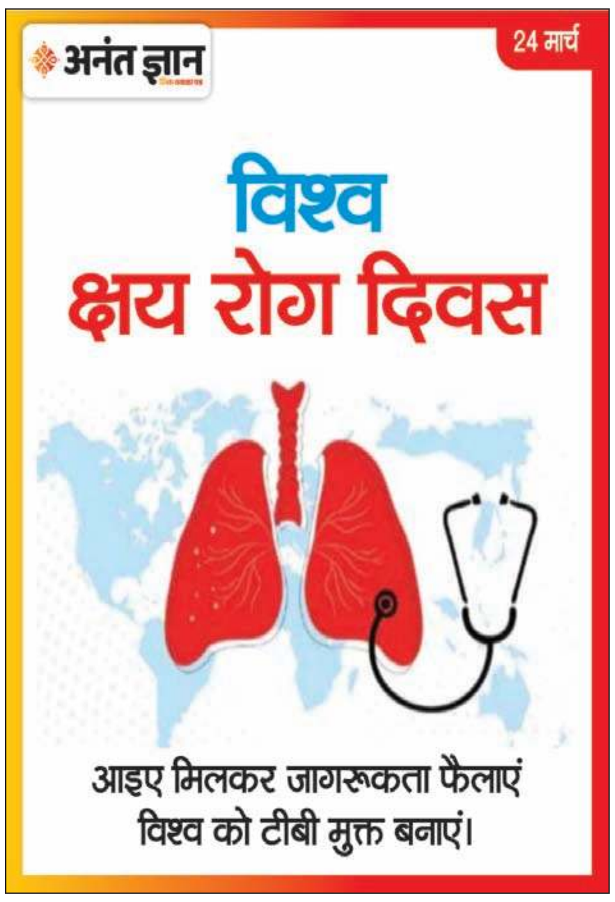

मणिपुर में 14 उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार बरामद

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर पुलिस ने थौबल जिले के नोंगपोक सेकमाई थाना क्षेत्र के हाओखोंग इलाके में एक बड़े अभियान के दौरान प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ-कोइरेंग) से जुड़े 14 कैडरों को गिरफ्तार किया। पुलिस मुख्यालय के अनुसार, यह कार्रवाई रविवार को की गई और गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों की पहचान विभिन्न जिलों इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर और थौबल—के निवासियों के रूप में हुई है। इनमें कई के उपनाम भी बताए गए हैं, जो संगठन में उनकी भूमिकाओं की ओर संकेत करते हैं।

अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार और अन्य सामग्री भी बरामद की। इनमें दो इंसास राइफलें, आठ इंसास लाइट मशीन गन मैगजीन, पांच इंसास राइफल मैगजीन और 100 राउंड गोला-बारूद शामिल हैं। इसके अलावा एक लाख रुपए नकद, 12 मोबाइल फोन, पांच हेलमेट, पांच बैकपैक और चार चार-पहिया वाहन भी जब्त किए गए। अधिकारियों का मानना है कि इस कार्रवाई से इंफाल घाटी और आसपास के क्षेत्रों में संगठन के स्थानीय नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। फिलहाल सभी गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है, ताकि उनकी गतिविधियों और नेटवर्क के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस ने कहा है कि मामले की जांच अभी जारी है। (अनंत ज्ञान)

झारखंड में टीएसपीसी से जुड़े आठ नक्सली गिरफ्तार

एजेंसी, हजारीबाग (झारखंड)। झारखंड के हजारीबाग जिले में प्रतिबंधित तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) से जुड़े आठ नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से हथियार व गोला-बारूद जब्त किए गए हैं। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि एक सूचना के आधार पर, सुरक्षा बलों ने शनिवार को उरिमारी चौकी क्षेत्र में नक्सलियों को पकड़ा। सदर अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) अमित आनंद ने कहा कि हमने टीएसपीसी के आठ नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से दो इंसास राइफल, एक देसी पिस्तौल, 130 कारतूस, चार पहिया वाहन और सात मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। (अनंत ज्ञान)

लाल किला विस्फोट मामले में एनआईए की जम्मू-कश्मीर में कई स्थानों पर छापेमारी

एजेंसी, श्रीनगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने लाल किला कार बम विस्फोट मामले की जांच के सिलसिले में सोमवार को जम्मू-कश्मीर में विभिन्न स्थानों पर तलाशी ली। एनआईए के एक प्रवक्ता ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के विभिन्न स्थानों में नौ स्थानों पर तलाशी ली जा रही है। इनमें कुपवाड़ा जिले का हंदवाड़ा क्षेत्र, बारामूला जिले का रफियाबाद और कुलगाम और श्रीनगर जिलों के स्थान शामिल हैं। पिछले साल 10 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी को हिलाकर रख देने वाले लाल किले के पास हुए विस्फोट में कम से कम 13 लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे। यह विस्फोट हरियाणा के फरीदाबाद में अल फलाह विश्वविद्यालय में एक मेडिकल डॉक्टर और सहायक प्रोफेसर आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी ने किये थे, जिन्होंने प्रतिष्ठित स्मारक के बाहर विस्फोटक से भरी कार को उड़ा दिया था। एनआईए ने इस मामले में अब तक 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। (अनंत ज्ञान)

न्यूयॉर्क में कनाडा का विमान पोर्ट अथॉरिटी के वाहन से टकराया, दो पायलटों की मौत

एजेंसी, न्यूयॉर्क

एयर कनाडा का एक विमान न्यूयॉर्क के ला गार्डिया हवाई अड्डे पर उतरने के बाद पोर्ट अथॉरिटी के एक वाहन से टकरा गया, जिसके चलते दो लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी प्राधिकारियों ने दी। दुर्घटना की जांच के बारे में जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि इस दुर्घटना के कारण विमान का अगला क्षतिग्रस्त हो गया जबकि क्षतिग्रस्त वाहन पास खड़ा दिखा।

उक्त व्यक्ति ने यह जानकारी अपना नाम गुप्त रखने की शर्त पर दी क्योंकि वह जारी जांच के बारे में जानकारी देने के लिए अधिकृत नहीं था। एयरलाइन के एक बयान के अनुसार, विमान में 72 यात्री और चार चालक दल के सदस्य सवार थे, यह जैज एविएशन की उड़ान थी जो एयर कनाडा की ओर से संचालित की जा रही थी। इससे पहले, न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी पोर्ट अथॉरिटी ने एक बयान में कहा कि रविवार रात लगभग 11:45 बजे, एयर कनाडा की ओर से संचालित कर रही जैज एविएशन की एक उड़ान ने ला गार्डिया हवाई अड्डे पोर्ट अथॉरिटी के एक बचाव और अग्निशमन वाहन को टक्कर मार दी, जो किसी दूसरी घटना की सूचना मिलने के बाद वहां पहुंचा था।' अधिकारियों ने बताया कि हादसे की जांच के दौरान हवाई अड्डा बंद रख गया। जैज एविएशन ने हादसे की पुष्टि करते हुए बयान जारी किया। विमानन कंपनी जैज एविएशन ने एक बयान जारी कर दुर्घटना की पुष्टि की और बताया कि यात्रियों और चालक दल की सूची प्रारंभिक है और इसकी पुष्टि होना बाकी है। (अनंत ज्ञान)

नेपाल में 136 करोड़ का क्रिप्टो कारोबार करने में एक भारतीय सहित तीन गिरफ्तार

एजेंसी, काठमांडू। नेपाल में 136 करोड़ रुपये से अधिक क्रिप्टो करेंसी का अवैध कारोबार करने के आरोप में अपराध जांच शाखा ने काठमांडू से एक भारतीय नागरिक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

काठमांडू के पुलिस प्रवक्ता एसपी पवन भट्टराई ने बताया कि सबसे पहले एक महिला दीप्ति पोखरेल को 15 लाख 30 हजार रुपये नकद सहित गिरफ्तार किया। इन पैसों की जांच करने पर बड़े पैमाने पर क्रिप्टो कारोबार का खुलासा हुआ। पोखरेल से पूछताछ के बाद दो और लोगों की गिरफ्तारी सोमवार को हुई। गिरफ्तार किए गए लोगों में भारतीय नागरिक प्रवेश अली और बांके जिला के नरेश रेउले शामिल हैं।

जांच के दौरान उनके मोबाइल में Binance आईडी पाई गई, जिसमें कुल 136 करोड़ 80 लाख 45 हजार 580 रुपए के बराबर का लेन-देन दर्ज मिला। पुलिस ने बताया कि क्रिप्टो कारोबार का जाल नेपाल से लेकर भारत और खाड़ी देशों तक जुड़ा हुआ है। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपितों को आगे की कार्रवाई के लिए जिला प्रहरी परिसर, काठमांडू भेज दिया गया है। (अनंत ज्ञान)

नगर पार्षद राजबीर सिंह राजी ने भगत सिंह को दी श्रद्धांजलि

अनंत ज्ञान

गुरनाम सागर, चंडीगढ़। शहीद दिवस के अवसर पर नगर पार्षद राजबीर सिंह राजी ने महान क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें देश की आजादी का अमर नायक बताया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भगत सिंह का जीवन देशभक्ति, साहस व बलिदान का प्रतीक है, जो आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बना हुआ है।

राजबीर सिंह राजी ने अपने संदेश में कहा कि शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव जैसे वीरों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर आने वाली पीढ़ियों को स्वतंत्रता का अमूल्य उपहार दिया।

उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे शहीदों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं व राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज के समय में देश के प्रति जिम्मेदारी निभाना ही शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अंत में, राजी ने सभी नागरिकों से शहीदी दिवस पर शहीदों को नमन करने और उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

शिमला में पहली बार जीआई महोत्सव

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। शिमला में पहली बार Xpo Originals GI महोत्सव का आयोजन 26 से 29 मार्च तक द पीटरहॉफ होटल, चौड़ा मैदान, शिमला में किया जा रहा है। इस महोत्सव में देशभर से आए 100+ जियोग्राफिकल इंडिकेशन प्रमाणित उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। यह प्रदर्शनी शिमला व हिमाचल प्रदेश के लोगों को एक अनोखा अवसर देती है, जहां वे सीधे कारीगरों और उत्पादकों से असली और क्षेत्रीय खास उत्पाद खरीद सकेंगे। जीआई महोत्सव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के सहयोग से आयोजित एक पहल है, जिसे इंडिया SME फोरम द्वारा आयोजित और CIPRPF द्वारा क्यूरेट किया गया है। इसका उद्देश्य भारत की समृद्ध पारंपरिक विरासत को बढ़ावा देना और कारीगरों, किसानों और छोटे उद्यमियों को ग्राहकों से सीधे जोड़ना है। इस प्रदर्शनी

में आगंतुकों को कई तरह के जीआई प्रमाणित उत्पाद देखने और खरीदने का मौका मिलेगा, जैसे हैंडलूम साड़ियां, टेक्सटाइल्स, ज्वेलरी, हैंडीक्राफ्ट, होम डेकोर, फैब्रिक्स, ऑर्गेनिक और कृषि उत्पाद, मसाले, सिरप, फुटवियर, फल, खिलौने और अन्य क्षेत्रीय विशेषताएं। हर उत्पाद अपनी पहचान और गुणवत्ता के लिए जाना जाता है और अपने क्षेत्र की परंपरा को दर्शाता है। 100 से अधिक श्रेणियों के इन असली और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को एक ही स्थान पर लाकर यह महोत्सव लोगों को भारत की विविध कला और संस्कृति को करीब से जानने का मौका देता है। साथ ही, सीधे कारीगरों से खरीदारी करने से उनकी आजीविका को भी समर्थन मिलता है। यह महोत्सव लोगों को जीआई टैग के महत्व और पारंपरिक कला व उत्पादों को संरक्षित रखने की आवश्यकता के बारे में भी जागरूक करता है। प्रदर्शनी का समय प्रतिदिन सुबह 11 से शाम 7 बजे तक रहेगा। शिमला और आसपास के सभी लोगों को आमंत्रित किया जाता है कि वे इस महोत्सव में आकर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनुभव करें।

हरियाणा पुलिस ने बादशाह का गीत शेयर करने वाले 857 लिंक हटाए

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। बॉलीवुड सिंगर बादशाह के विवादित गीत टटीरी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए हरियाणा पुलिस ने इस गीत से जुड़े 857 लिंक हटवा दिए हैं।

हरियाणा पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल द्वारा सोमवार को जारी जानकारी के अनुसार हटाए गए लिंक में 154 यूट्यूब वीडियो और 703 इंस्टाग्राम रील्स शामिल हैं। टटीरी गीत को लेकर पंचकूला पुलिस द्वारा सेक्टर 20 के पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस टीमें गीत से जुड़े डिजिटल कंटेंट की लगातार मॉनिटरिंग कर रही हैं और इसके प्रसार में शामिल अन्य व्यक्तियों व सोशल मीडिया हैंडल्स की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के साथ समन्वय स्थापित कर कानूनी प्रक्रिया के तहत की जा रही है, जिसके तहत संबंधित प्लेटफॉर्म्स को नोटिस जारी कर गीत के सभी वर्जन—री-अपलोड, शॉर्ट वीडियो और अन्य रूपों—को हटाने के निर्देश दिए गए हैं। यह कदम विशेष रूप से उन आपत्तिजनक सामग्रियों पर रोक लगाने के लिए उठाया गया है, जिनमें महिलाओं और नाबालिगों के प्रति अशोभनीय शब्दों का प्रयोग किया गया है।

पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने कहा कि राज्य में महिलाओं और नाबालिगों की गरिमा के विरुद्ध किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक कंटेंट को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और टटीरी जैसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। इस संबंध में पुलिस के सोशल मीडिया सेल को निर्देश जारी किए गए हैं। डीजीपी ने यह भी कहा कि हरियाणा सरकार, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सुरक्षित और जिम्मेदार डिजिटल वातावरण बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा इस दिशा में पुलिस और प्रशासन मिलकर निरंतर प्रभावी कदम उठा रहे हैं।

सीडीएल रद्द करने की मनमानी के खिलाफ यूनाइटेड सिख्स ने दायर की याचिका

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन यूनाइटेड सिख्स ने कैलिफोर्निया में एक कानूनी स्थायी निवासी (एलपीआर) के पक्ष में रिट ऑफ मैंडेट दायर की है। यह मामला एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस (सीडीएल) धारक से जुड़ा है, जिसका लाइसेंस 3 मार्च 2026 को पहले रद्द किया गया, फिर उसी दिन पुनः जारी किया गया और बाद में दोबारा रद्द कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, चालक को उसी दिन उसका सीडीएल दोबारा जारी किया गया था व वह दोपहर में काम पर भी गया। हालांकि, उसके नियोक्ता ने उसे यह कहकर काम करने से रोक दिया कि उसका लाइसेंस अमान्य है व वह बिना लाइसेंस वाहन चलाने के आरोप में कानूनी कार्रवाई का सामना कर सकता है। चालक को लाइसेंस रद्द किए जाने की कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई थी। यूनाइटेड सिख्स के क्षेत्रीय निदेशक मनविंदर सिंह ने कहा कि यह मामला सरकारी एजेंसियों की मनमानी को उजागर करता है। उन्होंने बताया कि जहां एक ओर कैलिफोर्निया में बड़ी संख्या में सीडीएल रद्द करने के खिलाफ सामूहिक याचिका दायर की गई है, वहीं इस मामले में एक ऐसे व्यक्ति की बात है, जिसकी कानूनी स्थायी निवास स्थिति उसे सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए थी।

शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित कर कुर्बानी को किया नमन

गुरनाम सागर, अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। ऋषि अपार्टमेंट, सेक्टर 70, मोहाली में शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह, शहीद राजगुरु व शहीद सुखदेव के शहीदी दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम ऋषि अपार्टमेंट ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित किया गया। इसमें एसोसिएशन के पदाधिकारियों व निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर निवासियों ने महान शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनकी कुर्बानी को नमन किया। समारोह के दौरान स्थानीय काउंसलर सुखदेव सिंह पटवारी ने कहा कि शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने देश की आजादी के लिए अपने जीवन का बलिदान देकर इतिहास रचा। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को इन महान शहीदों की सोच, साहस और देशभक्ति से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस मौके पर सीनियर सिटीजन राकेश कौशल ने शहीदी दिवस को समर्पित देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए, जिन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों में देशभक्ति की भावना को और प्रबल किया। समारोह में जीएस सेठी, रूपिंदर सिंह सराओ, हरप्रीत सिंह, पुनीत भारद्वाज, स्वर्णजीत शर्मा, शरणजीत सिंह, सतपाल सिंह घुम्मण, सुनीता टिक्कू, सुखविंदर कौर, कमलजीत कौर, जसवंत सिंह लहरा, जीपीएस संधू, वासुदेव सिंगला, एडवोकेट जसवीर सिंह पूनिया, परमजीत सिंह चीमा और बृजमोहन मेयर भी उपस्थित थे। अंत में सभी निवासियों ने शहीदों की कुर्बानी को याद करते हुए देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए योगदान देने का संकल्प लिया।

आईकेजीपीटीयू एथलेटिक मीट में सीजीसी लांडरां का दबदबा, बना ओवरऑल चैंपियन

अनंत ज्ञान

गुरनाम सागर, चंडीगढ़। सीजीसी लांडरां, अकाल कॉलेज मस्तुआना साहिब, पंजाब में आयोजित हुए आईकेजीपीटीयू इंटर-कॉलेज 27वें एथलेटिक मीट में लड़कों व लड़कियों दोनों कैटेगरीज में ओवरआल विजेता बना।

इसमें 31 कॉलेजों और 450 से ज्यादा छात्र एथलीटों के बीच प्रतिस्पर्धा करते हुए, संस्थान के खिलाड़ियों ने ट्रैक व फील्ड प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दोनों श्रेणियों में विजेता ट्रॉफी हासिल की। व्यक्तिगत प्रदर्शन में, सीजीसी लांडरां के विवेक बनजों ने 200 मीटर रेस (22.66 सेकंड) और 400 मीटर रेस (50.8 सेकंड) दोनों में नए मीट रिकॉर्ड स्थापित किए। लड़कों की टीम ने कुल 20 मेडल जीते, जिनमें 9 गोल्ड, 9 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे। स्प्रिंट, मिडिल-डिस्टेंस, रिले, हर्डल्स व फील्ड इवेंट्स में टीम ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। प्रमुख उपलब्धियों में 1500 मीटर रेस, 4×100 मीटर रिले और डिस्कस थ्रो में गोल्ड मेडल शामिल रहे, साथ ही 110 मीटर हर्डल्स, 400 मीटर हर्डल्स, 10,000 मीटर दौड़, हैमर थ्रो और 4×400 मीटर रिले में भी टीम ने पोडियम स्थान हासिल किए। टीम ने लंबी दूरी की रेस व फील्ड इवेंट्स में भी शानदार प्रदर्शन किया। लड़कियों की टीम ने कुल 18 मेडल जीते, जिनमें 10 गोल्ड, 3 सिल्वर व 5 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। हर्डल्स, रिले और फील्ड इवेंट्स में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। 100 मीटर हर्डल्स, 400 मीटर हर्डल्स, 4×100 मीटर रिले, हाई जंप, लॉन्ग जंप, ट्रिपल जंप व शॉट पुट में गोल्ड मेडल जीते गए। टीम ने स्प्रिंट इवेंट्स, रिले रेस व डिस्कस थ्रो में भी पोडियम स्थान हासिल किए। छात्रों के प्रदर्शन पर बधाई देते हुए, डॉक्टर राजदीप सिंह, कैंपस डायरेक्टर, सीजीसी लांडरां ने कहा कि यह उपलब्धि खिलाड़ियों की समर्पण भावना व अनुशासन के साथ-साथ कॉलेज के स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है। इन परिणामों से शानदार प्रदर्शन किया। यूनिवर्सिटी लेवल स्पोर्ट्स में सीजीसी लांडरां की निरंतर भागीदारी व प्रतिस्पर्धात्मक उपस्थिति उजागर होती है, जिसे संरचित प्रशिक्षण व संस्थागत प्रोत्साहन का समर्थन प्राप्त है। यह प्रदर्शन सीजीसी लांडरां की उस प्रतिबद्धता व व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसमें शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी बढ़ावा देने पर जोर दिया जाता है, तथा छात्रों के होलिस्टिक डिपार्टमेंट और ओवरआल ग्रोथ पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

धार्मिक विवाद करने पर सरपंच समेत 35 लोगों पर मामला दर्ज

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। सफीदों खंड के गांव डिडवाड़ा में धर्म विशेष के लोगों के साथ मारपीट करने तथा धमकी देने पर सदर थाना सफीदों पुलिस ने 15 लोगों को नामजद कर 20 अन्य के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को भड़काने का मामला दर्ज किया है।

गांव डिडवाड़ा निवासी अमीन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गांव में टेंट की दुकान चलाता है। गत 21 मार्च में व मस्जिद में नमाज अता करने जा रहे थे। गांव के सरपंच राजन ने सभी परिवारों को गांव छोड़ने के लिए धमकी दी। उन्हें नमाज भी नही करने दी गई। वहां आए लोगों के साथ मारपीट तथा गाली गलौज की गई। विरोध करने पर कुछ युवकों ने उसके घर आ कर उन पर हमला किया। जिसमें उसे काफी चोटें आई।

मामला तूल न पकड़े, इसको लेकर रविवार को गांव में डीएसपी गौरव शर्मा के नेतृत्व में फ्लैग मार्च भी निकाला गया था। सदर थाना सफीदों पुलिस ने अमीन की शिकायत पर गांव के सरपंच राजन समेत 15 लोगों का नामजद कर 20 अन्य के खिलाफ मारपीट करने धार्मिक भावनाओं को भड़काने पर समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। डीएसपी सफीदों गौरव शर्मा ने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन व जींद पुलिस पूरी तरह सतर्क है और क्षेत्र में शांति बनाए रखना उनकी प्राथमिकता है। साथ ही आमजन से अपील की गई कि यदि उन्हें किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलती है या कोई अफवाह फैलाता है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

आईएचसीएल ने जिम्मेदार पर्यटन को किया मजबूत

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। इंडियन होटल्स कंपनी (आईएचसीएल), भारत की सबसे बड़ी आतिथ्य कंपनी, अपने ईएसजी+ ढांचे 'पाथ्या' के तहत स्थिरता व सामाजिक प्रभाव को आगे बढ़ाना जारी रखे हुए है।

अपने चौथे वर्ष के अवसर पर, आईएचसीएल ने 'भारत एकसाथ वॉकाथॉन' के माध्यम से सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया। यह 3 किमी की समावेशी वॉक थी। इसमें सहयोगियों, उनके परिवारों, स्थानीय साझेदारों, विक्रेताओं व समुदाय के लोगों ने 14 देशों के 200 से अधिक स्थानों पर भाग लिया। इस वॉकाथॉन के माध्यम से जुटाई गई राशि ताज पब्लिक सर्विस वेलफेयर ट्रस्ट (टीपीएसडब्ल्यूटी) को समर्थन प्रदान करती है, जो सामाजिक प्रभाव के प्रति आईएचसीएल के दृष्टिकोण को और सुदृढ़ करती है। गौरव पोखरियाल, एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट-ह्यूमन रिसोर्सेज, आईएचसीएल ने कहा कि पाथ्या हमारे इस विश्वास को दर्शाता है कि साझा मूल्य तब उत्पन्न होता है, जब स्थिरता को संगठन में गहराई से शामिल किया जाता है। वर्षों में, पाथ्या एक प्रतिबद्धता से विकसित होकर एक समग्र ढांचे में बदल गया है, जो पर्यावरणीय प्रदर्शन, सामाजिक प्रभाव, शासन व विरासत संरक्षण जैसे क्षेत्रों में हमारे निर्णयों का मार्गदर्शन करता है।

हमने 2030 के लक्ष्यों की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है; जिसमें संचालन में 84 से अधिक बॉटलिंग प्लांट, 53 फीसदी पानी का पुनर्चक्रण, 41 फीसदी ऊर्जा नवीकरणीय स्रोतों से प्राप्त करना और 83 कौशल केंद्रों के माध्यम से 42,000 से अधिक वंचित युवाओं को प्रशिक्षण देना शामिल है।

स्पोर्ट्स विंडो

न्यूजीलैंड में नई टी-20 प्रतियोगिता 'एनजेड-20' को मिली मंजूरी

एजेंसी, वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने प्रस्तावित नई टी-20 प्रतियोगिता 'एनजेड-20' को देश की प्रमुख घरेलू टी-20 प्रतियोगिता बनाने की दिशा में प्रारंभिक मंजूरी दे दी है। इस निर्णय के बाद बोर्ड अब प्रतियोगिता के संचालन, अधिकार वितरण और व्यावसायिक व्यवस्था जैसे पहलुओं पर काम करेगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, यह कदम देश की घरेलू टी-20 व्यवस्था को नया रूप देने के उद्देश्य से उठाया गया है। इसके लागू होने पर वर्तमान सुपर स्मैश प्रतियोगिता की जगह 'एनजेड-20' ले सकती है। सुपर स्मैश की शुरुआत पुरुष वर्ग में 2005-06 और महिला वर्ग में 2007-08 में हुई थी। नई प्रतियोगिता के साथ न्यूजीलैंड क्रिकेट मौजूदा संघ-आधारित प्रणाली से हटकर टीम-आधारित व्यवस्था अपनाएगा, जैसा कि दुनिया के कई देशों में प्रचलित है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड की अध्यक्ष डायना पुकेटापु-लिंडन ने सोमवार को बताया कि बोर्ड के सामने 'एनजेड-20' को स्वतंत्र रूप से आयोजित करने या ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश प्रतियोगिता से जोड़ने का विकल्प था, लेकिन विस्तृत चर्चा के बाद स्वतंत्र प्रतियोगिता को ही उचित माना गया। (अनंत ज्ञान)

जयपुर की टीम ने जीती जिंदल स्टील इंडियन ओपन पोलो चैंपियनशिप

एजेंसी, नई दिल्ली। जयपुर टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सोमवार को जिंदल पैंथर को 12-9 से हराकर जिंदल स्टील इंडियन ओपन पोलो चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ जयपुर ने इस सीजन का 11वां खिताब भी हासिल कर लिया। जयपुर की जीत में अलेजो अरामबुरु ने अहम भूमिका निभाई, जिन्होंने शानदार आठ गोल दागे। उनके अलावा टीम के अन्य खिलाड़ियों ने भी बेहतरीन तालमेल और संतुलित खेल दिखाया। मैच की शुरुआत से ही जयपुर ने आक्रामक रुख अपनाया। पहले चक्कर में अलेजो अरामबुरु ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई, जबकि महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने भी शानदार फील्ड गोल किया। प्रताप सिंह कनोटा और डेनियल ओटामेंडी ने भी गोल दागे, जिससे जयपुर ने पहले चक्कर के अंत तक 4-2 की बढ़त बना ली। जयपुर ने अगले चक्करों में भी अपनी बढ़त बनाए रखी। अंतिम चक्कर में जयपुर ने मुकाबला 12-9 से जीत लिया और खिताब पर कब्जा जमाया। इस जीत के साथ जयपुर टीम ने पूरे सत्र में अपने दबदबे को एक बार फिर साबित कर दिया। (अनंत ज्ञान)

नेमार जूनियर का 2026 वर्ल्ड कप खेलने का सपना लगभग खत्म

एजेंसी, ब्रासीलिया। नेमार जूनियर के 2026 फीफा वर्ल्ड कप में खेलने की उम्मीदें अब लगभग खत्म होती नजर आ रही हैं। नेमार ने पहले संकेत दिए थे कि यह उनका आखिरी वर्ल्ड कप हो सकता है, लेकिन ब्राजील फुटबॉल फेडरेशन के साथ बढ़ते तनाव को देखते हुए ऐसा संभव होता नहीं दिख रहा है। सीएनएन ब्राजील की रिपोर्ट के अनुसार, सीबीएफ के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि नेमार का टीम में चयन अब 'अत्यंत जटिल' हो गया है और यह लगभग नामुमकिन सा लगता है। कुछ दिन पहले ही ब्राजील कोच कार्लो एंसेलॉटी ने आगामी वर्ल्ड कप वार्म-अप मैचों (फ्रांस और क्रोएशिया के खिलाफ) के लिए टीम घोषित की, जिसमें नेमार का नाम नहीं था। नेमार ने साओ पाउलो में एक इवेंट पर कहा कि वे डिसअपॉइंटेड और सैड हैं। उन्होंने एक वीडियो जारी कर अपनी फिटनेस पर काम करने और टीम में वापसी की इच्छा जताई। लेकिन सीबीएफ के अंदर ये रिएक्शन अच्छा नहीं लिया गया। (अनंत ज्ञान)

कबड्डी क्वीन ममता पुजारी

ममता पुजारी को कबड्डी क्वीन के रूप में जाना जाता है, वह एक भारतीय पेशेवर अंतरराष्ट्रीय महिला कबड्डी खिलाड़ी हैं। वह भारतीय महिला कबड्डी टीम के कप्तान हैं और उन्हें राज्योत्सवाष्प्रज्ञ, कर्नाटक के दूसरे सबसे बड़े पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

अरुंधति और साहिबजादा चुने गए आईसीसी 'प्लेयर ऑफ द मंथ'

प्रशंसकों के मत और क्रिकेट विशेषज्ञों की राय पर किया गया चयन

एजेंसी, नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने फरवरी, 2026 के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। पुरुष वर्ग में पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान, जबकि महिला वर्ग में भारत की तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी को यह सम्मान दिया गया है।

दोनों खिलाड़ियों का चयन विश्वभर के प्रशंसकों के मत और पूर्व खिलाड़ियों व विशेषज्ञों की समिति की सलाह पर किया गया। साहिबजादा फरहान ने टी-20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए यह पुरस्कार अपने नाम किया। उन्होंने एक ही संस्करण में सबसे अधिक रन बनाकर विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ दिया और नामीबिया व श्रीलंका के खिलाफ दो शतक जड़कर इतिहास रच दिया। फरहान ने फरवरी के दौरान सात टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 383 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 76.60 और स्ट्राइक रेट 160.25 रहा।

पुरुष वर्ग में फरहान ने इंग्लैंड के विल जैक्स और अमेरिका के शैडली वैन शालविक को पीछे छोड़ा, जबकि महिला वर्ग में रेड्डी ने श्रीलंका की हर्षिता समरविक्रमा और पाकिस्तान की फातिमा सना को पछाड़ा। फरहान ने कहा, 'यह पुरस्कार जीतना मेरे लिए बेहद खास है। विश्व कप जैसे बड़े मंच पर प्रदर्शन करना गर्व की बात है और मैं इस लय को आगे भी जारी रखना चाहता हूं।' भारतीय गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 शृंखला में शानदार गेंदबाजी करते हुए भारत को 2-1 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने तीन मैचों में 4/22, 2/30 और 2/35 के प्रदर्शन के साथ कुल आठ विकेट हासिल किए। रेड्डी ने कहा, 'यह सम्मान पाना मेरे लिए गर्व की बात है, खासकर ऑस्ट्रेलिया में टीम की जीत में योगदान देने के बाद। यह जीत हमारे आत्मविश्वास को और मजबूत करेगी।' (अनंत ज्ञान)

अल्कराज मियामी ओपन से बाहर

अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा ने 6-3, 5-7, 6-4 से हराया

एजेंसी, मियामी

मियामी ओपन में रविवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला। मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन कार्लोस अल्कराज टूर्नामेंट के तीसरे राउंड में हारकर बाहर हो गए हैं। उन्हें अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा ने तीन सेटों के कड़े मुकाबले में 6-3, 5-7, 6-4 से मात दी। मैच 2 घंटे 19 मिनट चला। कार्लोस अल्काराज, जिन्होंने जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया, इस सीजन में अब तक 19 मैच खेल चुके हैं, जिनमें उन्होंने 17 जीत और 2 हार दर्ज की हैं। इंडियन वेल्स में भी उनका सफर सेमीफाइनल में समाप्त हुआ, जहां उन्हें डेनियल मेदवेदेव के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। यह लगातार दूसरा साल है जब अल्कराज को मियामी में शुरुआती दौर में ही बाहर होना पड़ा है। पिछले साल भी उन्हें दूसरे दौर में डेविड गोफिन ने हराकर चौंकाया था।

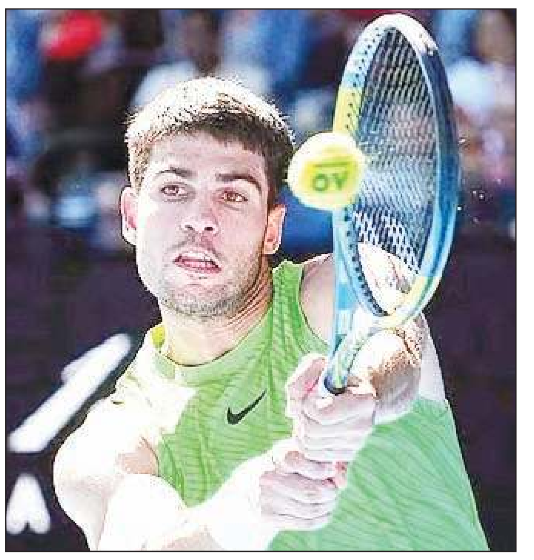

हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए इस मैच में अल्कराज अपनी लय में नजर नहीं आए। मानसिक मजबूती के लिए पहचाने जाने वाले अल्कराज मैच के दौरान काफी हताश दिखे।

पहले सेट में 3-6 से पिछड़ने और दूसरे सेट की शुरुआत में सर्विस टूटने के बाद उन्होंने अपने बॉक्स (कोचिंग टीम) की तरफ चिल्लाते हुए कहा,' अब मुझसे और बर्दाश्त नहीं होता। मैं घर जा रहा हूं... मैं अब और नहीं झेल सकता।' उनके इस व्यवहार ने फैंस को हैरान कर दिया, क्योंकि वे आमतौर पर मैदान पर शांत और मुस्कुराते हुए नजर आते हैं।

वहीं, निर्णायक सेट (तीसरे सेट) में 25 साल के कोर्डा ने अपना संयम बनाए रखा और 2 घंटे 19 मिनट तक चले इस मुकाबले को 6-4 से अपने नाम कर लिया। (अनंत ज्ञान)

रैंकिंग में 36वें नंबर के खिलाड़ी से हारे

सेबेस्टियन कोर्डा फिलहाल एटीपी रैंकिंग में 36वें स्थान पर हैं। पिछले साल डेविड गोफिन (तब 55वीं रैंक) के बाद कोर्डा सबसे कम रैंकिंग वाले खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने अल्कराज को इस टूर्नामेंट में हराया है। इस हार के साथ ही मियामी ओपन में अल्कराज का खराब रिकॉर्ड जारी रहा।

बोले- अहम मौकों पर कोर्डा बेहतर रहे

मैच के बाद अपनी हार स्वीकार करते हुए अल्कराज ने कहा,'जाहिर तौर पर यह एक कठिन मैच था। मुझे लगता है कि आज कोर्डा ने बेहतरीन खेल दिखाया। मैच में कई ऐसे मौके आए जहां स्कोर काफी करीबी था, लेकिन मैं उन मौकों का फायदा नहीं उठा सका। उन परिस्थितियों में कोर्डा मुझसे बेहतर साबित हुए।

दिल्ली को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से स्टार्क को जल्द एनओसी मिलने की उम्मीद

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स ने सोमवार को बताया कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक मिचेल स्टार्क को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं दिया है लेकिन उन्हें उम्मीद है कि उनका प्रमुख तेज गेंदबाज एक अप्रैल को टूर्नामेंट में शुरुआती मैच से पहले टीम से जुड़ जाएगा। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल, क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव और मुख्य कोच हेमांग बदानी ने सोमवार को यहां मीडिया से बातचीत में अपने तेज गेंदबाज की उपलब्धता से जुड़े कई सवालों के जवाब दिए। स्टार्क ने पिछले सत्र में 11 मैचों में 14 विकेट लिए थे।

बदानी ने कहा, 'हम क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से एनओसी मिलने का इंतजार कर रहे हैं। जैसे ही हमें वह मिल जाएगा, हमें पता चल जाएगा कि वह कब टीम में शामिल होंगे।' उन्होंने एनओसी मिलने में हो रही देरी के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'हम क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ लगातार संपर्क में हैं। वह गेंदबाजी अभ्यास कर रहे हैं, उन्होंने कुछ दिन पहले भी गेंदबाजी की थी। जब तक क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया उन्हें खेलने के लिए फिट घोषित नहीं कर देता, तब तक कोई फ्रेंचाइजी कुछ नहीं कर सकती।'

उनके बगल में बैठे राव ने आगे कहा, 'वह आ रहे हैं, बस क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से एनओसी मिलने का सवाल है। वह क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की निगरानी में हैं। हम भी उनकी फिटनेस पर नजर रख रहे हैं।' राव और बदानी के साथ बैठे अक्षर से पूछा गया कि अगर स्टार्क एक अप्रैल को लखनऊ में खेले जाने वाले लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच के लिए नहीं पहुंचते हैं, तो क्या वह टी. नटराजन को उनकी जगह खिलाने के लिए तैयार हैं। (अनंत ज्ञान)

सौरभ दुबे व शनाका आईपीएल में शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली। आईपीएल का 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है। पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। सीजन शुरू होने से पहले ही 10 खिलाड़ी या तो पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं या शुरुआती मैचों में उपलब्ध नहीं रहेंगे। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आकाश दीप की जगह अब सौरभ दुबे को टीम में शामिल किया है। केकेआर ने अभी तक हर्षित राणा और मथीशा पथिराना के रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया है। टीम के अंदर यह माना जा रहा है कि राणा के स्तर का कोई भारतीय विकल्प फिलहाल उपलब्ध नहीं है। वहीं, राजस्थान रॉयल्स ने सैम करन की जगह दसुन शनाका को टीम से जोड़ा है।

मैनचेस्टर सिटी ने आर्सेनल को हराकर दो साल के बाद जीता काराबाओ कप

निको ओ रेली ने मैच के दूसरे हाफ में दो गोल कर टीम को दिलाई जीत

एजेंसी, लंदन

काराबाओ कप के फाइनल में मैनचेस्टर सिटी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को आर्सेनल को 2-0 से हराकर दो साल बाद खिताब अपने नाम किया। वेम्बली मैदान पर खेले गए इस मुकाबले में निको ओ'रैली ने दूसरे हाफ में दो गोल कर टीम को जीत दिलाई। प्रीमियर लीग में शीर्ष पर चल रही आर्सेनल इस मुकाबले में मजबूत दावेदार मानी जा रही थी, लेकिन सिटी के सामने वह पूरी तरह फीकी साबित हुई। इस जीत के साथ सिटी ने इस प्रतियोगिता का नौवीं बार खिताब जीता।

पहले हाफ में मुकाबला बराबरी का रहा और कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे हाफ में सिटी ने खेल की रफ्तार बढ़ाई और 60वें मिनट में आर्सेनल के गोलकीपर केपा अरिजाबालागा की गलती का फायदा उठाते हुए ओ'रेली ने पहला गोल दागा। इसके चार मिनट बाद सिटी ने बढ़त दोगुनी कर दी। दाईं ओर से बने शानदार मूव पर मैथियस नुनेस के सटीक पास को ओ'रेली ने हेडर के जरिए गोल में बदल दिया। आर्सेनल के खिलाड़ियों में निराशा साफ दिखी। बेन व्हाइट को विरोधी खिलाड़ी पर फाउल करने के कारण पीला कार्ड भी मिला। अंत में आर्सेनल ने वापसी की कोशिश की, लेकिन गैब्रियल का शॉट क्रॉसबार से टकरा गया। मैच के बाद बर्नार्डो सिल्वा ने ट्रॉफी उठाई, जबकि आर्सेनल के अधिकांश समर्थक मैदान छोड़ चुके थे। सिटी के प्रशंसकों ने जीत का जमकर जश्न मनाया। (अनंत ज्ञान)

ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट पिच पर अधिक नियंत्रण की बात को किया खारिज

एजेंसी, मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने टेस्ट पिच की तैयारी पर अधिक नियंत्रण रखने की बात को खारिज करते हुए कहा कि साल की शुरूआत में एशेज शृंखला के दौरान आलोचना के बावजूद स्थानीय क्यूरेटर ही अच्छी और अनूठी पिचें तैयार करने के लिए सबसे सही लोग हैं। पर्थ और एमसीजी टेस्ट दो दिन के भीतर खत्म होने के कारण क्रिकेट आस्ट्रेलिया को 15 मिलियन डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा था जिससे वहां की पिचों को लेकर भी काफी आलोचना हुई। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीन ने स्वीकार किया कि टेस्ट मैचों का जल्दी खत्म होना व्यवसायिक दृष्टि से बुरा है। सीए के संचालन प्रमुख पीटर रोच ने आस्ट्रेलियाई एसोसिएट प्रेस से कहा,' यह अकल्पनीय है कि हम अभी जितना नियंत्रित करते हैं, उससे अधिक कर पाएंगे।' (अनंत ज्ञान)

इंटर मियामी ने न्यूयॉर्क सिटी को 3-2 के अंतर से हराया

एजेंसी, न्यूयॉर्क

मेजर लीग सॉकर में रविवार को खेले गए मुकाबले में इंटर मियामी ने शानदार वापसी करते हुए न्यूयॉर्क सिटी को 3-2 से हरा दिया। मैच का निर्णायक गोल मिकाएल दोस सैंटोस ने 74वें मिनट में किया। इंटर मियामी के लिए लियोनेल मेसी ने भी अहम गोल दागा, जो उनके करियर का 901वां गोल रहा। इसके अलावा गोंजालो लुजान ने भी अपनी टीम के लिए पहला गोल किया। इस जीत के साथ इंटर मियामी ने शानदार वापसी की और महत्वपूर्ण अंक हासिल किए।

मुकाबले में न्यूयॉर्क सिटी की ओर से निकोलस फर्नांडीज मर्काओ और अगस्टिन ओहेदा ने गोल किए। 59वें मिनट में मैक्सी मोरालेज के बेहतरीन पास पर ओहेदा ने गोल कर टीम को 2-1 की बढ़त दिलाई थी। हालांकि, इसके तुरंत बाद इंटर मियामी को फ्री किक मिली, जिस पर मेसी का शॉट डिफ्लेक्ट होकर गोल में चला गया और स्कोर 2-2 से बराबर हो गया। इससे पहले भी मेसी को दो मौके मिले थे, लेकिन दोनों बार गेंद पोस्ट से टकराकर बाहर चली गई।

मिकाएल दोस सैंटोस ने 74वें मिनट में किया निर्णायक गोल

इसके बाद 74वें मिनट में मिकाएल दोस सैंटोस ने शानदार हेडर लगाकर इंटर मियामी को बढ़त दिलाई, जो अंत तक कायम रही। इस जीत के साथ इंटर मियामी ने अंतरराष्ट्रीय ब्रेक से पहले मजबूत प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की, जबकि न्यूयॉर्क सिटी को इस सत्र की पहली हार का सामना करना पड़ा। (अनंत ज्ञान)

अपने देश में आईपीएल प्रसारण बैन पर समीक्षा करेगा बांग्लादेश

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्रसारण पर लगे बैन की समीक्षा जल्द हो सकती है। युवा एवं खेल राज्य मंत्री अमीनुल हक ने क्रिकबज से बातचीत में कहा कि वे इस बात की भी जांच करेंगे कि दुनिया की सबसे बड़ी टी-20 लीग आईपीएल के प्रसारण पर बांग्लादेश में बैन क्यों लगाया गया है। वे स्थिति को समझने के बाद इस पर दोबारा फैसला लेंगे। वहीं, सुरक्षा चिंताओं के आधार पर खिलाड़ियों के पीएसएल में खेलने पर भी अंतिम फैसला बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की रिपोर्ट के बाद ही लिया जाएगा। गौर रहे कि यूनुस के नेतृत्व वाली पिछली अंतरिम सरकार ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत और श्रीलंका में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं लिया था। इसके साथ ही बांग्लादेश में आईपीएल के प्रसारण पर भी रोक लगा दी गई थी। इसके पीछे का कारण आईपीएल से बांग्लादेश के एक खिलाड़ी को निकालना था। (अनंत ज्ञान)

अनंत ज्ञान
दैनिक समाचार पत्र
'अनंत ज्ञान' की प्रति प्राप्त करने
समाचार, विज्ञापन, शुभकामना संदेश
एवं निविदा प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें।
"अनंत ज्ञान – आपकी आवाज, आपका समाचार पत्र"
शिमला – सत्यदेव भारद्वाज, ब्यूरो चीफ, मो. 70181-60595
धर्मशाला – राजेश कुमार, जिला प्रभारी, मो. 98164-48474
सोलन – मोहन चौहान, जिला प्रभारी, मो. 94181-57519
मंडी – अनिल शर्मा, ब्यूरो चीफ, मो. 94189-80288
हमीरपुर – विक्रम ढटवालिया, ब्यूरो चीफ, मो. 94180-03422
बिलासपुर – अरुण डोगरा, जिला प्रभारी, मो. 90159-09310
चंबा – राहुल सहगल, वरिष्ठ संवाददाता, मो. 78278-66759
ऊना – राजेश शर्मा, ब्यूरो चीफ, मो. 98163-96500
कुल्लू एवं लाहौल/स्पीति – कमलेश वर्मा, जिला प्रभारी, मो. 86298-97600
पठानकोट – अशोक ठाकुर, विशेष संवाददाता, मो. 94184-85666
चंडीगढ़/मोहाली – गुरनाम सागर, स्टाफ रिपोर्टर, मो. 99153-26615
Head Office:- Plot No.8, Phase-II, Ind. Area Nagrota Bagwan, Distt. Kangra (H. P.)- 176047
Contact: 01892-299098, 98168-75517
Email: anantgyaanmedia@gmail.com

अनुबंध उल्लंघन से बढ़ीं पीएसएल की मुश्किलें

एजेंसी, कराची। विदेशी खिलाड़ियों के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के बावजूद नाम वापस लेने के कारण दो नई टीमों के साथ पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की मेजबानी करना पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के लिए लॉजिस्टिक्स और अनुबंध संबंधी परेशानियों का सबब बनता जा रहा है। विदेशी खिलाड़ी अधिक आकर्षक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से करार मिलने के बाद पीएसएल को छोड़ रहे हैं। दो नई फ्रेंचाइजी को शामिल करने के साथ विस्तारित पीएसएल बृहस्पतिवार को लाहौर में शुरू होने वाली है। यह आईपीएल के 28 मार्च को शुरू होने से दो दिन पहले है। इस तरह इन दोनों लीगों का आयोजन एक साथ होगा। पीएसएल तीन मई तक चलेगा, जबकि आईपीएल का पूरा कार्यक्रम अभी जारी नहीं हुआ है। एक विश्वसनीय सूत्र के अनुसार, पीसीबी न केवल खिलाड़ियों द्वारा अनुबंधों के उल्लंघन से जूझ रहा है, बल्कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण कुछ खिलाड़ियों द्वारा अंतिम समय में फीस बढ़ाने की मांग से भी परेशान है। (अनंत ज्ञान)

अवॉर्ड हॉकी इंडिया ने की '8वें वार्षिक पुरस्कार 2025' के लिए नामित खिलाड़ियों की घोषणा

नई दिल्ली में 27 को सम्मानित होंगे हॉकी प्लेयर्स

एजेंसी, नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने सोमवार को '8वें वार्षिक पुरस्कार 2025' के लिए नामांकित खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। यह पुरस्कार समारोह 27 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित होगा, जिसमें वर्ष 2025 के दौरान भारतीय हॉकी में उत्कृष्ट प्रदर्शन और योगदान देने वाले खिलाड़ियों व अधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा।

इस समारोह के प्रमुख पुरस्कारों में 'हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार' शामिल है, जो पुरुष और महिला वर्ग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को दिया जाएगा। इसके अलावा उभरती प्रतिभाओं को 'हॉकी इंडिया जुगराज सिंह उभरते खिलाड़ी (पुरुष अंडर-21)' और 'हॉकी इंडिया असुंता लकड़ा उभरती खिलाड़ी (महिला अंडर-21)' पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा।

विभिन्न पोजीशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 'हॉकी इंडिया बलजीत सिंह वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर', 'हॉकी इंडिया परगट सिंह वर्ष के सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर', 'हॉकी इंडिया अजीत पाल सिंह वर्ष के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर' और 'हॉकी इंडिया धनराज पिल्लै वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड' पुरस्कार भी दिए जाएंगे। इन आठ श्रेणियों में कुल 32 खिलाड़ियों को अंतिम सूची में शामिल किया गया है।

इसके अलावा समारोह में 'हॉकी इंडिया अध्यक्ष उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार', 'जमन लाल शर्मा अमूल्य योगदान पुरस्कार', अंपायर और तकनीकी अधिकारियों के लिए विशेष सम्मान तथा सर्वश्रेष्ठ सदस्य इकाई पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। इस दौरान 2025 में एशिया कप राजगीर (बिहार) में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम और एफआईएच हॉकी मेंस जूनियर वर्ल्ड कप तमिलनाडु में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय जूनियर पुरुष टीम को भी सम्मानित किया जाएगा। साथ ही 15वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली सदस्य इकाइयों को भी मान्यता दी जाएगी।

इन खिलाड़ियों को किया जाएगा पुरस्कृत

सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर (बलजीत सिंह पुरस्कार): प्रिंस दीप सिंह, कृष्ण बहादुर पाठक, बिचु देवी खारीबाम, सूरज करकेरा

सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर (परगट सिंह पुरस्कार): संजय, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, हरमनप्रीत सिंह।

सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर (अजीत पाल सिंह पुरस्कार): हार्दिक सिंह, सुमित, राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा।

सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड (धनराज पिल्लै पुरस्कार): सुखजीत सिंह, अभिषेक, नवनीत कौर, शिलानंद लकड़ा।

उभरती खिलाड़ी (महिला अंडर-21, असुंता लकड़ा पुरस्कार): साक्षी राणा, ज्योति सिंह, सुनेलिता टोप्पो, कनिका सिवाच

उभरते खिलाड़ी (पुरुष अंडर-21, जुगराज सिंह पुरस्कार): प्रिंस दीप सिंह, मनमीत सिंह, अनमोल एक्का, अर्शदीप सिंह।

सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी (बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार): नवनीत कौर, सलीमा टेटे, लालरेमसियामी, सविता।

सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी (बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार): हार्दिक सिंह, सुखजीत सिंह, संजय और अभिषेक।